राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 19 सितंबर 2025 वर्ष-8,अंक-210 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ट्रंप प्रशासन का बड़ा एक्शनः भारत के कई अधिकारियों और कारोबारी नेताओं के वीजा कर दिए रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक रिश्तों में 'टैरिफ बम' विवाद के बाद अब ट्रंप प्रशासन ने एक और कड़ा कदम उठा लिया है। इस बार निशाने पर आए हैं भारत के कुछ अधिकारी और कॉर्पोरेट लीडर्स। अमेरिकी दूतावास ने गुरुवार को जानकारी दी कि इन लोगों के वीजा रद्द कर दिए गए हैं। वजह—उन पर फेंटेनाइल प्रीकर्सर की तस्करी में शामिल होने के आरोप हैं। दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास के एक अधिकारी ने कहा कि हाल के महीनों में लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि भारत से जुड़े कुछ अधिकारी और कारोबारी खतरनाक सिंथेटिक ड्रग्स की आपूर्ति में शामिल हैं। दूतावास ने साफ किया कि अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए वीजा रद्द करने का यह कठोर कदम उठाना पड़ा। दूतावास ने बताया कि अब से ड्रग तस्करी से जुड़ी कंपनियों के किसी भी अधिकारी को अमेरिकी वीजा के लिए आवेदन करते समय 'रेड फ्लैग' के तहत चिह्नित किया जाएगा। इसका मतलब है कि ऐसे आवेदनों पर विशेष जांच होगी और जरा भी संदिग्ध पाए जाने पर वीजा मंजूर नहीं होगा।

हुर्रियत नेता अब्दुल गनी भट का निधन, मुख्यमंत्री अब्दुल्ला और महबूबा ने दुख व्यक्त किया

जम्मू (एजेंसी)। प्रमुख शिक्षाविद, राजनीतिक नेता और ऑल पार्टीज हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर अब्दुल गनी भट का बुधवार सोपोर के बोइटेंगो स्थित उनके आवास पर बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 89 वर्ष के थे। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, वरिष्ठ कश्मीरी राजनीतिक नेता और शिक्षाविद प्रोफेसर अब्दुल गनी भट के निधन के बारे में सुनकर मुझे दुख हुआ। हमारी राजनीतिक विचारधाराएं बिल्कुल अलग थीं, लेकिन मैं उन्हें हमेशा एक बहुत ही भद्र व्यक्ति के रूप में याद रखूंगा। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने प्रोफेसर भट के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए एक्स पर अपने पोस्ट में लिखा, प्रोफेसर अब्दुल गनी भट साहब के निधन की खबर सुनकर मुझे गहरा दुख हुआ है।

सेबी ने अदाणी समूह को दी क्लीन चिट

-हिंडनबर्ग रिपोर्ट से जुड़े मामले में हेरफेर के आरोप किए गए खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिंडनबर्ग मामले में अदाणी समूह को शेयर बाजार नियामक सेबी से बड़ी राहत मिली है। सेबी ने गुरुवार को अरबपति गौतम अदाणी और उनकी समूह कंपनियों, जिनमें अदाणी पोर्ट्स और अदाणी पावर शामिल हैं, के खिलाफ अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की ओर से लगाए गए स्टॉक हेरफेर के आरोपों को खारिज कर दिया। यह आदेश अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड, अदाणी पावर लिमिटेड, एडिकॉर्प एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड, गौतम शांतिलाल अडानी और राजेश शांतिलाल अदाणी पर लागू होता है। मामले पर विचार करने के बाद, सेबी ने कहा कि उसने बिना किसी निर्देश के नोटिस प्राप्तकर्ताओं के खिलाफ तत्काल कार्यवाही को समाप्त करने का निर्णय लिया है। अमेरिका स्थित वित्तीय अनुसंधान फर्म और शॉर्टसेलर फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च की एक रिपोर्ट में आरोप लगाया गया था कि एडिकॉर्प एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड का उपयोग विभिन्न अदाणी समूह कंपनियों से सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध अदाणी पावर को वित्तपोषित करने के लिए धन भेजने के साधन के रूप में किया गया था।

75 फ़ीसदी निवेशकों को शेयर बाजार से नुकसान?

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार छोटे निवेशकों के लिए चिंता का कारण बन गया है। 75 फ़ीसदी छोटे निवेशकों को पिछले 1 वर्ष में शेयर बाजार से कोई लाभ नहीं मिला।उल्टा उन्हें नुकसान झेलना पड़ रहा है। मिड कैप, स्माल कैप, माइक्रो कैप तथा बीएससी के निवेशकों को पिछले 1 वर्ष में फायदे के स्थान पर नुकसान उठाना पड़ रहा है। पिछले 1 साल से शेयर बाजार में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। इसके बाद भी भारतीय शेयर बाजार में घरेलू निवेशकों ने, लगभग 90 अरब डॉलर जो भारतीय मुद्रा में लगभग 7.50 लाख करोड रुपए होता है।इसे निवेश किया है। इसी बीच विदेशी निवेशक मुनाफा वसूली करके बाजार से निकल गए। 2024 से लेकर अभी तक निवेशकों को जीरो फ़ीसदी का लाभ शेयर बाजार से नहीं मिल रहा है।

मिड कैप 150 में अभी तक 1.82 फ़ीसदी,बीएसई 500 का 2.63 फ़ीसदी,स्मॉल कैप में 5.76 फ़ीसदी तथा माइक्रो कैप में 5.47 फ़ीसदी का नुकसान निवेशकों को उठाना पड़ा है। बीएससी 500 इंडेक्स के करीब 75 फ़ीसदी शेयरों में पिछले 1 साल से गिरावट बनी हुई है। जिसके कारण निवेशकों को पिछले 1 साल में भारी नुकसान हुआ है। शेयर बाजार से निवेशकों को नेगेटिव रिटर्न मिल रहा है। शेयर बाजार से मुनाफा मिलना तो दूर उल्टा घाटा हो रहा है।

देश में अबतक 8 प्रतिशत ज्यादा बारिश...

उत्तराखंड और हिमाचल में कुदरत का कहर जारी

चमोली में बादल फटा, 14 लोग लापता

नई दिल्ली/देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में दो दिन में दूसरी बार बादल फटा है। 17 सितंबर की रात चमोली जिले के नंदानगर घाट में बादल फटा। यहां कुंटरी लंगाफली वार्ड में छह घर मलबे में दब गए। 14 लोग लापता हैं और 20 लोग घायल हैं। अब तक 2 लोग रेस्क्यू किए गए। इससे पहले 16 सितंबर को देहरादून में बादल फटा था। देहरादून से मसूरी का 35 किलोमीटर का रास्ता कई जगह क्षतिग्रस्त है। इसके कारण मसूरी में 2500 टूरिस्ट्स लगातार तीसरे दिन फंसे हुए हैं। हिमाचल में इस सीजन बारिश, बाढ़, लैंडस्लाइड और अचानक आई बाढ़ से अब तक 419 लोगों की मौत हो चुकी है। मौसम विभाग ने दोनों ही राज्यों उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश को अगले 48 घंटे हाई अलर्ट पर रखा है।

देश में इस साल 24 मई को दक्षिण-पश्चिम मानसून केरल पहुंचा था। देश में अब तक सामान्य से 8 प्रतिशत ज्यादा बारिश हो चुकी है। 3 राज्यों राजस्थान (पश्चिम), पंजाब और हरियाणा से मानसून की विदाई शुरू भी हो चुकी है, लेकिन इसके जाते-जाते भी देश के 7 राज्यों में तेज बारिश की संभवना है। मौसम विभाग और ग्लोबल फोरकास्ट सिस्टम के मुताबिक, सितंबर के आखिरी कुछ दिन और अक्टूबर की शुरुआत तक एक बड़े कम दबाव के क्षेत्र के साथ जबरदस्त बारिश के आसार हैं। 25-26 सितंबर को बंगाल की खाड़ी में बड़ा मानसूनी सिस्टम लो प्रेशर एरिया बन रहा है। इससे पूर्वी-पश्चिमी मध्य प्रदेश के अलावा पश्चिम बंगाल, ओडिशा, झारखंड, छग, बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 2-3 दिन तेज बारिश हो सकती है। कुछ इलाकों में 3 इंच तक पानी गिर सकता है।

दो महिलाओं और एक बच्चे को मलबे से निकाला

दो महिलाओं और एक बच्चे को पुलिस व डीडीआरएफ की टीमों ने मलबे से सुरक्षित बाहर निकाला। इन घायलों को नंदानगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। करीब 200 ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। वहीं, ग्राम कुंतरी लगा सरपाणी में भी दो लोग लापता हैं और दो भवन ध्वस्त हुए हैं। यहां भी रेस्क्यू टीमों ने 100 ग्रामीणों को सुरक्षित निकाला। ग्राम धुर्मा में मोक्ष नदी उफान पर आ गई, जिससे दो लोग लापता हैं और करीब 10 मकानों को नुकसान पहुंचा है। बचाव कार्यों में एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, आईटीबीपी (गौचर 8वीं वाहिनी), डीडीआरएफ और राजस्व विभाग की टीमें जुटी हैं। लेकिन सडकों के जगह-जगह बंद होने और भूस्खलन के कारण टीमों को घटनास्थल पर पहुंचने में देरी हो रही है। अधिकतर टीमें अब पैदल मार्ग से मौके पर पहुंचने की कोशिश कर रही हैं।

हिमाचल में 4596 करोड़ की संपति का नुकसान

हिमाचल प्रदेश में बारिश और बाढ़ से जुड़ी अलग अलग घटनाओं की वजह से सार्वजनिक संपत्ति को अब तक करीब 4596 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। इसमें सबसे ज्यादा नुकसान लोक निर्माण विभाग को हुआ है। वहीं, 1500 से अधिक पक्के और 3800 से ज्यादा कच्चे मकान या तो आंशिक रूप से टूट गए या पूरी तरह ढह गए।

राहुल गांधी का एक्स पोस्ट, देश के 'जेन ज़ी' संविधान को बचाएंगे, मैं उनके साथ खड़ा हूं

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज चुनाव आयोग पर बड़ा आरोप लगाने के बाद विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का एक महत्वपूर्ण एक्स पोस्ट आया है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि देश के युवा, देश के स्टूडेंट, देश की Gen Z संविधान को बचाएंगे, लोकतंत्र की रक्षा करेंगे और वोट चोरी को रोकेंगे। मैं उनके साथ हमेशा खड़ा हूं। जय हिंद! इससे पहले राहुल गांधी ने गुरुवार को नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर 'भारतीय लोकतंत्र को नष्ट करने वाले लोगों' को संरक्षण देने का आरोप लगाया। हालाँकि कांग्रेस नेता ने स्पष्ट किया कि तथाकथित 'हाइड्रोजन बम' का अभी भी अंदेशा है, उन्होंने दावा किया कि 'कुछ खास लोग' उन अल्पसंख्यक समूहों के वोटों को व्यवस्थित रूप से काट रहे हैं जो विशेष रूप से कांग्रेस को वोट देते हैं।

कांग्रेस मुख्यालय, इंदिरा भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राहुल गांधी ने कहा, ÷मैं युवाओं और जनता को इस बात का स्पष्ट सबूत दिखाने जा रहा हूँ कि भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त उन लोगों को संरक्षण दे रहे हैं जिन्होंने भारतीय लोकतंत्र को नष्ट किया है। मैं आपको वोट जोड़ने, हटाने के तरीके भी दिखाऊँगा और यह भी दिखाऊँगा कि यह कैसे किया जाता है।÷ कांग्रेस नेता ने आगे दावा किया कि कर्नाटक के अलंद विधानसभा क्षेत्र में कम से कम 6 हज़ार वोट हटाए गए हैं। इससे पहले, एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि उसी राज्य के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में भी फर्जी वोट पड़े थे।

उन्होंने आगे कहा कि हर चुनाव में, कुछ लोग, कुछ लोगों का समूह, पूरे भारत में मतदाताओं के नाम हटाने के लिए व्यवस्थित रूप से निशाना बना रहा है। विभिन्न समुदायों, मुख्य रूप से विपक्ष को वोट देने वाले दलित, ओबीसी, आदिवासी, अल्पसंख्यकों को विशेष रूप से निशाना बनाया जाता है जो विपक्ष को वोट देते हैं। हमने यह कई बार सुना था, और अब हमें इसका 100 प्रतिशत प्रमाण मिल गया है। मैं इस मंच पर ऐसा कुछ भी नहीं कहूँगा जो 100 प्रतिशत प्रमाणों के साथ समर्थित न हो। मैं एक ऐसा व्यक्ति हूँ जो अपने देश, संविधान और लोकतांत्रिक प्रक्रिया से प्यार करता है और मैं उस प्रक्रिया की रक्षा करता हूँ। मैं 100 प्रतिशत प्रमाणों पर आधारित नहीं होने वाला।

20 सितंबर को पीएम मोदी गुजरात दौरे पर आएंगे, राज्य को देंगे 1.50 लाख करोड़ की सौगात

भावनगर ।गुजरात के भावनगर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 20 सितंबर को आगमन को लेकर जोर-शोर से तैयारियां चल रही हैं।20 सितंबर को पीएम मोदी गुजरात के भावनगर पहुंचेंगे7 एयरपोर्ट से सुभाषनगर तक प्रधानमंत्री मोदी का भव्य रोड शो का आयोजन किया गया है। इस दौरान करीब 30 हजार से अधिक लोग पीएम मोदी के स्वागत के लिए मौजूद रहेंगे। पूरे शहर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। भावनगर के जवाहर मैदान में प्रधानमंत्री मोदी एक विशाल जनसभा को भी संबोधित करेंगे। इस दौरे के दौरान पीएम मोदी 1.50 लाख करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। जानकारी के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी सागरमाला प्रोजेक्ट के लिए 75 करोड़ रुपये फंड जारी करेंगे। इसके अलावा अलंग विकास मॉडल को भी प्रस्तुत करेंगे। शिक्षा क्षेत्र में एकेडमिक ब्लॉक, शिक्षा भवन और एमसीएच के कार्यों की घोषणा हो सकती है। पीएम मोदी 39,867 करोड़ रुपये के शिप बिल्डिंग एमओयू पर हस्ताक्षर करेंगे और राज्यभर में 27,138 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। पीएम मोदी का यह दौरा भावनगर समेत पूरे गुजरात के लिए ऐतिहासिक साबित होने वाला है।

सुप्रीम कोर्ट का यूपी-बिहार समेत 17 राज्यों को आदेश

सिख शादियों का रजिस्ट्रेशन आनंद मैरिज एक्ट के तहत हो

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को 17 राज्यों और 7 केंद्रशासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि वे 1909 के आनंद मैरिज एक्ट के तहत सिख शादियों (आनंद कारज) की रजिस्ट्रेशन व्यवस्था 4 महीने में लागू करें। कोर्ट ने कहा कि नियम न बनने से सिख नागरिकों के साथ असमान व्यवहार हो रहा है और यह संविधान के समानता के अधिकार का उल्लंघन है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा,

जब तक राज्य अपने नियम नहीं बनाते, तब तक सभी जगह आनंद कारज शादियों को मौजूदा विवाह कानूनों (जैसे स्पेशल मैरिज एक्ट) के तहत रजिस्टर्ड किया जाए। अगर दंपती चाहें तो विवाह प्रमाणपत्र में साफ लिखा जाए कि शादी आनंद कारज रीति से हुई है। यह आदेश उन राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों पर लागू होगा जिन्होंने अब तक नियम नहीं बनाए हैं, जिनमें उत्तराखंड, कर्नाटक, तमिलनाडु, झारखंड, यूपी, असम, बंगाल, गुजरात, बिहार, महाराष्ट्र, तेलंगाना, नगालैंड, सिक्किम, त्रिपुरा, अरुणाचल, गोवा, मणिपुर और जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, चंडीगढ़, लक्षद्वीप, दमन-दीव, पुडुचेरी और अंडमान-निकोबार शामिल हैं।

शादी प्रमाणपत्र पाने में दिक्कत होती है

याचिका अमनजोत सिंह चड्ढा ने दायर की थी। उन्होंने कहा कि कई राज्यों में नियम न होने के कारण सिख जोड़ों को शादी का प्रमाणपत्र पाने में बड़ी दिक्कत होती है, जबकि कुछ राज्यों में यह सुविधा मौजूद है। कोर्ट ने कहा कि कानून में आनंद कारज को मान्यता दी गई है, लेकिन रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था न होना केवल आधा वादा निभाना है। संविधान की भावना यही है कि हर नागरिक के अधिकार समान रूप से सुरक्षित हों।

मंदिर हों या मस्जिद या फिर गुरुद्वारा सभी में लाउडस्पीकर के इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंधित होना चाहिए

पूर्व न्यायाधीश जस्टिस रोहिंटन नरीमन ने एक कार्यक्रम में ये बात कही

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस रोहिंटन नरीमन ने देश भर के धार्मिक संस्थानों में इस्तेमाल होने वाले लाउडस्पीकरों पर प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा है कि मंदिर हों या मस्जिद या फिर गुरुद्वारा या किसी भी धर्म से जुड़ा कोई भी पवित्र स्थल हो, वहां लाउडस्पीकर के इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंधित होना चाहिए, क्योंकि यह सार्वजनिक स्वास्थ्य को खतरा पहुंचा रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इस पर रोक नहीं लगी, तब ये सीधे तौर पर और बड़े पैमाने पर जन स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि लाउडस्पीकर और घंटी बजाने जैसी धार्मिक अभिव्यक्तियाँ नागरिकों के स्वास्थ्य और शांतिपूर्ण जीवन के अधिकार का उल्लंघन कर रही हैं। इसकारण पक्षपात के आरोपों से बचने के लिए सभी धर्मों में समान रूप से इन पर अंकुश लगाना चाहिए।

रिटायर्ड जस्टिस नरीमन ने ये बातें बीते दिनों तिरुवनंतपुरम के प्रेस क्लब में कहीं। उन्होंने कहा, ÷मुझे लगता है कि आजकल हर धर्म अपने विरोध में ज्यादा ज़ोर से आवाज उठा रहा है और भगवान को बहरा बना रहा है। मुझे लगता है कि या कोई मस्जिद के लाउडस्पीकर पर चिल्ला रहा है या कोई मंदिर की घंटियाँ जोर-जोर से बजा रहा है। यह सब बंद होना चाहिए क्योंकि इन कामों से ध्वनि प्रदूषण होता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने कहा, अगर इससे ध्वनि प्रदूषण होता है, तब यह सीधे तौर पर लोगों के स्वास्थ्य के दायरे में आता है और मेरे हिसाब से हर राज्य को जल्द से जल्द मस्जिदों और मंदिरों में लाउडस्पीकर और घंटी बजाने जैसी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाना चाहिए, ताकि सुबह-सुबह लोगों को परेशानी न हो और उनकी नींद में खलल न पड़ सके। जस्टिस रोहिंटन ने कहा, यह फिर से एक ऐसी चीज़ है जिसे राज्य को अपने हाथ में लेना चाहिए और इस सभी पर समान रूप से लागू करना चाहिए ताकि आप फिर से यह न कह सकें कि आप अमुक का पक्ष ले रहे हैं या अमुक का विरोध कर रहे हैं। आप इसतरह के सभागारों में लाउडस्पीकर लगा सकते हैं जहाँ हर कोई किसी न किसी को सुनना चाहता है और कुछ भी बाहर नहीं जाता लेकिन आप बाहर लाउडस्पीकर नहीं लगा सकते जिससे शोर और उपद्रव होता है।'

इस चर्चा को संवैधानिक संदर्भ में रखते हुए, उन्होंने याद दिलाया कि प्रस्तावना हम भारत के लोग से शुरू होती है, जिसमें हर नागरिक शामिल है, न कि केवल बहुसंख्यक या कोई एक समुदाय। उन्होंने कहा, हम भारत के लोग का अर्थ भारत के बहुसंख्यक या भारत की वयस्क पुरुष आबादी नहीं है।

पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच नया रक्षा समझौता... नाटो की तर्ज पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान और सऊदी अरब ने एक नया रक्षा समझौता किया है, जिसे स्ट्रैटेजिक म्यूचुअल डिफेंस एग्रीमेंट नाम दिया है। समझौते के तहत यदि किसी एक देश पर हमला होता है, तब हमले को दोनों पर हमला माना जाएगा। इसका मकसद रक्षा सहयोग को मजबूत करना और साझा सुरक्षा उपाय खोजना है।

हालांकि यह कोई नया प्रयोग नहीं है। करीब एक दशक पहले दोनों देशों ने मिलकर इस्लामी सैन्य गठबंधन बनाया था। दिसंबर 2015 में सऊदी अरब के तत्कालीन रक्षा मंत्री मोहम्मद बिन सलमान ने इसकी घोषणा की थी। पाकिस्तान के समर्थन से बना यह गठबंधन शुरू में 34 मुस्लिम देशों का था, बाद में इसमें 42 देश शामिल हुए।

इस गठबंधन की कमान पाकिस्तान के पूर्व सेना प्रमुख जनरल राहील शरीफ को दी गई थी। रियाद में इसका ऑपरेशनल सेंटर खोला गया और उद्देश्य रखा गया कि आतंकवाद, उग्रवाद और हिंसक विचारधाराओं के खिलाफ संयुक्त सैन्य कार्रवाई की जाएगी। पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने इसका समर्थन किया, लेकिन संसद में स्पष्ट किया कि पाकिस्तान यमन युद्ध जैसे संघर्षों में हिस्सा नहीं लेगा और तटस्थ भूमिका बनाए रखेगा। बावजूद इसके, घरेलू राजनीति में इसका विरोध हुआ, क्योंकि ईरान को इसमें शामिल नहीं किया गया था और यह गठबंधन शिया-सुन्नी ध्रुवीकरण का प्रतीक माना गया।

कुछ ही वर्षों में यह गठबंधन निष्क्रिय हो गया। इसके पीछे कई कारण रहे- ईरान, इराक और सीरिया जैसे बड़े मुस्लिम देशों की गैर मौजूदगी ने इसकी विश्वसनीयता पर सवाल खड़े किए। इस सऊदी-ईरान प्रतिद्वंद्विता और यमन युद्ध से जोड़कर देखा गया।

गठबंधन के तहत किसी भी बड़े आतंकी गुट, यहां तक कि आईएसआईएस के खिलाफ भी कोई सैन्य अभियान नहीं चलाया गया।

2016 में एक संयुक्त सैन्य अभ्यास जरूर हुआ, लेकिन उसके बाद गतिविधियां लगभग ठप पड़ गईं।

रोहतास में कार्यकर्ताओं से बोले शाह- एनडीए जितना मजबूत होगा, बिहार उतना समृद्ध होगा

सासाराम (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को बिहार के रोहतास जिले के डेहरी में 10 जिलों के चयनित कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित किया। इस दौरान शाह ने विपक्ष पर जोरदार हमला बोला और एनडीए को ही बिहार के विकास का विकल्प बताया। उन्होंने कहा कि एनडीए जितना मजबूत होगा, बिहार उतना समृद्ध होगा।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव बिहार का विकास नहीं कर सकते। उनके शासनकाल में राज्य फिरौती और हत्या जैसी घटनाओं से जकड़ा रहा, जिससे समृद्धि की राह अवरुद्ध हुई। उन्होंने कहा कि अगर युवाओं को आगे बढ़ना है और बिहार को विकास की राह पर ले जाना है, तो आने वाले चुनाव में एनडीए की सरकार को वोट देकर मजबूत बनाना होगा।

इसी के साथ गृह मंत्री शाह ने भाजपा कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि अन्य दलों में नेता चुनाव जीतते हैं, जबकि भाजपा में कार्यकर्ता ही चुनाव जिताते हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि इस क्षेत्र की 80 प्रतिशत सीटों पर एनडीए उम्मीदवारों को विजयी बनाएं। शाह ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा को घुसपैठिये बचाओ यात्रा करार दिया। उन्होंने सवाल करते हुए कहा, क्या घुसपैठियों को वोट देने का अधिकार होना चाहिए? क्या उन्हें राशन या आयुष्मान कार्ड मिलना चाहिए? शाह ने कहा कि विपक्ष सत्ता में आया तो घुसपैठ बढ़ेगी। केंद्रीय मंत्री शाह ने लालू यादव पर चारा घोटाला, लैंड फॉर जॉब स्कैम और जेल में घोटाले का आरोप दोहराते हुए कहा कि एक तरफ भ्रष्टाचार से भरी सरकार है, तो दूसरी तरफ नरेंद्र मोदी की सरकार है, जिस पर एक भी भ्रष्टाचार का दाग नहीं है।

नीतीश सरकार की उपलब्धियां गिनाईं

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार ने हाल में कई जनहितकारी निर्णय लिए हैं, इनमें 125 यूनिट मुफ्त बिजली, सामाजिक पेंशन की राशि में वृद्धि आदि हैं। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार करने वाले बिहार की भलाई नहीं कर सकते। बिहार का भविष्य एनडीए है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नेपाल का जेन- ज़ी आंदोलन और दक्षिण एशिया का जनविद्रोह मॉडल

(लेखक-डॉ हिदायत अहमद खान)

श्रीलंका के जनआंदोलन से थोड़ा हटकर बांग्लादेश का छात्र आंदोलन रहा है। दरअसल यह आंदोलन आरक्षण व्यवस्था से शुरू हुआ और देखते ही देखते सरकार के खिलाफ हिंसक बगावत में तब्दील हो गया। यहां बताते चलें कि साल 2024 में बांग्लादेश में शुरू हुआ छात्र आंदोलन सरकारी नौकरियों में आरक्षण (कोटा) के विरोध में खड़ा किया गया था। शेख हसीना सरकार को शुरु में लगा था कि छात्रों को समझा-बुझाकर या दबाव बनाकर रास्ते में ले आएंगे, लेकिन पुलिस ने जब कठोर कार्रवाई शुरु की तो यही आंदोलन जनविद्रोह का रूप धारण कर लिया।

नेपाल में भले ही ओली की अप्रत्याशित विदाई के साथ ही पूर्व जस्टिस सुशीला कार्की के नेतृत्व में अंतरिम सरकार ने सत्ता संभाल ली है, लेकिन यहां हालात सामान्य होने में अभी कुछ वक्त और लगेगा। वजह साफ है कि जिस जेन-ज़ी की वजह से तख्तापलट हुआ उसे खुश कर पाना फिलहाल किसी के वश की बात नहीं है। ऐसा कहना इसलिए सही लगता है क्योंकि इससे पहले बांग्लादेश में युवाओं ने जिस तरह से शेख हसीना की सत्ता को उखाड़ फेंका था और उसके बाद प्रमुख सलाहकार यूनुस वाली अंतरिम सरकार ने सब कुछ अपने हिसाब से करने की कोशिश की, लेकिन उससे आंदोलनकारी छात्र खुश नहीं हो सके। अब गाहे-बगाहे बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के खिलाफ भी आवाजें उठती सुनाई और दिखाई दे जाती हैं। वैसे भी यह वह समय है जिसमें दक्षिण एशिया ही नहीं बल्कि दुनियां के अधिकांश देश राजनीतिक उथल-पुथल के दौर से गुजर रहे हैं। दुनियां की तमाम शक्तियां जंग के झमेले में उलझी नजर आ रही हैं।

यहां भारत के पड़ोसी देशों की ही बात कर लें तो श्रीलंका, बांग्लादेश और अब नेपाल में जनता के खासतौर पर युवाओं के असंतोष ने सरकारों को परिणाममूलक घेराव किया है। तीनों देशों में आंदोलन की शैली, युवाओं पर आधारित जनसहभागिता और सत्तात्मक प्रतिक्रिया को देखते हुए इसे एक जनविद्रोह मॉडल की संज्ञा दी जाने लगी है। इस मॉडल में सोशल मीडिया की भूमिका, युवा शक्ति की भागीदारी और आर्थिक-सामाजिक असंतोष की गहरी जड़ें साफ झलकती हैं। यहां विचार करने वाली बात यह भी है कि यह विद्रोह दो-चार दिन में पैदा नहीं हुआ, बल्कि लगातार सुनवाई नहीं होने और संकट के विकराल रुप लेने से उपजा था। युवाओं को उचित शिक्षा के साथ ही समय पर रोजगार न मिलना और सरकार द्वारा उनका लगातार तिरस्कार करना भी एक प्रमुख कारण रहा है। तिरस्कार इस बावत कि नेता और अधिकारियों के अधिकांश बच्चे तो विदेशों में पढ़ते और अपना बेहतर भविष्य बनाते नजर आए, लेकिन देश में रहने वाले युवाओं की ओर किसी का ध्यान ही नहीं गया। इससे कुंठित युवा वर्ग एकजुट होता चला गया और धीरे-धीरे उनका विरोध जनविद्रोह मॉडल तक पहुंच गया।

यहां सर्वप्रथम श्रीलंका के जनआंदोलन की बात कर लेते हैं, जो कि आर्थिक तबाही से सत्ता पलट तक चला। दरअसल श्रीलंका में हुआ साल 2022 का जनआंदोलन एक ऐतिहासिक मोड़ साबित हुआ था। तब राजपक्षे सरकार की आर्थिक नीतियां फेल होती हुई दिखीं थीं, जिस कारण देश में कर्ज़ संकट सामने आया। इसके चलते विदेशी मुद्रा भंडार का खात्मा होता हुआ दिखाई दिया और लोगों पर सीमा से परे भार पड़ता दिखाई दिया। परेशान लोग सरकार के खिलाफ सड़कों पर आ गए। कहते हैं जब जनता किसी सत्ता के खिलाफ सड़क पर आ जाती है तो उसका सामना करने की ताकत किसी मानवीय शक्ति में तो नहीं ही होती है। यही वजह थी कि श्रीलंका के हालात इस कदर बिगड़े कि प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति भवन तक पर कब्जा जमा लिया। इस आंदोलन के बाद राष्ट्रपति राजपक्षे को देश छोड़कर विदेश भागना पड़ गया था। राष्ट्रपति के पलायन के साथ ही सत्ता परिवर्तन का दृष्य सामने आया। इस आंदोलन की खासियत की बात करें तो यह स्वस्फूर्त, नेतृत्वविहीन और सोशल मीडिया पर आधारित था, जो कि जंगल में लगी आग की तरह तेजी से फैला।

श्रीलंका के जनआंदोलन से थोड़ा हटकर बांग्लादेश का छात्र आंदोलन रहा है। दरअसल यह आंदोलन आरक्षण व्यवस्था से शुरू हुआ और देखते ही देखते सरकार के खिलाफ हिंसक बगावत में तब्दील हो गया। यहां बताते चलें कि साल 2024 में बांग्लादेश में शुरू हुआ छात्र आंदोलन सरकारी नौकरियों में आरक्षण (कोटा) के विरोध में खड़ा किया गया था। शेख हसीना सरकार को शुरु में लगा था कि छात्रों को समझा-बुझाकर या दबाव बनाकर रास्ते में ले आएंगे, लेकिन पुलिस ने जब कठोर कार्रवाई शुरु की तो यही आंदोलन जनविद्रोह का रूप धारण कर लिया। देखते ही देखते लाखों युवा सड़कों पर उतर आए और शेख हसीना सरकार को जड़ से उखाड़ दिया। प्रारंभ में यह आंदोलन विश्वविद्यालय परिसरों से शुरु हुआ जो पूरे देश में फैल गया। शांतिपूर्ण आंदोलन कब हिंसक रुप अख्तियार कर लिया समझ से परे रहा और इसमें सैकड़ों मौतें हुईं और इस कारण सरकार गिरती दिखी। तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को भारत में शरण लेना पड़ी। जेल में कैद राजनीतिज्ञों की रिहाई के साथ ही अंतरिम सरकर बनी जिसके प्रमुख सलाहकार यूनुस को बना दिया गया।

कुछ ऐसी ही तस्वीर हाल ही में नेपाल में भी बनती देखी गई, जबकि प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सरकार के खिलाफ जेन-ज़ी (26 वर्ष से कम उम्र के युवा) सोशल मीडिया प्रतिबंध और भ्रष्टाचार के विरोध में सड़कों पर उतर आए। इन आंदोलनकारी युवाओं ने संसद को घेरने और सरकारी भवनों पर कब्जे करने से लेकर हागजनी की घटनाओं को भी खूब अंजाम दिया। आंदोलनकारी युवाओं और पुलिस के बीच हुई झड़पों में हुई मौतों ने आग में घी डालने का काम किया। गुस्साए आंदोलनकारियों ने न सिर्फ नेताओं के बंगलों और सरकारी संस्थाओं में आगजनी कि बल्कि सुप्रीम कोर्ट तक को आग के हवाले कर दिया। इस उग्र आंदोलन को देख कर किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि सोशल मीडिया प्रतिबंध, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी का मामला इतना खतरनाक मोड़ पर आ जाएगा कि तख्तापलट करके रख देगा। सोशल मीडिया प्रतिबंध के बावजूद युवा लामबंद हुए और संसद और राजधानी काठमांडू को घेरने में कोई कोताही नहीं की। परिणाम स्वरुप ओली पर इस्तीफे का दबाव बना और देश में राजनीतिक अस्थिरता सामने आ गई।

इन तीनों देशों के तख्तापलट आंदोलन पर विश्लेषणात्मक दृष्टि डालते हैं तो मालूम चलता है कि इनके जरिए राष्ट्रीय ही नहीं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर युवा शक्ति का उदय हुआ। इन तीनों ही आंदोलनों में युवाओं, खासकर छात्रों और जेन-ज़ी पीढ़ी नेतृत्व करती नजर आई। इन आंदोलनों में सोशल मीडिया ने अहम भूमिका निभाई। आधुनिक सूचना तंत्र के तौर पर सोशल मीडिया भीड़ जुटाने में सबसे बड़ा हथियार साबित हुआ है। इन तीनों ही देशों में राजनीतिक असंतोष का विस्फोट किसी एक मुद्दे को लेकर शुरु हुआ और क्रमशः आर्थिक संकट, कोटा और सोशल मीडिया प्रतिबंध ने एक तरह से सूखी घांस में चिंगारी गिराने का काम किया। इस आग में घी डालने का काम भीतर ही भीतर लंबे समय से युवाओं के मन में दबा गुस्से ने किया। तत्कालीन सरकारें युवाओं को आंदोलन के रास्ते जाने से रोक भी सकती थीं, लेकिन उसके लिए संवाद बहुत जरुरी होता है। यहां बातचीत के रास्ते बहुत हद तक बंद कर दिए गए थे। सरकार और सुरक्षा-तंत्र से कठोर प्रतिक्रियाएं मिलती देख आंदोलन भड़का। पुलिस गोलीबारी, इंटरनेट प्रतिबंध, कर्फ्यू और गिरफ्तारियों जैसी कार्रवाइयों ने आंदोलनों को भड़काने में मदद की। इन कारणों ने सरकार की उपलब्धता और वैधता पर सवाल खड़े कर दिए। परिणाम तख्ता पलट के तौर पर सामने आए, जिससे अन्य राष्ट्रों को सबक लेने की आवश्यकता है। शासन-प्रशासन को चाहिए कि युवाओं के लिए जहां शिक्षा और रोजगार के बेहतर अवसर तलाशे वहीं देश के समस्त नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं के साथ ही साथ रोटी-कपड़ा और मकान का माकूल इंतजाम करे। इससे देश में अराजकता फैलने से बचेगी और जो युवा आक्रोश पनप रहा है उससे भी देश व सरकार को राहत मिलेगी।

संपादकीय

हासिल उपलब्धियां

पिछले ग्यारह वर्षों में देश का नेतृत्व करते हुए हासिल उपलब्धियां, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन की सार्थकता को दर्शाती हैं। ऐसे में यह उनकी महज व्यक्तिगत उपलब्धि न होकर व्यापक राष्ट्रीय सरोकारों से जुड़ती है। गत बुधवार को, उन्होंने इस खास मौके पर स्वदेशी वस्तुओं की खरीद का पुरजोर समर्थन किया। जो तमाम अंतर्राष्ट्रीय दबावों के बीच अपनी अर्थव्यवस्था को संबल देने का सहज-सरल विकल्प भी है। उनका देश के एक सौ चालीस करोड़ देशवासियों से आग्रह रहा है कि-'आप जो भी खरीदें, वह हमारे देश में बना होना चाहिए।' उन्होंने इस आह्वान को अपने ही अंदाज में कहा कि वह उत्पाद 'किसी भारतीय के पसीने से बना होना चाहिए।' इसमें दो राय नहीं कि उनका 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास', 'आत्मनिर्भर भारत - विकसित भारत' का आह्वान उनके अल्पकालिक और दीर्घकालिक लक्ष्यों को ही परिभाषित करता है। हाल में किए गए जीएसटी सुधार, आम लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिये दिशा-निर्देश देना, उनकी आकांक्षाओं को ही उजागर करता है। इसमें दो राय नहीं कि उनकी सरकार द्वारा आरंभ की गई लक्षित कल्याणकारी योजनाओं से विशेष रूप से समाज की अंतिम पंक्ति पर खड़े वंचित समाज के लोगों को लाभ जरूर हुआ है। निर्विवाद रूप से 75वां जन्मदिन मनाते हुए भी वे निरंतर ऊर्जा से भरपूर राजनेता के रूप में नजर आते हैं। उन्होंने देश के सामने आई कठिन चुनौतियों के वक्त जिस दृढ़ता का परिचय दिया, वह आम नागरिक को संबल देने वाला रहा। अब चाहे एक सदी बाद आई कोविड-19 की महामारी हो, भारत-चीन सीमा का गतिरोध हो या उरी-पुलवामा-पहलगाम के आतंकी हमले हों। उन्होंने राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए दृढ़ता ही दिखाई है। जिसकी दुनिया के प्रमुख राजनेताओं ने मुक्त कंठ से प्रशंसा की है। ऐसा इसलिए भी संभव हुआ क्योंकि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र ने उनके नेतृत्व में विश्वास किया। यही वजह है कि वे विश्व के तमाम मंचों पर 140 करोड़ देशवासियों का संबल मिलने की बात किया करते हैं। सर्वविदित है कि विश्व की महाशक्ति अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिस आक्रामक ढंग से टैरिफ हमला किया और रूस से कच्चा तेल खरीदना बंद करने के लिये जैसा दबाव बनाया, प्रधानमंत्री की दृढ़ता के चलते ही वह विफल रहा है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय हितों के मद्देनजर अपनी बात पर अड़े रहे। उन्होंने दबाव के आगे झुकने से इनकार कर दिया। आज की युद्ध से त्रस्त दुनिया में, उन्होंने महाशक्तियों से दोटूक शब्दों में कहा भी कि यह युद्ध से समस्या समाधान का समय नहीं है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी को यह अहसास दिलाया है कि भारत का वैश्विक आचरण वसुधैव कुटुम्बकम , यानी विश्व एक परिवार है, के सिद्धांत पर आधारित है। उनकी मजबूत अभिव्यक्ति ने भारत ही नहीं ग्लोबल साउथ के देशों की आवाज को बुलंदी दी है। प्रधानमंत्री ने फिलहाल सेवानिवृत्ति की बहस को विराम देते हुए, तेजी से उभरते इस देश को नये जोश से आगे बढ़ाने के अपने संकल्प को दोहराया है। हालांकि, उनका मानना है कि अभी हमें कुछ बाधाओं को पार करना है। लेकिन यह एक निर्विवाद सत्य है कि भारत की आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रभुत्व की महत्वाकांक्षी यात्रा भारत की मूल भावना यानी शांति, सद्भाव और एकजुटता की भावना पर टिकी है।

नेपाल जनविद्रोहः ये तो होना ही था

(लेखिका - निर्मल रानी)

बिहार में दरभंगा-जयनगर के रास्ते 5 वर्ष पूर्व नेपाल जाने का अवसर मिला था । भारत नेपाल के सीमावर्ती नेपाली शहर जनकपुर के बीचोबीच देवी सीता को समर्पित हिन्दू-राजपूत वास्तुकला का एक प्रसिद्ध हिन्दू मन्दिर एवं ऐतिहासिक स्थल है जिसे राम जानकी मंदिर के नाम से जाना जाता है। मेरे नेपाल प्रवास के उस दौर में जयनगर से लेकर जनकपुर तक की पूरी सड़क पर अधिकांश क्षेत्र में सिर्फ़ मिटटी पड़ी हुई थी। केवल कहीं कहीं बजरी पड़ी दिखाई देती थी। डामर रोलर और काली सड़कों का तो कहीं दूर तक नामो निशान ही नहीं था। रास्ते में कहीं बस का पहिया ज़मीन में धंसा दिखाई दे रहा था तो कहीं थ्री व्हीलर उल्टी पड़ी थी। बसों का तो आलम यह था कि टूटे शीशे व खिड़कियां, टूटी कष्टदायक सीटें,गोया कबाड़ख़ाने से लाकर बसें चलाई जा रही हों। जनकपुर जैसे प्रसिद्ध तीर्थस्थल व पर्यटन नगरी की शहर की सड़कों में गड्ढे,बदबूदार और रुकी हुई नालियां ,शहर में खाने पीने का उपयुक्त होटल नहीं। जिस होटल में ठहरना हुआ उस होटल के प्रबंधक ने दोपहर क़रीब 12 बजे होटल में पहुँचने पर पहले ही बता दिया कि लाइट नहीं आ रही है रात 8 बजे आयेगी,रूम बुक कराना हो तो कराइये वरना तशरीफ़ ले जाइये। जब होटल प्रबंधक से नेपाल की इस दुर्दशा के बारे में पूछा तो उसने एक ही बात कही। भ्रष्टाचार तो भारत में भी है परन्तु वहां 50 प्रतिशत खाकर 50 प्रतिशत तो लगा ही देते होंगे। मगर हमारे नेपाल में तो 90 प्रतिशत खा जाते हैं केवल 10 प्रतिशत ही किसी योजना में लगाते हैं। उसी दिन यह एहसास हो गया था कि एक न एक दिन पानी सिर से ऊपर होगा और आज नहीं तो कल इसी नेपाल में भ्रष्टाचार के विरुद्ध विद्रोह ज़रूर पनपेगा।

ख़ैर, नेपाल में लंबे समय से चली आ रही राजनीतिक अस्थिरता, भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद,आर्थिक असमानता, युवा बेरोज़गारी के विरुद्ध आख़िरकार जनविद्रोह फूट ही पड़ा। सोशल मीडिया पर लगाये गये प्रतिबंध यानी युवाओं की सत्ता विरोधी आवाज़ को दबाने का सरकारी प्रयास इस हिंसक जनविद्रोह का बहाना बना। 8 सितंबर 2025 को शुरू हुये इस जनविद्रोह में राजधानी काठमांडू सहित नेपाल के अन्य प्रमुख शहरों में हज़ारों युवा सड़कों पर उतर आए। आंदोलनकारियों ने सरकार की भ्रष्ट नीतियों के ख़िलाफ़ नारेबाज़ी की, जो जल्दी ही हिंसक हो गई। प्रदर्शनकारियों ने राजधानी काठमांडू स्थित संसद भवन,सरकारी प्रशासनिक मुख्यालय,सिंह दरबार,प्रधानमंत्री कार्यालय, मंत्रालयों और संसदीय कार्यालयों के परिसर ,सुप्रीम कोर्ट भवन,राष्ट्रपति भवन,राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल के निवास,नेपाली कांग्रेस पार्टी मुख्यालय,कम्युनिस्ट पार्टी मुख्यालय, निवर्तमान प्रधानमंत्री ओली के पार्टी मुख्यालय,5 सितारा हिल्टन होटल,नेपाल के सबसे बड़े मीडिया समूह कांतिपुर मीडिया हाउस,स्वास्थ्य एवं जनसंख्या मंत्रालय भवन, तथा प्रांतीय विधानसभा भवन जैसी प्रमुख इमारतों को आग के हवाले कर दिया। काठमांडू की इन इमारतों के अलावा भी देशभर में अनेक सरकारी कार्यालयों, पुलिस स्टेशनों और नेताओं के घरों को निशाना बनाया गया। इस दौरान त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा अस्थायी रूप से बंद रहा, और गौतम बुद्ध अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा को भी क्षति पहुंची । इन्हीं हिंसक वारदातों में मृतकों की संख्या 51 पार कर गई। इनमें 21 प्रदर्शनकारी, नौ क़ैदी , तीन पुलिस अधिकारी और 18 अन्य शामिल हैं। प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली ने इस्तीफ़ा दे दिया। सेना को कर्फ़्यु लगाकर सड़कों पर तैनात किया गया। कई मंत्रियों व उद्योगपतियों के घर कार्यालय व संस्थान आग के हवाले कर दिये गये। नेपाल में चले इन विरोध प्रदर्शनों के बाद आंदोलनकारियों की सहमति से सुशीला कार्की को नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया। इस आंदोलन की आग में भी शातिर राजनीतिज्ञ अपनी अपनी रोटियां सेकने की कोशिश करते दिखाई दिये। जहाँ तक राजनैतिक विश्लेषकों का सवाल है तो कोई इसे हिन्दू राष्ट्र का पक्षधर जन विद्रोह साबित करना चाह रहा है तो कोई इसे राजशाही की वापसी का संकेत बता रहा है। कोई इसमें अमेरिकी षड़यंत्र की गंध महसूस कर रहा है तो कोई इसे चीनी साज़िश महसूस कर रहा है। परन्तु हक़ीक़त यही है कि चाहे वह नेपाल में 240 वर्षों की पुरानी शाह वंश की राजशाही परंपरा रही हो या उसके बाद 28 मई, 2008 को स्थापित हुआ 17 वर्ष पुराना गणतंत्र। किसी भी दौर में नेपाल के समग्र विकास पर कोई भी काम नहीं हुआ। हद तो यह है कि सड़क बिजली पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं पर भी नेपाल किसी ज़माने में भारत पर ही पूरी तरह आश्रित रहा करता था। नेपाल का बेरोज़गार आज बड़ी संख्या में भारत में काम करता व काम की तलाश में आता दिखाई देता है।

सही पूछिए तो राजधानी काठमांडू के सिवा किसी प्रान्त शहर या ज़िले का नाम भी भारत या अन्य देशों के आम लोग नहीं जानते। आम लोगों को यह भी नहीं पता कि नेपाल 7 अलग अलग प्रांतों में बंटा हुआ कुल 77 ज़िलों का देश है। इस अनभिज्ञता का कारण यही है कि राजशाही से लेकर गणतांत्रिक सरकारों तक ने केवल राजधानी काठमांडू के विकास व इसके सौंदर्यीकरण पर ही ज़ोर दिया। प्रायः सभी अंतर्राष्ट्रीय आयोजन काठमांडू में ही हुआ करते थे। वैसे भी काठमांडू की प्रसिद्धि का कारण राजधानी होने के अतिरिक्त वहां का विश्व प्रसिद्ध पशुपतिनाथ मंदिर भी है। इसलिये नेपाल का कोई अन्य ज़िला या शहर न तो विकसित हो पाया न ही प्रसिद्धि प्राप्त कर सका। इसे पूरे नेपाल के प्रति शाह घराने से लेकर गणतांत्रिक व्यवस्था संचालित करने वाले सभी राजनैतिक दलों के राजनेताओं तक की उदासीनता नहीं तो और क्या कहें ?

श्री लंका व बांग्लादेश के बाद अब नेपाल में भड़का विद्रोह दुनिया के हर उन भ्रष्ट व बेलगाम सत्ताधीशों के लिये चेतावनी है जोकि जनता के मतों के बल पर उन्हें सुनहरे सपने दिखाकर सत्ता में तो आ जाते हैं परन्तु उसके बाद जनसरोकारों की बात करने के बजाये अपने सगे सम्बन्धियों को फ़ायदा पहुँचाने में जुट जाते हैं। जनता सब देखती व समझती है कि किस तरह सत्ता मिलते ही नंगे भूखे राजनेता करोड़पति व अरबपति बन जाते हैं। किस तरह उनका अहंकार चौथे आसमान पर पहुँच जाता है। जनता देखती है कि किसतरह जनसमस्याओं से ध्यान भटका कर व्यर्थ के भावनात्मक मुद्दे उछालकर उन्हें वरग़लाया जाता है।

सम्मान करो संपूर्णता से

तुम किसी का सम्मान उसकी ईमानदारी, बुद्धिमत्ता, प्रेम और कार्य कुशलता जैसे सद्गुणों के लिए करते हो परंतु समय के साथ-साथ इन गुणों में परिवर्तन आता है। जिसके कारण तुम उनका सम्मान नहीं कर पाते। तुम केवल सद्गुणों का, महानता का सम्मान करते हो। मैं संपूर्णता से हर एक का सम्मान करता हूं। इसीलिए किसी भी व्यक्ति के लिए मेरा सम्मान कम नहीं होता। सम्मान पाने के लिए किसी को महान होने की आवश्यकता नहीं। जीवन का सम्मान महान बनाता है। दूसरों से सम्मान की अपेक्षा मत करो। यह कमजोर बनाता है। आत्मा का सम्मान करो। तब कोई तुम्हारे आत्म सम्मान को ले नहीं सकता। जब कोई तुम्हें सम्मान देता है, तो इसलिए नहीं कि तुममे कुछ विशेष गुण हैं। यह उनकी महानता और उदारता के कारण है। यदि तुम कहते हो, ईश्वर महान है, यह तुम्हें महान बनाता है। ईश्वर तो महान हैं ही- तुम्हारे कहने से ईश्वर को कोई फर्क नहीं पड़ता। जब तुम किसी को सम्मान देते हो, यह तुम्हारी विशालता दर्शाता है। यदि तुम सबका सम्मान करते हो तो उतना अधिक तुम्हारा मोल है। वह ज्ञानी है, जो सबका सम्मान करता है। सम्मान देना उन्नत चेतना का गुण है। आत्मा के प्रति सम्मान निष्ठा है और निष्ठा है उन्मुक्त होना। जिस प्रकार तुम मुझे सम्मान देते हो, उसी तरह सबको सम्मान दो। परंतु जो अपेक्षा तुम सबसे करते हो, वह सबसे मत करो। प्रायः तुम इसका उल्टा करते हो। तुम सबको वह आदर नहीं देते, जो मुझको देते हो पर आशा करते हो कि वे तुम्हें खुशी दें, तुमसे उत्तम व्यवहार करें। जब उनका व्यवहार तुम्हारी अपेक्षानुसार नहीं होता, तब तुम निराश होते हो और उनको दोषी ठहराते हो, उनकी निन्दा करते हो। निन्दा करने से, अभिशाप देने से, तुम्हारी आध्यात्मिक शक्ति क्षीण होती है। आशीर्वाद तुम्हारी आध्यात्मिक शक्ति बढ़ाता है। सहनशीलता, धैर्य और विवेक से कुशलतापूर्वक आगे बढ़ो। यदि तुम्हारे आसपास मूर्ख हैं, तो समझो, वे तुम्हें और बुद्धिमान बनाएंगे। तुम कितने केंद्रित हो, यह तुम्हारे आसपास रहने वाले मूर्खों की संख्या से मालूम पड़ता है। मूर्खों को हटाने का प्रयास मत करो। यदि तुम केंद्रित नहीं हो, तो तुममे उनको बर्दाश्त करने का धैर्य नहीं होगा। जब तुम पूर्ण रूप से आत्मस्थित हो, तब पाते हो कि मूर्ख से भी ज्ञान मिल सकता है। वे तुम्हारे ही प्रतिबिम्ब हैं। मूर्ख तुम्हें हताश भी कर सकते हैं, या ज्ञान भी दे सकते हैं, चुनाव तुम्हारा है।

दो बैंकों में मर्ज होंगे देश के सारे बैंक, दिवालिया होने का खतरा बढ़ा

(लेखक-सनत कुमार जैन)

भारत सरकार और रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया भारत के निजी और सरकारी क्षेत्र के बैंकों को 2 बैंकों में विलय करने की योजना पर काम कर रही है। राष्ट्रीयकृत बैंकों को स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया में तथा निजी क्षेत्र के बैंकों को एचडीएफसी बैंक मे विलय कराने की योजना तैयार की जा रही है। सरकार का मानना है, भारत में दो बड़े बैंक बना दिए जाने के बाद भारतीय बैंकों को वैश्विक मानचित्र में दुनिया के 20 बड़े बैंकों की सूची में शामिल कराया जा सकता है। दो बड़े बैंक होंगे, तो वैश्विक स्तर पर भारत को इसका लाभ मिलेगा। भारत की अर्थव्यवस्था को गतिशीलता मिलेगी। अंतरराष्ट्रीय प्रति स्पर्धा में भारतीय बैंक अन्तर्राष्ट्रीय बैंकों के मुकाबले में खड़े हो सकेंगे। सरकार का कहना है, अभी छोटे-छोटे बैंक होने से वैश्विक स्तर पर भारत के बैंक अपनी बेहतर भूमिका का निर्वाह नहीं कर पा रहे हैं। वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है, भारत के बैंकों की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। जिस तरह से भारतीय बैंकों में नगदी का संकट है। बैंकों का एनपीए लगातार बढ़ता चला जा रहा है। बैंकों का मुनाफा कम हुआ है। रिजर्व बैंक आफ इंडिया के लाभ की राशि को सरकार हर साल प्राप्त करती है। जिसके कारण बैंकों की आंतरिक आर्थिक हालत भी खराब है। वह चाहकर भी बैंकों का जोखिम नहीं उठा सकती है। इस स्थिति से निपटने के लिए सरकार और रिजर्व बैंक ने मिलकर दो बैंकों में भारत के सभी बैंकों के विलय की योजना पर काम करना शुरू किया है। यदि सभी बैंकों का इन दो बैंकों में विलय कर दिया जाता है। तो दिवालिया होने का जो खतरा अभी दिख रहा है, वह टल जाएगा। सरकार का मानना है, आर्थिक स्थिति को बनाये रखने और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए यह जरूरी हो गया है। भारत में 2 सबसे बड़े पूंजी वाले बैंकों को तैयार किया जाए। उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार किया जाए। इससे राष्ट्रीकृत और निजी बैंकों की परिचालन लागत घटेगी। बैंकों का आर्थिक आधार आर्थिक सुधार होगा। जिसके कारण बैंकों को वैश्विक वित्तीय सहायता ज्यादा प्राप्त हो सकेगी। ग्राहकों को भी बेहतर कर्ज की सुविधा दी जा सकती है। बैंक लंबी अवधि के प्रोजेक्ट को कर्ज दे सकते हैं। इसका भारतीय अर्थव्यवस्था में असर पड़ेगा। बैंक के कारोबार में डिजिटल सेवाओं को बढ़ाने में मदद मिलेगी। वैश्विक मुद्राओं के आदान-प्रदान में भी बैंकों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। सही मायने में भारत के बैंकों की आर्थिक हालत दिन प्रतिदिन खराब होती जा रही है। 2008 के अमेरिका में आए आर्थिक संकट के कारण सैकड़ो बैंक वहां दिवालिया हो गए थे।भारत की वित्तीय संस्थाओं का सबसे ज्यादा निवेश शेयर बाजार में है। शेयर बाजार में आस्थिरता देंखने को मिल रही है। इसका असर बैंकों पर पड़ना तय है। उससे बचने के लिए सरकार के सामने बैंकों के विलय के अलावा और कोई विकल्प नहीं बचा है। सरकार बैंकों का विलय करके, बैंकों के खर्च को घटाना चाहाता है। कर्मचारियों की छटनी और स्थानांतरण से बैंकों के हजारों कर्मचारियों की नौकरी खत्म हो सकती है। बैंकों में इससे असंतोष भी बढ़ सकता है। छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों के बैंक उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। उपभोक्ताओं के लिए भाषा संबंधी एवं बैंकों की शाखा होने से जो विश्वास बना रहता था। उसमें अंतर आ सकता है। सिर्फ दो बैंक होने के कारण बैंकों का एकाधिकार बढ़ सकता है। जिसके कारण ग्राहकों की सुविधा और शुल्क में इसका असर देखने को मिल सकता है। बैंकिंग व्यवस्था अब हर परिवार से जुड़ी हुई है। चाहे वह गरीब हो या अमीर हो या मध्यम वर्ग हो। बैंकिंग में गरीबों की संख्या 65 फ़ीसदी तक है, जो बैंकिंग से जुड़े हुए हैं। सरकार बैंकों को दिवालिया होने से बचाने के लिए सभी बैंकों को 2 बैंकों में विलय की तैयारी कर रही है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है, इसके जो भी परिणाम सामने आएंगे, उसका दूरगामी असर हो सकता है। पिछले एक दशक में बैंकिंग की दुनिया में भारी परिवर्तन हुआ है ऑनलाइन लेनदेन लगातार बढ़ा है, साइबर फ्रॉड भी बड़ी तेजी के साथ बढे हैं। ऐसी स्थिति में भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में सरकार के लिए यह निर्णय भारी भी पड़ सकता है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है, रिजर्व बैंक और सरकार को इस मामले में बहुत सोच विचार के साथ निर्णय करने की जरूरत है। बैंकिंग व्यवस्था से हर परिवार जुड़ा हुआ है, इसका दिनचर्या पर प्रभाव पड़ता है। बैंकों में जमा और कर्ज की जो वर्तमान व्यवस्था है। उसमें यदि जमा कर्ताओं का विश्वास एक बार बैंकिंग व्यवस्था से उठ गया, तो फिर इसे बहाल करना बहुत मुश्किल होगा। निश्चित रूप से सरकार जो निर्णय ले रही है, उसमें सरकार और रिजर्व बैंक ने होने वाले फायदे और नुकसान को लेकर चिंतन किया होगा। भारत जैसे विशाल देश में जहां पर इतनी सारी भाषाएं हैं। सेवा के क्षेत्र में भाषाओं और व्यक्तिगत जुड़ाव का बड़ा महत्व है। सरकार को इस समस्या पर भी ध्यान देने की जरूरत है। बैंकों के विलय होने से बैंक कर्मचारियों की छटनी होगी। वहीं बैंकिंग सेक्टर में नौकरी के अवसर भी स्थाई रुप से बहुत कम हो जाएंगे।

इस चुनौती पर भी सरकार को ध्यान में रखने की जरूरत है। जल्दबाजी में लिया गया निर्णय कहीं सरकार और जनता पर भारी तो नहीं पड़ेगा, इस पर चिंतन करने की जरुरत है।

आईफोन 17 की बंपर बुकिंग, भारत में बना नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली एप्पल की नई आईफोन 17 सीरीज ने भारत में बंपर बुकिंग के साथ नया रिकॉर्ड बना दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसकी डिमांड पिछले साल लॉन्च हुए आईफोन 16 की तुलना में 30-40 फीसदी अधिक है। खास बात यह है कि इस बार बेस मॉडल 256 जीबी स्टोरेज के साथ आया है, जो यूज़र्स को ज्यादा वैल्यू दे रहा है। डिस्काउंट ऑफर्स और नए कलर वेरिएंट्स ने भी ग्राहकों को आकर्षित किया है। आईफोन 17 प्रो और प्रो मैक्स के लिए खासकर कॉस्मिक ऑरेंज और डीप ब्लू मॉडल की जबरदस्त मांग है। हालांकि, इन वेरिएंट्स की सप्लाई सीमित होने के कारण ग्राहकों को डिलीवरी के लिए इंतजार करना पड़ सकता है। एप्पल की आधिकारिक डिलीवरी 19 सितंबर से शुरू होगी।

क्रेडिट कार्ड से किराया भुगतान पर रोक, आरबीआई का नया नियम

नई दिल्ली भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा लागू नए नियमों के तहत अब फिनटेकप्स डिट कार्ड से किराया भुगतान की सुविधा नहीं देंगी। आरबीआई के मुताबिक अब पेमेंट एग्रीगेटर सिर्फ उन्हीं व्यापारियों से लेन-देन कर सकते हैं जिनसे उनका सीधा अनुबंध हो और जिनकी केवाईसी पूरी हो चुकी हो। चूंकि अधिकांश मकान मालिक व्यापारी के रूप में पंजीकृत नहीं हैं, इसलिए ऐप्स के ज़रिए उन्हें भुगतान संभव नहीं होगा। इससे उन यूज़र्स को झटका लगेगा जो रिवॉर्ड पॉइंट्स और ब्याज-मुक्त अवधि के लिए क्रेडिट कार्ड से किराया भरते थे। बैंकों ने भी इस ट्रेंड पर चिंता जताई थी। एचडीएफसी ने शुल्क लगाया, जबकि आईसीआईसीआई और एसबीआई कार्ड ने रिवॉर्ड बंद कर दिए। अब किराया चुकाने के लिए यूज़र्स को सीधे बैंक ट्रांसफर यूपीआई या चेक का सहारा लेना होगा।

मंगलम वर्ल्डवाइड ने एनएसई मेनबोर्ड पर किया स्थानांतरण

नई दिल्ली मंगलम वर्ल्डवाइड लिमिटेड, जो स्टेनलेस स्टील का निर्माण करती है, ने एनएसई के एसएमई मंच से मुख्य मेनबोर्ड पर स्थानांतरण कर लिया है। इस स्थानांतरण में 2,97,00,674 इक्विटी शेयर शामिल हैं, जिनका अंकित मूल्य 10 रुपये है और जो पूरी तरह चुकता हैं। यह कदम एनएसई के नियमों के तहत किया गया है। कंपनी के प्रबंध निदेशक ने इसे कंपनी के लिए एक गर्व की बात बताया। उन्होंने कहा कि यह स्थानांतरण कंपनी के व्यावसायिक सिद्धांतों, विकास रणनीति और दीर्घकालिक दृष्टिकोण पर बाजार के विश्वास को दर्शाता है। इस बदलाव से मंगलम वर्ल्डवाइड को व्यापक निवेशक वर्ग तक पहुंच मिलेगी, जिससे कंपनी की स्थिरता और मूल्य सृजन की क्षमता मजबूत होगी।

आरबीआई 5 से 7 साल में करेगा नियमों की समीक्षा

– नियामक समीक्षा प्रकोष्ठ या सेल (आरआरसी) 1 अक्टूबर से प्रभावी होगा

नई दिल्ली भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों और अन्य विनियमित संस्थाओं से संबंधित सभी नियम-कायदों की हर 5 से 7 साल में समीक्षा करने के लिए नियामकीय समीक्षा प्रकोष्ठ का गठन किया है। केंद्रीय बैंक का उद्देश्य बैंकों और उसके नियमन के दायरे में आने वाली अन्य संस्थाओं के मानदंडों की समीक्षा के लिए संस्थागत तंत्र को सुदृढ़ बनाना है। नियामक समीक्षा प्रकोष्ठ या सेल (आरआरसी) 1 अक्टूबर से प्रभावी होगा। बैंकिंग नियामक ने ककि कि नियामक समीक्षा प्रकोष्ठ का काम आरबीआई द्वारा जारी सभी नियमों की हर 5 से 7 वर्षों में व्यापक और व्यवस्थित तरीके से आंतरिक स्तर पर समीक्षा करना होगा।' नियामक समीक्षा प्रकोष्ठ का गठन विनियमन विभाग के तहत किया जाएगा जो चरणबद्ध तरीके से नियमों की समीक्षा करेगा। इसके अलावा विनियमन पर एक स्वतंत्र सलाहकार समूह (एजीआर) का भी गठन किया गया है जिसमें आरबीआई से बाहर के विशेषज्ञ शामिल हैं। इसका उददेश्य समीक्षा प्रकोष्ठ के माध्यम से विनियमों की आवधिक समीक्षा में उद्योग की प्रतिक्रिया को शामिल करना है। इस छह सदस्यीय समूह का नेतृत्व भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंध निदेशक राणा आशुतोष कुमार सिंह करेंगे। सलाहकार समूह बनाने का उद्देश्य नियामक प्रक्रिया में हितधारक की भागीदारी को मजबूत करना और निरंतर आधार पर उद्योग की विशेषज्ञता का लाभ उठाना है।

भारत का इआरडीएंडडी क्षेत्र 5 साल में 100 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा: नैसकॉम

नई दिल्ली

नैसकॉम की ईआरऐंडडी परिषद के एक प्रमुख अे धिकारी का कहना है कि भारत का इंजीनियरिंग शोध एवं विकास (ईआरएंडडी) क्षेत्र इस दशक के अंत तक करीब 100 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है, जो पिछले वित्त वर्ष तक 56 अरब डॉलर था। यह क्षेत्र भारत के प्रौद्योगिकी उद्योग में सबसे तेजी से बढ़ने वाले क्षेत्रों में से एक रहा है, जिसमें सालाना आधार पर 7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसमें ऑटोमोटिव, सेमीकंडक्टर, औद्योगिक, ऊर्जा एवं यूटिलिटीज, दूरसंचार, हेल्थकेयर, लाइफ साइंसेज और कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स शामिल हैं। तुलनात्मक रूप से सबसे बड़ा उद्योग आईटी कमजोर वृहद आर्थिक परिवेश के कारण लगभग 4 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। कमजोर वृहद आर्थिक परिदृश्य की वजह से ग्राहकों के खर्च पर असर पड़ा है। पाटिल केपीआईटी टेक्नोलॉजीज के मुख्य कार्याधिकारी भी हैं। उन्होंने बताया कि अगर आप गणना करें तो

तार्किक रूप से यह वृद्धि दर समान प्रतिशत के अनुरूप नहीं है। लेकिन अगले पांच वर्षों में सभी क्षेत्रों में ईआरऐंडडी पर कुल खर्च 10 प्रतिशत से अधिक की दर से बढ़ने की उम्मीद है। बस फर्क इतना है कि आंकड़ों को देखकर उत्साहित न हों।

ये नए क्षेत्र और प्रौद्योगिकियां हैं और बिजनेस मॉडल और प्रतिस्पर्धा बहुत अलग हैं। उन्होंने कहा कि वृद्धि की रफ्तार बढ़ाने के लिए कुछ बदलाव लाने की जरूरत होगी। पहला है एआई का औद्योगिक इस्तेमाल, जो अभी भी निवेशकों की उम्मीदों से कम है।

एग्री जेनेटिक्स अपने निवेशकों को 1 के बदले 10 शेयर बांटेगी

नई दिल्ली

देश के सबसे बड़े सेक्टर यानी एग्रीकल्चर क्षेत्र में काम करने वाली महाराष्ट्र की कंपनी निर्माण एग्री जेनेटिक्स लिमिटेड अपने निवेशकों को 1 शेयर के बदले 10 स्टॉक बांटने को लेकर विचार कर रही है। यह कंपनी हाइब्रिड बीज, कीटनाशक और बायो-ऑर्गेनिक प्रोडक्ट के उत्पादन, प्रसंस्करण और विपणन में काम कर रही है। कंपनी की निदेशक मंडल की बैठक 30 सितंबर को होगी। बैठक में बोनस शेयर (1 इक्विटी शेयर पर 10 बोनस शेयर तक), स्टॉक स्प्लिट और हाइड्रोपोनिक्स और एक्वापोनिक्स क्षेत्र में विस्तार जैसे प्रस्तावों पर विचार किया जाएगा। इन प्रस्तावों का उद्देश्य शेयरधारकों को अधिक लाभ देना, शेयर की बाजार क्षमता बढ़ाना और कंपनी के संचालन को आधुनिक कृषि तकनीकी रुझानों के अनुरूप लाना है। कंपनी के निदेशक मंडल ने 10 रुपये फेस वैल्यू वाले मौजूदा इक्विटी शेयरों को स्प्लिट कर 1:10 तक के अनुपात में अधिक संख्या में शेयर जारी करने पर विचार करेगा। इससे शेयर की तरलता बढ़ेगी और शेयरधारकों का आधार और बढ़ाने में मदद मिलेगी।

सोनी इंडिया ग्राहकों को देगी जीएसटी कट का लाभ

नई दिल्ली

इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की निर्माता सोनी इंडिया 22 सितंबर से प्रीमियम टीवी की कीमतों में करीब 8 प्रतिशत तक की कमी करेगी और जीएसटी दरों में कटौती का लाभ ग्राहकों तक पहुंचाएगी। सोनी इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हम टीवी पर जीएसटी दरों में कटौती का पूरा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाना चाहते हैं। प्रीमियम और सुपर प्रीमियम श्रेणी में हमारी कीमतें 7.8 प्रतिशत तक कम होंगी जिससे ये ग्राहकों के लिए काफी आकर्षक हो जाएंगी। वित्त वर्ष 26 के पहले पांच महीने में स्थिर बिक्री के बाद कंपनी प्रीमियम और सुपर प्रीमियम टीवी श्रेणी में 3 से 5 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने की उम्मीद कर रही है। इस महीने की शुरुआत में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने घोषणा की थी कि 32 इंच से बड़े टीवी पर जीएसटी दरें पहले की 28 प्रतिशत से घटकर 18 प्रतिशत होंगी। इस तरह 85 इंच वाले टीवी पर कीमतों में 70,000 रुपये तक, 75 इंच वाले टीवी पर 51,000 रुपये तक, 65 इंच वाले टीवी पर 40,000 रुपये तक तथा 55 इंच वाले टीवी पर 32,000 रुपये तक की कटौती होगी। उन्होंने कहा कि हम प्रीमियम कीमत वाले ब्रांड हैं और पहले इसे वहन करना मुश्किल हो सकता था। लेकिन दरों में इस कटौती से ग्राहकों को दोनों तरह से ही अपग्रेड करने का मौका मिलेगा। वे बड़े आकार का स्क्रीन और बेहतर तकनीक खरीद सकेंगे। कंपनी के लिए टीवी प्रमुख लाभ वाला कारोबार बना हुआ है जिसकी कुल राजस्व में 55 से 60 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। उन्होंने कहा, 'हम 55 इंच और इससे ऊपर वाली श्रेणी में 5 से 10 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं जहां हम प्रमुख भागीदार हैं। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर 10 प्रतिशत की वृद्धि के साथ त्योहारों की मांग मजबूत रहने की उम्मीद है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 320 , निफ्टी 93 ऊपर आया

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये बढ़त एशियाई बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच ही खरीदारी हावी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 320 अंक करीब 0.39 फीसदी बढ़कर 83,013.96 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 93.35 अंक तकरीबन 0.37 फीसदी बढ़कर 25,423.60 पर बंद हुआ।

फार्मा शेयरों में तेजी के साथ ही अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर घटाने से भी बाजार धारणा मजबूत हुई। जिससे बाजार उछला है। आज निफ्टी फार्मा इंडेक्स 1.50 फीसदी ऊपर आया। निफ्टी ऑटो 0.32 फीसदी, निफ्टी वित्तीया सेवा 0.51 फीसदी, निफ्टी एफएमसीजी 0.38 फीसदी, निफ्टी मेटल 0.32 फीसदी और निफ्टी निजी बैंक 0.44 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ।निफ्टी पीएसयू बैंक 0.18 फीसदी, निफ्टी रियल्टी 0.07 फीसदी, निफ्टी एनर्जी 0.35 फीसदी और निफ्टी पीएसई 0.05 फीसदी टूटकर बंद हुआ।लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 224.65 अंक की तेजी के साथ 59,073.20 पर था और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 53.75 अंक बढ़कर 18,476.95 पर था।सेंसेक्स पैक में सन फार्मा, इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक, एचसीएल टेक, एचयूएल, पावर ग्रिड, आईटीसी, पावर ग्रिड, आईटीसी, एक्सिस बैंक के शेयर ऊपर आये जबकि टाटा मोटर्स, ट्रेंट, बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, बीईएल और एसबीआई के शेयरों में नुकसान हुआ।

इससे पहले आज सुबह बाजार मजबूती के साथ खुले। सेंसेक्स 400 से ज्यादा अंक उछलकर 83,108 पर खुला। खुलते ही यह 83,141 अंक तक चढ़ गया।

सुबह खुलने के बाद यह 377.88 अंक की बढ़त लेकर 83,071.59 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह निफ्टी भी मजबूती के साथ 25,441 अंक पर खुला। सुबह खुलते ही यह 102.10 अंक की बढ़त के साथ 25,432 पर कारोबार कर रहा था। वहीं एशियाई बाजारों में गुरुवार को मिला-जुला कारोबार देखने को मिला। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दर को घटाकर 4 प्रतिशत से 4.25 प्रतिशत के बीच कर दिया। अमेरिका बाजार में डॉव जोंस कुछ समय के लिए ऑल टाइम है पर पहुंचने के बाद भी 0.57 फीसदी की बढ़त के साथ 46,018.32 पर बंद हुआ। दूसरी तरफ, एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.10 फीसदी की गिरावट के साथ 6,600.35 पर और नैस्डैक कंपोजिट 0.33 फीसदी की गिरावट के साथ 22,261.33 पर बंद हुआ

2035 तक ग्लोबल जीडीपी ग्रोथ में भारत की हिस्सेदारी 9 प्रतिशत होगी

यह बयान वित्तीय सेवा विभाग में सचिव एम नागाराजू ने दिया

मुंबई

वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत का दबदबा बढ़ता जा रहा है और 2035 तक ग्लोबल जीडीपी ग्रोथ में देश की हिस्सेदारी बढ़कर 9 प्रतिशत होगी, जो कि 2024 में 6.5 प्रतिशत थी। यह बयान वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग में सचिव एम नागाराजू ने दिया। दिल्ली में नेशनल बैंक फॉर फाइनेंशियल इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट (एनएबीएफआईडी) की ओर से आयोजित कार्यक्रम में लोगों को संबोधित कर नागाराजू ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में भी देश की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है और दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनी हुई है। उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था बीते चार सालों से औसत 8 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ रही है। वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में जीडीपी की वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही थी, जो कि पिछली पांच तिमाही में सबसे अधिक है।नागाराजू के मुताबिक, हमारा एक्सटर्नल सेक्टर भी अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और बीती तिमाही में चालू खाता घाटा जीडीपी का केवल 0.5 प्रतिशत रहा था। देश का शुद्ध सर्विसेज निर्यात भी तेजी से बढ़ रहा है और इन सभी मजबूत कारणों के चलते देश आजादी के 100 साल पूरे होने तक यानी 2047 तक विकसित राष्ट्र बन सकता है।नागाराजू के अनुसार, यह व्यापक आर्थिक सफलता की कहानी हमारी इन्फ्रास्ट्रक्चर महत्वाकांक्षाओं के लिए एक ठोस आधार तैयार करती है। यह दुनिया को बताती है

कि भारत का विकास न केवल मजबूत है, बल्कि सुधारों और विवेकपूर्ण नीतियों से भी प्रेरित है, जो हमें वैश्विक विकास का एक प्रमुख इंजन और महामारी के बाद की वैश्विक आर्थिक व्यवस्था को आकार देने में एक संभावित नेता बनाता है।

उद्योग अब पहल करे: सीतारमण का निवेश और साझेदारी का आह्वान

नई दिल्ली वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उद्योग जगत से आह्वान किया है कि वह अब देश में निवेश बढ़ाने, उत्पादन क्षमता का विस्तार करने और युवाओं को कौशल प्रदान करने में सरकार का सक्रिय साझेदार बने। आईएफक्यूएम संगोष्ठी में बोलते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने उद्योग जगत की अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए व्यापार सुगमता, कर सुधार, एफडीआई में वृद्धि और उद्योग-हितैषी नीतियां लागू की हैं। अब समय आ गया है कि उद्योग अपनी जिम्मेदारी निभाए। सीतारमण ने कहा कि उद्योग जगत को केवल बजट से पहले सुझाव देने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि पूरे वर्ष सरकार के साथ संवाद बनाए रखना चाहिए। उन्होंने यह भी आग्रह किया कि उद्योग युवा शक्ति को कौशलयुक्त बनाने के लिए सरकार के साथ मिलकर काम करे, जिससे देश को दीर्घकालिक लाभ मिल सके। संगोष्ठी के दौरान टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने वित्त मंत्री से पूछा कि उद्योग को अब क्या करना चाहिए। जवाब में सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने हमेशा सुधारों को प्राथमिकता दी है और उद्योग की जरूरतों को महत्व दिया है। अब उद्योग जगत को हिचकिचाहट छोड़कर आगे बढ़ना चाहिए। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए चंद्रशेखरन ने कहा कि सरकार ने घरेलू और वैश्विक बाजारों में अपार अवसर उपलब्ध कराए हैं और अब ज़रूरत है कि ज्यादा कंपनियां आगे आकर बड़े पैमाने पर निवेश करें।

आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर का आईपीओ: ₹393-414 प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय -

:23 सितंबर को खुलेगा सब्सक्रिप्शन, ₹7.45 अरब जुटाने का लक्ष्य

मुंबई/इंदौर

भारत के एक प्रमुख फुल-सर्विस ब्रोकरेज हाउस आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर लिमिटेड ने अपने आगामी इनिशियल पब्लिक ऑफर (आईपीओ) के लिए ₹393 से ₹414 प्रति इक्विटी शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। यह द्वक्ष्ह 23 सितंबर, मंगलवार को खुलेगा और 25 सितंबर, गुरुवार को बंद होगा।कंपनी का लक्ष्य इस द्वक्ष्ह से ₹7.45 अरब तक की राशि जुटाना है, जिसका एक बड़ा हिस्सा (₹5.5 अरब) कार्यशील पूंजी की जरूरतों को पूरा करने में इस्तेमाल किया जाएगा।

निवेशक न्यूनतम 36 शेयरों के एक लॉट के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके बाद 36 के मल्टीपल में बोली लगाई जा सकेगी।आनंद राठी तीन दशकों से अधिक के अनुभव के साथ एक स्थापित ब्रांड है, जो खुदरा और संस्थागत ग्राहकों को ब्रोकिंग, मार्जिन ट्रेडिंग और विभिन्न वित्तीय उत्पाद प्रदान करता है।

कंपनी की सेवाएं शेयर, डेरिवेटिव्स, कमोडिटी और करेंसी मार्केट तक फैली हुई हैं।कंपनी की वित्तीय स्थिति मजबूत दिख रही है। वित्तीय वर्ष 2023 से 2025 के बीच इसकी परिचालन आय 34.45त्न की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (ष्टत्रक्र) से बढ़कर ₹8,456.98 मिलियन हो गई है।

इसी अवधि में, टैक्स के बाद का मुनाफा 65.68त्न की ष्टत्रक्र के साथ ₹1,036.06 मिलियन तक पहुँच गया है।यह आईपीओ बुक-बिल्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से होगा, जिसमें योग्य संस्थागत खरीदारों, गैर-संस्थागत बोलीदाताओं और खुदरा निवेशकों के लिए अलग-अलग कोटा निर्धारित किया गया है।

साथ ही, कर्मचारियों के लिए भी ₹100 मिलियन तक का आरक्षण हिस्सा शामिल है।

इस के आईपीओ बुक-रनिंग लीड मैनेजर नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट, डीएएम कैपिटल एडवाइजर्स और आनंद राठी एडवाइजर्स हैं।

यूरोपीय यूनियन ने कहा, व्यापार वार्ता में और प्रगति होगी

नई दिल्ली

यूरोपीय संघ के व्यापार और आर्थिक सुरक्षा के एक अे धिकारी आयुक्त मारोश शेफचोविच ने बताया कि उन्हें उम्मीद थी कि पिछले सप्ताह नई दिल्ली की उनकी यात्रा के दौरान व्यापार वार्ता में और प्रगति होगी क्योंकि व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए दिसंबर की समय सीमा बेहद करीब है। शेफचोविच ने ब्रसेल्स में मीडिया से चर्चा के दौरान कहा कि मैं पिछले सप्ताह भारत गया था। बातचीत को आगे बढ़ाने के प्रयास में यह इस साल भारत की मेरी तीसरी यात्रा थी। मैं भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्री (पीयूष गोयल) के साथ लगातार संपर्क में हूं। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय वार्ताकार अपने कड़े रुख के लिए जाने जाते हैं लेकिन उन्होंने आश्वासन दिया कि ईयू अपने हितों को दृढ़ता से रक्षा करेगा। भारत ने अपने दूसरे सबसे बड़े निर्यात ठिकाने यूरोपीय संघ के साथ वार्ता को तेजी से आगे बढ़ाने का निर्णय किया था क्योंकि अमेरिका के साथ तनाव बढ़ गया था और निर्यातक अमेरिका के साथ व्यापार समझौता न होने की स्थिति में माल को खपाने के लिए एक बड़े बाजार की तलाश में थे। यूरोपीय संघ की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा कि दोनों पक्ष साल के अंत तक व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया कि अब साझा हितों पर आधारित साझेदारियों पर दोगुना प्रयास करने का समय आ गया है। अपनी नई यूरोपीय संघ-भारत

रणनीति के साथ हम अपने संबंधों को अगले स्तर पर ले जा रहे हैं। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच वाहन, कृषि, शराब, सेवाओं और गैर-शुल्क उपायों पर अब भी मतभेद बने हुए हैं क्योंकि भारत इन्हें संवेदनशील मानता है और अब भी इन पर बातचीत चल रही है।

सीजीएसटी की नई दरें अधिसूचित, 22 सितंबर से होंगी लागू

नए ढांचे के तहत अनुसूची 1 की वस्तुओं पर 2.5 प्रतिशत केंद्रीय जीएसटी लगेगा

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (सीजीएसटी) दरों की संशोधित सूची की अधिसूचना जारी कर दी है, जो 2017 से लागू मूल दरों की जगह लेगी। वित्त मंत्रालय ने यह अधिसूचना जारी की है, जो 22 सितंबर से लागू होगी। यह बदलाव 7 अनुसूचियों में किया गया है, जिनमें सीजीएसटी 2.5, 9, 20, 1.5, 0.125, 0.75 और 14 प्रतिशत की दर पर अधिसूचित है। गौरतलब है कि राज्य सरकारें इन्ही दरों पर राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) के लिए अलग से अधिसूचनाएं जारी करेंगी। नए ढांचे के तहत अनुसूची 1 की वस्तुओं पर 2.5 प्रतिशत केंद्रीय जीएसटी लगेगा, जिसका मतलब यह हुआ कि राज्य जीएसटी के साथ इन वस्तुओं पर 5 प्रतिशत जीएसटी होगा, क्योंकि दोनों सरकारें एक समान कर लेती हैं। इस अनुसूची में आवश्यक जिंस और प्राथमिक वस्तुएं शामिल हैं, जिनमें डेरी उत्पाद जैसे मिल्क पाउडर, दही, मक्खन, घी से लेकर पैकेज्ड खाद्यान्न और मोटे अनाज जैसे चावल, गेहूं और दलहन शामिल है। इनमें मसालों, चाय, कॉफी, मेवे, शहद, खाद्य तेल, दवाएं, उर्वरक, साबुन, टूथपेस्ट, धूपबत्ती, तथा नवीकरणीय ऊर्जा उपकरणों की एक विस्तृत श्रृंखला जैसे सौर पैनल, पवन चक्कियां व बायोगैस संयंत्र शामिल हैं। अनुसूची 2 पर 9 प्रतिशत सीजीएसटी (प्रभावी रूप से 18 प्रतिशत जीएसटी) लागू होगा। ऐसी वस्तुओं में औद्योगिक इनपुट, इंटरमीडिएट वस्तुएं, टेक्सटाइल्स और उपभोक्ता वस्तुएं हैं। अनुसूची 3 में शामिल वस्तुओं पर 20 प्रतिशत सीजीएसटी लागू किया गया है, जिससे ऐसी वस्तुओं पर कुल जीएसटी 40 प्रतिशत होगा। इस अनुसूची में लक्जरी और नुकसान पहुंचाने वाली वस्तुएं जैसे एरेटेड पेय और एनर्जी ड्रिंक, महंगी कारें और एसयूवी, एक निश्चित सीमा से अधिक इंजन क्षमता वाले हाइब्रिड वाहन, 350 सीसी से ज्यादा क्षमता वाली मोटरसाइकलें, व्यक्तिगत इस्तेमाल के विमान, याट, रिवॉल्वर व पिस्टल शामिल हैं। अनुसूची 4 पर 1.5 प्रतिशत सीजीएसटी (3 प्रतिशत जीएसटी) लगाया गया है, जिनमें मोती, सोना, चांदी और आभूषण शामिल है। अनुसूची 6 पर 0.75 प्रतिशत (1.5 प्रतिशत जीएसटी) लगाया गया है, जिसमें कुछ विशेष इनपुट्स शामिल हैं और अनुसूची 7 पर 14 प्रतिशत सीजीएसटी (28 प्रतिशत जीएसटी) लगाया गया है, जिसमें तंबाकू से जुड़े उत्पाद हैं।

एचडीएफसी बैंक ने 1,000 से अधिक शिक्षकों को सिखाए सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग के गुर

साइबर धोखाधड़ी से बचाव के लिए जागरूकता अभियान, शिक्षक बनेंगे डिजिटल सुरक्षा के प्रहरी

मुंबई/इंदौर ।

भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक, एचडीएफसी बैंक ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए पूरे देश के 1,000 से अधिक शिक्षकों को सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग के बारे में प्रशिक्षित किया है। एक वर्चुअल सत्र के माध्यम से, बैंक ने शिक्षकों को साइबर धोखाधड़ी से बचने के तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी, जिससे वे खुद को और समाज को धोखेबाजों से बचा सकें।

इस सत्र में प्रतिभागियों को साइबर खतरों की पहचान करने के लिए वास्तविक जीवन के उदाहरणों, कहानियों और वीडियो का उपयोग करके प्रशिक्षित किया गया। इसमें विभिन्न प्रकार के घोटालों जैसे फ़िशिंग, विशिंग, स्मिशिंग, रिमोट डिवाइस एक्सेस और यूपीआई धोखाधड़ी पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित किया गया। इसके अतिरिक्त, निवेश, नौकरी के प्रस्ताव और डिजिटल गिरफ्तारी जैसे छद्म रूपों में होने वाली धोखाधड़ी से बचने के तरीकों पर भी चर्चा की गई।

एचडीएफसी बैंक के वरिष्ठ कार्यकारी उपाध्यक्ष, श्री मनीष

HDFC BANK

अग्रवाल ने इस पहल पर कहा, जागरूकता की कमी के कारण लोग अक्सर साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो जाते हैं। इन सत्रों का उद्देश्य शिक्षकों को ऑनलाइन दुनिया में सुरक्षित रूप से नेविगेट करने के लिए सही ज्ञान से लैस करना है। उन्होंने बताया कि ये शिक्षक अब समाज में जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। बैंक ने ग्राहकों को सलाह दी है कि वे अपनी संवेदनशील जानकारी कभी साझा न करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत 1930 हेल्पलाइन पर या **https://cybercrime.gov.in** पर दर्ज कराएं। यह पहल न केवल डिजिटल लेनदेन को सुरक्षित बनाने में मदद करेगी बल्कि एक जागरूक डिजिटल समाज के निर्माण में भी सहायक होगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एशिया कप में आज भारतीय टीम का मुकाबला ओमान से होगा

अबू धाबी (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम शुक्रवार को यहां एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के अपने अंतिम लीग मैच में ओमान के खिलाफ बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम ने अभी तक अपने दोनो मैच आसानी से जीतकर ग्रुप ए से सबसे पहले सुपर फोर में जगह बनायी है। इससे अब ये मैच भारतीय टीम के लिए औपचारिकता भर रह गया है। ऐसे में वह मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को इस मैच में आराम दे सकती है। बुमराह की जगह अर्शदीप सिंह हो अवसर मिल सकता है। भारतीय टीम ने पहले मैच में यूएई वहीं दूसरे मैच में पाकिस्तान को एकतरफा मुकाबले में हराया था। जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। भारतीय टीम ओमान के खिलाफ पहले मुकाबले से सुपर फोर के लिए अभ्यास करना चाहेगी। उसका लक्ष्य पूरे 20 ओवर बल्लेबाजी करना रहेगा।

अब तक के मुकाबलों में भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने अपेक्षा के अनुरूप तेज़ शुरुआत की है पर उनके जोड़ीदार शुभमन गिल को क्रीज पर कुछ समय बिताने की जरूरत है। कप्तान सूर्यकुमार ने पाकिस्तान के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था पर वह चाहेंगे कि युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा को बल्लेबाजी करने का कुछ और समय मिले।

भारतीय टीम को अब अगले एक सप्ताह में फाइनल सहित चार मैच खेलने हैं। इसे देखते हुए टीम प्रबंधन हार्दिक पंड्या, संजू सैमसन, शिवम दुबे और अक्षर पटेल को भी बल्लेबाजी का कुछ अवसर देना चाहेगा। अगर ओमान पहले बल्लेबाजी करता है, तो मैच जल्दी समाप्त होना तय है क्योंकि ओमान टीम भारतीय गेंदबाजों का शायद ही सामना कर पाये। पाकिस्तान और यूएई के खिलाफ भी ओमान की बल्लेबाजी अच्छी नहीं रही। दो मैचों में एक भी बल्लेबाज़ 30 से अधिक रन नहीं बना पाया। हम्माद मिर्जा ने पाकिस्तान के खिलाफ 27 रन जबकि आर्यन बिष्ट ने यूएई के खिलाफ 32 गेंदों पर 24 रन बनाए जो इन मैच में उसकी तरफ से सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे।

भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव इस मैच में बुमराह को आराम दे सकते हैं। वह भी अगर वह ऐसा करना चाहें। पाकिस्तान के खिलाफ मैच में चार ओवर गेंदबाजी करने और अच्छी तरह से आराम करने के बाद बुमराह ब्रेक लेना चाहेंगे ये तय नहीं है पर अगर वह लेते हैं तो इससे टीम को अर्शदीप को आजमाने का अवसर मिल जाएगा।

वहींटीम प्रबंधन इस मैच में स्पिनर वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव में से किसी एक को आराम देकर हर्षित राणा को भी अवसर दे सकता है। इस मैच में बल्लेबाजी क्रम में भी थोड़ा बदलाव हो सकता है। भारतीय टीम ने इस मैदान पर अब तक नहीं खेला है जिससे उसे लय हासिल करने समय लग सकता है। वहीं ओमान की टीम इस मैच में भारतीय बल्लेबाजों और गेंदबाजों के साथ खेलकर अनुभवी हासिल करना चाहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत = सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा, अक्षर पटेल, जसप्रित बुमरा, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, संजू सैमसन, हर्षित राणा, रिंकू सिंह।

ओमान = जतिंदर सिंह (कप्तान), हम्माद मिर्जा, विनायक शुक्ला, सुफियान यूसुफ, आशीष ओडेडेरा, आमिर कलीम, मोहम्मद नदीम, सुफियान महमूद, आर्यन बिष्ट, करण सोनावले, जिक्रिया इस्लाम, हसनैन अली शाह, फैसल शाह, मोहम्मद इमरान, नदीम खान, शकील अहमद, समय श्रीवास्तव।

विश्व चैंपियनशिप फाइनल में नीरज असफल रहे, सचिन यादव ने चौथा स्थान हासिल किया

टोक्यो (एजेंसी)। भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा विश्व चैंपियनशिप फाइनल में असफल रहे और आठवें स्थान पर रहे। वहीं भारत के ही सचिन यादव ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए चौथा स्थान हासिल किया। इस टूर्नामेंट में कोई भी अन्य भारतीय एथलीट एथलीट 90 मीटर से आगे नहीं बढ़ पाया, चोपड़ा पांचवें और अंतिम दौर के बाद 84.03 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ बाहर हो गए।

वहीं सचिन ने 86.27 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो पहले ही प्रयास में किया। ये उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था और उन्होंने नीरज ही नहीं बल्कि जर्मनी के जूलियन वेबर (86.11 मीटर) और ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम (82.75 मीटर) को भी पीछे छोड़ दिया। स्पर्धा का स्वर्ण पदक त्रिनिदाद और टोबैगो के केशोर्न वालकॉट ने (88.16 मीटर) भाल फेंककर जीता। वहीं ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स ने 87.38 मीटर और कर्टिस थॉम्पसन ने 86.67 मीटर के साथ ही दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं पाकिस्तान के अरशद नदीम भी चौथे दौर में ही बाहर हो गये। चोपड़ा ने 83.65 मीटर से शुरुआत की जिससे वह पांचवें स्थान पर रहे और 84.03 मीटर के साथ इसमें सुधार किया लेकिन तीसरे थ्रो में फाउल कर बैठे।

पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर ने पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी पर लगाया भ्रष्टाचार का आरोप

स्पोर्ट्स डेस्क । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को एक नया झटका लगा है क्योंकि अध्यक्ष मोहसिन नकवी पर पाकिस्तान की एशिया कप जर्सी को लेकर भ्रष्टाचार का आरोप लगा है। पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर अतीक-उज-जमान ने पीसीबी अध्यक्ष पर मेन इन ग्रीन के लिए घटिया जर्सी को मंजूरी देने का आरोप लगाया है।

अतीक-उज-जमान ने ट्विटर पर लिखा कि PCB द्वारा ड्राई-फिट किट देने का वादा करने के बावजूद पाकिस्तानी खिलाड़ी अपने मैचों के दौरान खूब पसीना बहा रहे थे। उन्होंने पाकिस्तानी खिलाड़ियों की तुलना दूसरी टीमों से भी की, जिनकी शर्ट पर उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों के कारण पसीने की एक बूंद भी नहीं थी। पूर्व क्रिकेटर ने अपने ट्विटर अकाउंट पर लिखा, 'पाकिस्तानी खिलाड़ी घटिया किट पहनकर पसीना बहा रहे हैं जबकि दूसरे खिलाड़ी सही ड्राई-फिट किट पहनते हैं। ऐसा तब होता है जब टेंडर पेशेवरों को नहीं, बल्कि दोस्तों को मिलते हैं। पसीने से ज्यादा भ्रष्टाचार टपक रहा है।'

गौर हो कि अतीक-उज-जमान 2000 में पाकिस्तान के लिए एक टेस्ट मैच और तीन एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं।उनका घरेलू करियर काफी लंबा रहा जिसमें उन्होंने पाकिस्तान कस्टम्स, हबीब बैंक लिमिटेड, कराची ब्लूज़, कराची व्हाइट्स, खान रिसर्च लैबोरेटरीज जैसी टीमों का प्रतिनिधित्व किया। अतीक-उज-जमान ने कोचिंग की ओर रुख किया और फरवरी 2023 तक उन्हें जर्मनी की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया। उन्होंने लंकाशायर के सेंट एन्स क्रिकेट क्लब के लिए इंग्लैंड में क्लब क्रिकेट भी खेला।

ध्रुव जुरेल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ठोका नाबाद शतक, 10 चौके और 4 छक्कों की मदद से बनाए 130 से ज्यादा रन

लखनऊ (एजेंसी)। विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल के नाबाद 113 रनों की बदौलत भारत 'ए' ने गुरुवार को यहां ऑस्ट्रेलिया 'ए' के खिलाफ अनौपचारिक टेस्ट के तीसरे दिन चार विकेट पर 403 रन बनाए। जुरेल के 132 गेंदों में खेली गई पारी (10 चौके और 4 छक्के) के अलावा भारत को कल के बल्लेबाज एन जगदीशन (64), बी साई सुदर्शन (73) के अर्धशतकों और देवदत्त पडिक्कल के नाबाद 86 रनों से भी मजबूती मिली। हालांकि श्रेयस अय्यर (8) अपनी छाप नहीं छोड़ पाए।

भारत 'ए' 129 रनों से पिछड़ रहा था और मुकाबला ड्रॉ की ओर बढ़ रहा था। इससे पहले सैम कोंस्टास (109) के तेज शतक और जोश फिलिप के नाबाद 123 रनों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ए टीम ने 6 विकेट पर 532 रन बनाकर पारी घोषित कर दी थी। दोनों टीमें 23-26 सितंबर तक इकाना स्टेडियम में दूसरे चार दिवसीय अनौपचारिक टेस्ट के लिए आमने-सामने होंगी, जिसके बाद वे तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए कानपुर रवाना होंगी।

दिन का खेल भारत ए के एक विकेट पर 116 रन से आगे खेलने के साथ शुरू हुआ। जगदीशन और सुदर्शन की कल की जोड़ी ने साझेदारी बनाने की कोशिश की, लेकिन वे ऐसा नहीं कर सके। जगदीशन, जिन्हें पिछले महीने इंग्लैंड में टेस्ट टीम में शामिल किया गया था, 113 गेंदों पर 64 रन (7 चौके, 1 छक्का) बनाकर जेवियर बार्टलेट की गेंद पर फिलिप के हाथों कैच आउट हुए।

मेजबान टीम ने सुदर्शन और पडिक्कल की जोड़ी के साथ 76 रनों की साझेदारी करके पारी को सुचारू रूप से आगे बढ़ाया। ज्यादातर रन तमिलनाडु के बाएं हाथ के बल्लेबाज सुदर्शन ने बनाए जिन्होंने इंग्लैंड में अपना पहला टेस्ट मैच खेला था, लेकिन पारी के 59वें ओवर में कॉनॉली ने उन्हें पगबाधा आउट कर दिया। भारत ए के कप्तान अय्यर के पास हाल ही में राष्ट्रीय टीम से मिली अनदेखी और अगले महीने की शुरुआत में वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम का चयन होने के बाद अपनी बात साबित करने का एक अच्छा मौका था। अय्यर 62वें ओवर में सिर्फ 8 रन बनाकर वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के स्पिनर कोरी रोचिचियोली का शिकार बन गए, जिससे भारत ए को थोड़ी परेशानी हुई। यहीं पर जुरेल और पडिक्कल ने मिलकर पारी को संभाला और स्टंप तक दोनों एक-दूसरे से अलग नहीं हुए। जुरेल और पडिक्कल की पांचवें विकेट के लिए नाबाद 181 रनों की साझेदारी ने भारत ए को खेल खत्म होने तक बढ़त दिला दी, क्योंकि उन्होंने लगभग 4 ओवर प्रति ओवर की अच्छी रन रेट से रन बनाए। पडिक्कल 178 गेंदों पर 8 चौकों की मदद से नाबाद 86 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे थे।

सिंधू ने अपना विजय अभियान जारी रखा, चाइना मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंची

शेनझेन (चीन) । भारत की स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधू ने अपना विजय अभियान जारी रखते हुए गुरुवार को यहां थाईलैंड की छठी वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचुवोंग पर सीधे गेम में जीत के साथ चाइना मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने अपनी थाई प्रतिद्वंद्वी को 21-15, 21-15 से हराने में सिर्फ 41 मिनट का समय लिया। इस जीत के साथ विश्व बैंकिंग में 14वें स्थान पर काबिज सिंधू ने थाई शटलर के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 6-5 का कर लिया है। क्वार्टर फाइनल में सिंधू का मुकाबला कोरिया की शीर्ष वरीयता प्राप्त एन से यंग और डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्ट के बीच होने वाले मैच की विजेता से होगा। हाल में हांगकांग ओपन के पहले दौर में बाहर होने वाली सिंधू सीधे गेम में मिली जीत से खुश थीं और उन्होंने कहा कि वह अपनी थाई प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ शुरू से ही सतर्क थीं। मैच के बाद भारतीय खिलाड़ी ने कहा, ''मैं जीत से खुश हूं और मेरे लिए शुरुआत से ही सतर्क रहना और अपना शत-प्रतिशत देना बेहद ज़रूरी था। वह (चोचुवोंग) एक शीर्ष खिलाड़ी है। मैं इंडोनेशिया ओपन में उसके खिलाफ खेली थी और उस बार भी मुकाबला कड़ा था। पहला गेम जीतने के बाद मैं दूसरे गेम में ज्यादा सतर्क थी। मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और मुझे खुशी है कि मैं जीत हासिल करने में सफल रही।' उन्होंने कहा, 'मुझे अब कल के लिए तैयारी करनी होगी। यह अच्छी बात है कि अगर आप पहला गेम जीत जाते हैं तो दूसरे गेम में उसे खत्म कर देते हैं। सीधे गेम में जीत हमेशा आपको आत्मविश्वास देती है। लेकिन आपको लंबे मैचों के लिए भी तैयार रहना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि आप तेज़ी से आगे बढ़ें।'

विश्व चैंपियनशिप में शीर्ष पर पहुंचना है लक्ष्य : मीराबाई चानू

अहमदाबाद । ओलंपिक रजत पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू का लक्ष्य अब अक्टूबर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में शीर्ष पर पहुंचना है। चानू ने इसके लिए अभ्यास भी शुरु कर दिया है। पिछले कुछ समय से फिट नहीं होने के कारण वह खेल से दूर थीं। हाल के वर्षों में चोटों से जूझती रहीं चानू पिछली बार पेरिस ओलंपिक में खेली थीं। चानू ने 2028 लॉस एंजिल्स खेलों के लिए नए ओलंपिक भार वर्ग लागू होने के बाद 49 किग्रा से 48 किग्रा में जाने का फैसला किया है। वह इस 48 किग्रा भार वर्ग में अपना विश्व चैंपियनशिप खिताब और दो राष्ट्रमंडल खेलों के पदक जीत चुकी हैं लेकिन 2018 के बाद से इसमें प्रतिस्पर्धा नहीं की है। चानू अब अपनी तकनीक बेहतर बनाने में लगी हैं। जिससे वह स्नैच में 90 किलोग्राम का वजन उठा सकें। चानू ने कहा कि वह राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में पूरी ताकत नहीं लगाएंगी जो अगले साल ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वालीफाइंग टूर्नामेंटों में से एक है। उन्होंने कहा, 'मैं विश्व चैंपियनशिप की तैयारी कर रही हूं। मेरा सबसे बड़ा लक्ष्य एशियाई खेल हैं जहां मेरा लक्ष्य विश्व रिकॉर्ड तोड़ना और पदक जीतना है क्योंकि मैंने अभी तक वहां कोई रिकॉर्ड नहीं बनाया है। चानू के अलावा अन्य प्रतियोगियों से भी देश को बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें हैं।

एशिया कप का बॉयकॉट करने से क्यों पीछे हटा पाकिस्तान? पीसीबी प्रमुख ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली (एजेंसी)। खेलों में भी सियासत पीछे नहीं रही है। हाल ही में पाकिस्तान ने एशिया कप 2025 में यूएई के खिलाफ मैच से पहले खूब ड्रॉमा किया। भारत के खिलाफ 14 सितंबर को हुए हैंडशेक विवाद के बाद पाकिस्तान लगातार आईसीसी से मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट को हटाने की अपील कर रहा था। यूएई के खिलाफ मैच के दिन भी पाकिस्तान इस बात पर अड़ा रहा, हालांकि उनकी कोई मांग पूरी नहीं हुई और पाकिस्तान की टीम एक घंटे की देरी के साथ मैच खेलने मैदान पर पहुंची। इस दौरान पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चीफ मोहसिन नकवी ने नजम सेठी और रमीज राजा के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

नकवी ने कहा कि बहिष्कार एक बहुत बड़ा फैसला था और स्थिति पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और अन्य प्रमुख सरकारी अधिकारियों के समर्थन के बाद, यह निर्णय लिया गया है कि टीम टूर्नामेंट में बनी रहेगी और यूएई के खिलाफ खेलेगी।

मोहसिन नकवी ने कहा, जैसा कि आप

सभी जानते हैं, 14 सितंबर से एक संकट चल रहा है। हमें मैच रेफरी (एंडी पाइक्रॉफ्ट) की भूमिका पर आपत्ति थी। कुछ देर पहले ही मैच रेफरी ने टीम के कोच, कप्तान और मैनेजर से बात की थी। उन्होंने कहा कि यह घटना (हाथ न मिलाने की घटना) नहीं होनी चाहिए थी। हमने पहले भी आईसीसी से मैच के दौरान हुए आचार संहिता उल्लंघन की जांच कराने का अनुरोध किया था। हमारा मानना है कि राजनीति और खेल साथ-साथ नहीं चल सकते। यह खेल है, और इसे खेल ही रहने देना चाहिए। क्रिकेट को इन सबसे अलग होना चाहिए।

रमीज राजा ने कहा, यह एक गंभीर स्थिति बन गई थी जहां भावनाएं बहुत ज्यादा भड़क रही थीं। मुझे खुशी है कि हमने कोई भावनात्मक फैसला नहीं लिया जिससे क्रिकेट को नुकसान पहुंच सकता था। यह बहुत जरूरी था। अब इस क्रिकेट टीम को जो भी कहना चाहिए, उन्हें इस कहानी को आगे बढ़ाना चाहिए। आपने जो भी भावनाएं महसूस की हैं, उन्हें मैदान पर दिखाएं, दिखाएं कि हम कितने महान क्रिकेट राष्ट्र हैं। मेरी सबसे बड़ी आपत्ति मैच के बाद के प्रेजेंटेशन (भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव द्वारा) में कही गई बातों पर थी। वह संपादकीय ही सबसे महत्वपूर्ण बिंदु था।

अगर (मैच रेफरी की ओर से) माफी माँगी गई है और आई है, तो यह अच्छा है क्योंकि क्रिकेट को क्रिकेट ही रहना चाहिए, वरना इसका कोई अंत नहीं है। जैसा कि मोहसिन साहब ने कहा, जांच होगी ताकि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। दिलचस्प बात यह है कि एंडी पाइक्रॉफ्ट भारत के पसंदीदा मैच रेफरी हैं। जब भी मैं कोई मैच करता हूं (कमेंटेटर के रूप में और टॉस के समय), मुझे लगता है कि पाइक्रॉफ्ट (भारत के मैचों में) एक स्थायी सदस्य हैं। वह 90 बार भारत के मैचों में मैच रेफरी रह चुके हैं। मुझे यह एकतरफा लगता है।

नीदरलैंड के अनीश गिरि नें जीता फीडे ग्रांड स्विस कैंडिडेट में बनाई जगह

समरकंद, उज्बेकिस्तान । फीडे ग्रांड स्विस 2025 में पुरुष वर्ग का खिताब नीदरलैंड के अनीश गिरि नें अपने नाम कर लिया है साथ ही उन्होने फीडे कैंडिडेट में अपना स्थान पक्का कर लिया है । अनीश नें रोमांचक मुकाबले में यूएसए के नीमन हंस मोके को पराजित करते हुए 8 अंक बनाकर खिताब अपने नाम कर लिया वहीं 7.5 अंको पर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर जर्मनी के माथियस ब्लूबम नें दूसरा स्थान हासिल किया और फीडे कैंडिडेट में जगह बना ली वहीं 7.5 अंक बनाने वाले फ्रांस के अलीरेजा तीसरे स्थान पर रहे पर कैंडिडेट में जगह बनाने से चूक गए । भारतीय खिलाड़ियों में तीसरे बोर्ड पर भारत के अर्जुन एरीगैसी और जर्मनी के विंसनेट केमर के बीच, पांचवें बोर्ड पर निहाल सरीन और फ्रांस के मकसीम लागरेव के बीच और सातवें बोर्ड पर विदित गुजराती और यूएसए के अभिमन्यु मिश्रा के बीच बाजी बेनतीजा रही और भारतीय खिलाड़ियों में से कोई भी इस बार कैंडिडेट में ग्रांड स्विस के जरिये जगह नहीं बना पाया । अंक तालिका में 7 अंक बनाकर अर्जुन छठे निहाल नौवे और विदित 15वें स्थान पर रहे । प्रज्ञानन्दा अपना आखिरी मैच ड्रॉ खेलकर 35वें स्थान पर रहे । वहीं बेहद खराब लय से जूझने के बाद विश्व चैम्पियन डी गुकेश अपने आखिरी मैच में जीतकर 6 अंक बनाकर 41वें स्थान पर रहे । पुरुष वर्ग में फीडे कैंडिडेट में अब तक यूएसए के फबियानों करूआना , अनीश और ब्लूबम पहुँच गए है जबकि तीन स्थान अगले माह भारत में होने जा रहे विश्व कप से , एक स्थान फीडे की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग से और एक फीडे सर्किट 2025 के विजेता से भरा जाएगा ।

गांगुली दूसरी बार बनेंगे कैब अध्यक्ष

कोलकाता । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का एक बार फिर बंगाल क्रिकेट बोर्ड (कैब) का अध्यक्ष बनना तय है। गांगुली कैब अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल करने वाले एकमात्र उम्मीदवार है। ऐसे में उनका निर्विरोध चुना जाना तय है। वह दूसरी बार ये पद संभालेंगे। इससे पहले वह 2015 से 2019 तक इस पद पर रहे हैं। कैब के चुनाव 22 सितंबर को होने वाले हैं। इसमें गांगुली के साथ-साथ उनके पैनल के दूसरे सदस्यों का भी निर्विरोध चुना जाना तय है। उनके पैनल में उपाध्यक्ष के लिए नितीश रंजन दत्ता, सेक्रेटरी के लिए बबलू कोले, जॉइंट सेक्रेटरी के लिए मदन घोष और कोषाध्यक्ष के लिए संजय दास का नाम शामिल है। गांगुली अपने बड़े भाई स्नेहाशीष गांगुली की कैब अध्यक्ष पद संभालेंगे। जो 2019 से इस पद पर थे। गांगुली 2019 से 2022 तक बीसीसीआई के अध्यक्ष भी रहे हैं। बीसीसीआई के आगामी चुनावों के लिए भी अध्यक्ष के तौर पर भी उनका नाम आ रहा है। इसका कारण है कि बंगाल बोर्ड ने उन्हें अपना प्रतिनिधि बनाया है।

फीफा विश्व रैंकिंग: स्पेन 2014 के बाद पहली बार शीर्ष स्थान पर

नयी दिल्ली (एजेंसी)। जून और जुलाई में पहले फीफा क्लब विश्व कप की शानदार सफलता के बाद एक अंतराल के बाद, पुरुषों की अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता इस महीने की शुरुआत में अफ्रीका, यूरोप और अमेरिका में फीफा विश्व कप 26 क्वालीफायर की एक श्रृंखला के रूप में वैश्विक मंच पर धमाकेदार वापसी कर रही है।

फीफा/कोका-कोला पुरुष विश्व रैंकिंग के अंतिम बार अपडेट होने के बाद से, दुनिया भर में 200 से ज्यादा प्रासंगिक राष्ट्रीय टीमों के मैच खेले जा चुके हैं, जिनका रैंकिंग पर बड़ा प्रभाव पड़ा है। सबसे बड़ा बदलाव शीर्ष पर हुआ है, जहां यूईएफए यूरो 2024 विजेता स्पेन एक स्थान ऊपर चढ़कर पहले स्थान पर पहुंच गया है, यह एक ऐसा स्थान है जो उन्होंने जून 2014 के बाद से पुरुष वर्ग में हासिल नहीं किया था।

इस प्रक्रिया में उन्होंने लंबे समय से शीर्ष पर चल रहे अर्जेंटीना (तीसरे, 2 स्थान नीचे) को हटा दिया है, जो अप्रैल 2023 से इस स्थान पर था। मौजूदा विश्व चैंपियन को पछाड़ने में ऊंचे स्थान पर चल रहे स्पेन के साथ, वह टीम भी शामिल है जिसे अर्जेंटीना ने फीफा विश्व कप 2022 के फाइनल में हराया था, फ्रांस (दूसरे, 1 स्थान ऊपर)। थोड़ा और नीचे, पुर्तगाल, क्रोएशिया और इटली सभी एक स्थान ऊपर चढ़कर क्रमशः 5वें, 9वें और 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जिससे ब्राजील (छठे, 1 स्थान नीचे) और जर्मनी (12वें, 3 स्थान नीचे) को हुए नुकसान का पूरा फायदा उठाया जा रहा है।

जर्मनी के लिए, फीफा विश्व कप 26 के अपने पहले क्वालीफायर में स्लोवाकिया से मिली हार से नुकसान हुआ है और अक्टूबर 2024 के बाद पहली बार वे शीर्ष 10 से बाहर हैं। मोरक्को (11वें स्थान पर, 1 अंक ऊपर) अब शीर्ष 10 से बाहर पीछा करने वाली टीमों में सबसे आगे है, जिसने जुलाई में रैंकिंग के पिछले संस्करण के बाद से अपने नौ में से आठ मैचों में जीत हासिल की है। कुल मिलाकर सबसे ज्यादा चढ़कर स्लोवाकिया (42वें स्थान पर, 10 स्थान ऊपर) रहा है, जिसने अपने विश्व कप क्वालीफाइंग अभियान की शुरुआत लगातार दो जीतों से की थी - जिसमें जर्मनी को हराने वाली जीत भी शामिल है - और उसे शीर्ष 50 में वापस स्थान मिला है।

सभी टीमें कम से कम पांच स्थान ऊपर पहुंची हैं, गाम्बिया (115वें स्थान पर, 8 स्थान ऊपर), मेडागास्कर (108वें स्थान पर, 7 स्थान ऊपर), पैराग्वे (37वें स्थान पर, 6 स्थान ऊपर), युगांडा (82वें स्थान पर, 6 स्थान ऊपर), लीबिया (112वें स्थान पर, 5 स्थान ऊपर), सूरीनाम (131वें स्थान पर, 5 स्थान ऊपर) और फरो आइलैंड्स (136वें स्थान पर, 5 स्थान ऊपर) अन्य प्रमुख टीमें हैं।

फ़ीफ़ा विश्व कप 26 के सह-मेजबान कनाडा (26वें स्थान पर, 2 स्थान ऊपर) और यूईएफए के उभरते हुए कोसोवो (91वें स्थान पर, 4 स्थान ऊपर) ने भी दो और उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। रैंकिंग के पिछले संस्करणों में सर्वकालिक उच्चतम स्तर हासिल करने के बाद, दोनों टीमें लगातार नई उपलब्धियां हासिल कर रही हैं।

एशिया कप के ड्रामे के बीच एसीसी ने अधूरी वार्षिक आम बैठक फिर से बुलाई

दुबई : पिछले कुछ दिनों में दुबई और लाहौर में मैदान के अंदर और बाहर खेला गया एशिया कप का नाटकीय घटनाक्रम अब इस महीने के अंत में एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की बैठक के दौरान बोर्डरूम में स्थानांतरित हो सकता है। एसीसी की वार्षिक आम बैठक, जिसे कुछ महीने पहले ढाका में अचानक स्थगित कर दिया गया था, अब 30 सितंबर को दुबई में पुनर्निर्धारित की गई है। एशिया कप फाइनल के दो दिन बाद होने वाली इस बैठक में, जिसकी अध्यक्षता पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख मोहसिन नकवी करेंगे, जोरदार हंगामा होने की उम्मीद है - मौजूदा चैंपियनशिप से जुड़े मुद्दों और ढाका में 24 जुलाई को होने वाली बैठक में अधूरे रह गए कार्यों को लेकर। एजीएम का एजेंडा अभी जारी नहीं किया गया है, लेकिन एशिया कप ने पहले ही कई मुद्दे सामने ला दिए हैं - हाथ मिलाने का विवाद, मैच रेफरी विवाद और पाकिस्तान के हटने की धमकी - जिन पर विचार-विमर्श किया जाना है। एक और विवाद भी छिड़ सकता है, जो इस बात पर निर्भर करेगा कि एशिया कप कौन जीतता है, ट्रॉफी कौन प्रदान करता है, और समारोह का आयोजन कैसे होता है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड से कौन भाग लेगा, यह भी एक कारक हो सकता है। महिला वनडे विश्व कप उसी दिन गुवाहाटी में शुरू हो रहा है, और बीसीसीआई सदस्यों के उद्घाटन समारोह में व्यस्त रहने की उम्मीद है। बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि एसीसी बैठक में बोर्ड का प्रतिनिधित्व करने के लिए किसे नामित किया जाता है। यह निर्णय दो दिन पहले, 28 सितंबर को मुंबई में बीसीसीआई की अपनी वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में लिया जाएगा। वर्तमान में, राजीव शुक्ला और आशीष शेलार एसीसी में बीसीसीआई के नामित प्रतिनिधि हैं। दोनों ने ढाका बैठक में वर्चुअल माध्यम से भाग लिया था। 30 सितंबर के एजेंडे में सबसे महत्वपूर्ण विषय एसीसी उपाध्यक्ष का चुनाव होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आयुर्वेद से भगाएं ऑस्टियोआर्थराइटिस

इस हालत में किसी भी गतिविधि के बाद या आराम की लंबी अवधि के बाद जोड़ों का लचीलापन कम हो जाता है और वो सख्त हो जाते हैं और दर्ददायक बनते हैं।

ऑस्टियोआर्थराइटिस के लिए एलोपैथिक उपचार के अलावा, कुछ आयुर्वेदिक इलाज भी उपलब्ध हैं। आयुर्वेद कहता है कि शरीर में तीन जीव-ऊर्जा या दोष होते हैं, जो हमारे शरीर के विभिन्न कार्यों को नियंत्रित करते हैं। वात, कफ और पित्त यह उनके नाम हैं। जब एक व्यक्ति किसी भी प्रकार की बीमारी से ग्रस्त होता है, तब यह इन दोषों में असंतुलन की वजह से होता है।

ऑस्टियोआर्थराइटिस वात दोष में एक असंतुलन के कारण होता है और इसलिए ऑस्टियोआर्थराइटिस के लिए आयुर्वेदिक इलाज में इस दोष को संतुलित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, जिससे व्यक्ति को दर्द से राहत मिलने में आसानी होती है।

आयुर्वेद में ऑस्टियोआर्थराइटिस को संधिवात के रूप में जाना जाता है, जो जोड़ों का विकार है। इसका मतलब है कि हमारे शरीर के निचले हिस्से की हड्डियों को सपोर्ट देने वाले सुरक्षात्मक कार्टिलेज और कोमल ऊतकों का किसी कारणवश टूटना शुरू होना है।

ये हैं जड़ीबूटी

- **गुग्गुल** : ऊतकों को मजबूत बनाता है।
- **त्रिफला** : विषैले तत्वों को शरीर से साफ करना।
- **अश्वगंधा** : शरीर और मन को आराम और तंत्रिका तंत्र को उत्तेजना देना।
- **कॅस्टर (एरंडी)** : इस तेल को दर्द होने वाले क्षेत्र में लगाने के साथ ही इसका सेवन भी लिया जा सकता है, क्योंकि यह एक प्रभावी औषधि है।
- **बाला** : शरीर में रक्त परिसंचरण को बढ़ाने के लिए, दर्द को कम करने के लिए, नसों को ठीक करता है एवं शरीर में ऊतकों का विकास होता है।
- **शालाकी** : अपने सूजन विरोधी गुणों के लिए और शरीर की हड्डियों के करीब के ऊतकों की मरम्मत करने में सक्षम होने के गुण के लिए उपयोगी है।

रोजाना खाएं अदरक मिलेंगे अनगिनत फायदे

अदरक में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेटस, आयरन, कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने का काम करते हैं। अदरक खाने से कई फायदे होते हैं।

अदरक एक भारतीय मसाला है जो हर घर में रोजाना इस्तेमाल होता है। अदरक में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेटस, आयरन, कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने का काम करते हैं। अदरक खाने से कई फायदे होते हैं। आज हम उन्हीं फायदों के बारे में बताएंगे। चलिए जानते है एक टुकड़ा अदरक रोजाना खाने से शरीर को किस प्रकार फायदा मिलता है।

जी मिचलाना

जी मिचलना और उल्टी की समस्या को रोकने के लिए अदरक औषधि की तरह का काम करता है। 1 **चम्मच अदरक के जूस में 1 चम्मच नींबू का रस** मिलाएं। इसको हर दो घंटे बाद पीएं। जल्द ही राहत मिलेगी।

गठिया दर्द में राहत

अदरक में एंटी-इन्फ्लॉमेट्री प्रॉपर्टीज होती है जो जोड़ों के दर्द को खत्म करने में सहायक है। अदरक को खाने से या इसका लेप लगाने से भी दर्द खत्म होता है। इसका लेप बनाने के लिए अदरक को अच्छे से पीस लें। उसमें हल्दी मिला लें। इस पेस्ट को दिन में दो बार लगाएं। कुछ ही दिनों में फर्क दिखाई देने लगेगा।

मासिक धर्म में फायदेमंद

कुछ महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान बहुत दर्द होती है। ऐसे में अदरक की चाय काफी फायदा पहुंचाती है। इसलिए दिन में 2 बार अदरक की चाय पीएं। इससे दर्द कम होगा।

सर्दी- जुकाम और फ्लू

सर्दी-जुकाम और फ्लू जैसी समस्या से बचने के लिए नियमित रूप से अदरक का सेवन करें। यह शरीर को गर्म रखता है जिससे पसीना अधिक आता है और शरीर गर्म बना रहता है।

माइग्रेन का इलाज

जिन लोगों को माइग्रेन की समस्या है उनके लिए अदरक रामबाण है। जब भी माइग्रेन का अटैक आए, तब अदरक की चाय बना कर पीएं। इसको पीने से माइग्रेन में होने वाले दर्द और उल्टी से काफी हद तक राहत मिलेगी।

दिल को रखता है स्वस्थ

अदरक कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने, ब्लड प्रेशर को ठीक रखने, खून को जमने से रोकने का काम करता है। इससे दिल संबंधित बीमारियां भी नहीं होती है। इसलिए अपनी डाइट में अदरक को शामिल करें।

पाचन तंत्र मजबूत

अदरक पेट फूलने, कब्ज, गैस, एसीडिटी जैसी समस्याओं को ठीक रखने में भी सहायक है। जिन लोगों को पेट से संबंधित समस्याएं रहती है वह रोजान सुबह खाली पेट अदरक का सेवन करें।

मोर्निंग सिकनेस

मोर्निंग सिकनेस की समस्या अधिकतर गर्भवती महिलाओं को होती है। रोजाना सुबह अदरक के 1 टुकड़े को चबा कर खाएं। कुछ दिनों तक अदरक खाने से मोर्निंग सिकनेस की समस्या दूर हो जाएगी।

ऊर्जा करें प्रदान

अदरक खाने से शरीर गर्म तो रहता ही है साथ ही उसे एनर्जी भी मिलती है। रोजाना सुबह अदरक वाली चाय पीने से शरीर में चुस्ती- फुर्ती बनी रहेगी।

अनुलोम विलोम से स्वच्छ व निरोग रहती हैं नाड़ियां

अनुलोम का अर्थ होता है सीधा और विलोम का अर्थ है उल्टा। यहां पर सीधा का अर्थ है नासिका या नाक का दाहिना छिद्र और उल्टा का अर्थ है- नाक का बायां छिद्र। अर्थात अनुलोम-विलोम प्राणायाम में नाक के दाएं छिद्र से सांस खींचते हैं, तो बायीं नाक के छिद्र से सांस बाहर निकालते है।

यदि नाक के बाएं छिद्र से सांस खींचते हैं, तो नाक के दाहिने छिद्र से सांस को बाहर निकालते हैं। अनुलोम-विलोम प्राणायाम को कुछ योगीगण 'नाड़ी शोधक प्राणायाम' भी कहते हैं। उनके अनुसार इसके नियमित अभ्यास से शरीर की समस्त नाड़ियों का शोधन होता है यानी वे स्वच्छ व निरोग बनी रहती हैं। इस प्राणायाम के अभ्यासी को वृद्धावस्था में भी गठिया, जोड़ों का दर्द व सूजन आदि शिकायतें नहीं होतीं।

प्राणायाम की विधि

- अपनी सुविधानुसार पद्मासन, सिद्धासन, स्वस्तिकासन अथवा सुखासन में बैठ जाएं। दाहिने हाथ के अंगूठे से नासिका के दाएं छिद्र को बंद कर लें और नासिका के बाएं छिद्र से 4 तक की गिनती में सांस को भरें और फिर बायीं नासिका को अंगूठे के बगल वाली दो अंगुलियों से बंद कर दें। तत्पश्चात दाहिनी नासिका से अंगूठे को हटा दें और दायीं नासिका से सांस को बाहर निकालें।
- अब दायीं नासिका से ही सांस को 4 की गिनती तक भरे और दायीं नाक को बंद करके बायीं नासिका खोलकर सांस को 8 की गिनती में बाहर निकालें।
- इस प्राणायाम को 5 से 15 मिनट तक कर सकते हैं।

सावधानियां

- कमजोर और एनीमिया से पीड़ित रोगी इस प्राणायाम के दौरान सांस भरने और सांस निकालने (रेचक) की गिनती को क्रमश: चार-चार ही रखें। अर्थात चार गिनती में सांस का भरना तो चार गिनती में ही सांस को बाहर निकालना है।
- स्वस्थ रोगी धीरे-धीरे यथाशक्ति पूरक-रेचक की संख्या बढ़ा सकते हैं।
- कुछ लोग समयाभाव के कारण सांस भरने और सांस निकालने का अनुपात 1-2 नहीं रखते। वे बहुत तेजी से और जल्दी-जल्दी सांस भरते और निकालते हैं। इससे वातावरण में व्याप्त धूल, धुआं, जीवाणु और वायरस, सांस नली में पहुंचकर अनेक प्रकार के संक्रमण को पैदा कर सकते हैं।
- अनुलोम-विलोम प्राणायाम करते समय यदि नासिका के सामने आटे जैसी महीन वस्तु रख दी जाए, तो पूरक व रेचक करते समय वह न अंदर जाए और न अपने स्थान से उड़े। अर्थात सांस की गति इतनी सहज होना चाहिए कि इस प्राणायाम को करते समय स्वयं को भी आवाज न सुनाई पड़े।

लाभ

- फेफड़े शक्तिशाली होते हैं।
- सर्दी, जुकाम व दमा की शिकायतों से काफी हद तक बचाव होता है।
- हृदय बलवान होता है। इससे हार्ट अटैक नहीं होता।

एम्ब्लायोपिया स्थाई रूप से धुंधली हो सकती है दृष्टि

जिन बच्चों की आंखों की अश्रु नलिकाएं बचपन से ही अवरुद्ध होती हैं। उनकी दृष्टि धुंधली हो सकती है। यदि जन्म के बाद शुरुआती छह से 10 साल के अंदर इसका इलाज न कराया जाए तो दृष्टि स्थाई रूप से धुंधली हो सकती है। इस बीमारी को एम्ब्लायोपिया या लेजी आई कहते हैं।

तीन साल से कम उम्र के ऐसे बच्चे जिनमें अश्रु नलिकाएं (नैसोलेक्रिमल डक्ट ऑब्सट्रक्शन-एनएलडीओ) अवरुद्ध होती हैं। उनमें एम्ब्लायोपिया बीमारी होने का खतरा बढ़ जाता है। इनमें से छह प्रतिशत मरीज ऐसे होते हैं, जिनमें जन्म से ही यह परेशानी होती है।

रखें सावधानी

पेंसिलवेनिया के लैनकास्टर के फैमेली आई ग्रुप के अध्ययनकर्ता नोएल एस. मैटा व डेविड आई. सिलबर्ट का कहना है कि अध्ययन में शामिल 375 बच्चों में से 22 प्रतिशत बच्चों में एम्ब्लायोपिया के खतरे के कारक थे। सामान्य आबादी में इस बीमारी की आठ गुना की दर से वृद्धि हो रही है।

जन्मजात बीमारी

मैटा का कहना है, हमने एनएलडीओ की जन्मजात परेशानी वाले सभी बच्चों की जांच की बात कही। हमने सावधानीपूर्वक उनमें एम्ब्लायोपिया के खतरे के कारकों की मौजूदगी का अध्ययन किया।

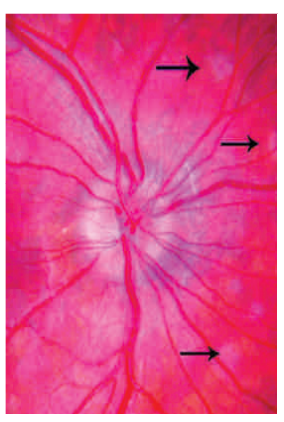

रात के समय कार्बोहाइड्रेड चीजें खाने से बचें

स्वास्थ्य सही है तो शरीर सही है। शरीर सही है तो मन सही है। इसलिए अपने स्वास्थ्य पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। हम आपको बताते हैं, हेल्थ के क्या लेना चाहिए और क्या नहीं।

शाम के पांच बजे के बाद कार्बोहाइड्रेट लेना चाहिए या नहीं? यदि वजन पर नियंत्रण रखना चाहते हैं तो पांच नहीं सात बजे के बाद ऐसी चीजें खाने से बचें, जिनमें कार्बोहाइड्रेड होता है। रात के समय हमेशा ऐसी चीजें ही खाएं, जो आसानी से पच जाएं।

- केला और सेब लौह तत्वों से भरपूर हैं। इसलिए वह कटने के बाद भूरे हो जाते हैं। यह गलतफहमी है। भूरा होने की वजह आयरन नहीं एंजाइम हैं। रंग गहराने के पीछे फलों में मौजूद फिनॉलिक कंपाउंड का ऑक्सीडेशन हैं, ये कंपाउंड हवा में तैरती ऑक्सीजन के संपर्क में आने से रंग बदलते हैं।

लो फैट का दूध लें

- दूध और उससे बने उत्पाद बचपन बीत जाने के बाद उपयोगी नहीं। दूध और दूध से बने उत्पादों में केवल प्रोटीन ही नहीं आवश्यक एमिनो एसिड, फैटी एसिड तथा कैल्शियम के साथ विटामिन ए, डी तथा मैग्नीशियम, फास्फोरस व पोटेशियम भी होता है। दूध अवश्य लें भले ही वह लो फैट हो।
- खाने में डाले गए नमक से ज्यादा नुकसानदेह है, ऊपर से नमक डालना? नमक तैयार खाने में पहले से डाला गया हो या ऊपर से मिलाया गया, उसमें मौजूद सोडियम एक समान होता है।
- आयरन का बेहतर स्रोत होने के कारण पालक ही रक्त की कमी से बचाता है। बहुत सी पत्तेदार सब्जियों में भरपूर आयरन होता है जैसे, ब्रॉक्ली में 40 मि.ग्रा., चौलाई-20 मि.ग्रा., सरसों में 16-3 मि.ग्रा., गाजर की पत्तियों में 18 मि.ग्रा. आयरन होता है, जबकि पालक में 1.1 मि.ग्रा. होता है।
- सूजी अनाज नहीं है? सूजी मैदा का दानेदार रूप है। इसमें पोषक तत्वों की मात्रा पॉलिश चावल और मैदे के समान होती है।

एक अंडा ही रोज खाएं

- शुगर फ्री उत्पाद हेल्दी होते हैं। आमतौर पर लोग अकसर शुगर फ्री उत्पादों को लो कैलोरी मान डायबिटीज और वजन नियंत्रण के लिए उपयोगी समझते हैं, परंतु ये शुगर फ्री उत्पाद अनेक अनदेखे शुगर स्रोतों से युक्त होते हैं। इनका अधिक सेवन स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डालता है।
- अंडों में कोलेस्ट्रॉल अधिक होता है, इसलिए इसे नहीं खाना चाहिए। एक अंडे में 215 मि.ग्रा. कोलेस्ट्रॉल होता है, अकेले एक अंडे की जर्दी में 300 मि.ग्रा. कोलेस्ट्रॉल होता है, लेकिन अंडे में अन्य पौष्टिक तत्वों की बहुलता है। हाल ही में हुई रिसर्च से पता चला कि जो लोग एक अंडा प्रतिदिन खाते हैं, उन्हें अंडा न खाने वालों की तुलना में हृदय रोग का खतरा कम होता है।
- उपवास रखने से शरीर के टॉक्सिन बाहर निकलते हैं। उपवास संतुलित भोजन और अधिक कैलोरीज पर नियंत्रण रखता है, लेकिन इस दौरान रिच डाइट, फल, जूस, अधिक मेवे आदि लेने से इसका उलटा भी हो सकता है।

चीनी ज्यादा न खाएं

- चीनी खाने से डायबिटीज होती है। यह सोच कर चीनी न खाने पर डायबिटीज नहीं होगी, गलत है। स्टार्च, फैट, प्रोटीन और चीनी जैसे अधिक कैलोरी वाले खाद्य शरीर में इंसुलिन की मात्रा बढ़ाकर डायबिटीज को जन्म देते हैं। जब शरीर कार्बोहाइड्रेट को पचाने में अक्षम हो, तभी डायबिटीज होती है।
- शहद जैसे प्राकृतिक पदार्थ शुगर का विकल्प हैं। बहुत से लोग सोचते हैं कि ये शुगर फ्री तथा कम कैलोरी वाले प्राकृतिक स्रोत हैं तथा इन्हें रिफाइन भी नहीं किया जाता, इसलिए ये नुकसानदेह नहीं। लेकिन 1 चम्मच शहद में 65 कैलोरी तथा एक चम्मच शुगर में 46 कैलोरी होती है। ग्लाइस्मिक इंडेक्स भी शहद में 87 तथा शुगर में 59 होता है।
- बिना नमक का खाना तेजी से वजन कम करता है। याद रखें कि पहले तो सोडियम के न रहने पर पानी कम होता है न कि फैट। नर्वस सिस्टम सही ढंग से काम करे, इसके लिए भी सोडियम जरूरी होता है। इसका लेवल डिप्रेशन, स्वभाव परिवर्तन और कमजोरी का कारण होता है।
- शुगर मूड को प्रभावित करती है। इंसानी दिमाग ऊर्जा के लिए पूरे तौर पर ब्लड शुगर (ग्लूकोज) पर निर्भर रहता है। इसकी कमी से हाइपोग्लीमिया का दौरा तथा कमजोरी, डिप्रेशन, दिमागी गड़बड़ियां हो सकती हैं।

केला-दूध फायदेमंद

- रात में मेटाबॉलिज्म सिस्टम धीमा होता है। इसलिए भारी नाश्ता करना चाहिए। सुबह का नाश्ता दिन भर की ऊर्जा के लिए बेहद जरूरी है, लेकिन इसके लिए भारी की जरूरत नहीं। आप केले या दूध से भी काम चला सकती हैं।
- मछली खाने के बाद दूध नहीं पीना चाहिए। ऐसा हमेशा नहीं होता। लेकिन कुछ स्थितियों में इसे मान लेना बेहतर होता है।
- बिना शुगर के फलों के जूस प्राकृतिक व शुगर फ्री होते हैं। ये लो कैलोरी जरूर होते हैं, लेकिन इसमें फ्रूकटोस होने के कारण शुगर फ्री नहीं होते।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात में मकान तोड़ने गए बुलडोजर को लोगों ने गुस्से में पलट दिया

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के गांधीनगर में भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सरकारी जमीन पर बने 700 से अधिक मकान और अन्य ढांचों को तोड़ा गया है। इसी बीच पेटापुर में बुलडोजर ऐक्शन के विरोध में बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हो गए। भारी सुरक्षा के बावजूद लोग जोरदार विरोध प्रदर्शन करने लगे। माहौल तनावपूर्ण हो गया। इस बीच अफरा-तफरी में एक बुलडोजर भी पलट गया। गनीमत है कि इसकी जद में कोई नहीं आया। पुलिसकर्मियों ने किसी तरह लोगों को काबू किया। गुजरात के गांधीनगर में एक बार फिर बड़ा बुलडोजर ऐक्शन लिया गया है। गांधीनगर जिला प्रशासन के मुताबिक साबरमती नदी के किनारे जीईबी, पेथापुर, चारेदी इलाकों में सरकारी जमीनों पर अतिमक्रमण किया गया था। कई बार इन्हें जगह खाली करने की चेतावनी दी गई थी। गुरुवार सुबह भारी सुरक्षा इंतजाम के बीच तोड़फोड़ दस्तों ने बुलडोजर अभियान की शुरुआत की। एक साथ दर्जनों बुलडोजर मकानों को तोड़ते नजर आए।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश... सीबीआई वकील के शैक्षिक प्रमाणपत्रों की प्रामाणिकता की जांच करेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के मगध यूनिवर्सिटी द्वारा एक वकील के शैक्षिक प्रमाणपत्रों के जाली होने का दावा करने के बाद, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को उसकी डिग्री की प्रामाणिकता की जांच करने का आदेश दिया है। यह निर्णय तब लिया गया, जब बिहार की मगध यूनिवर्सिटी ने वकील के शैक्षिक प्रमाणपत्रों को जाली घोषित किया। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस उज्ज्वल भुईयां की पीठ बार काउंसिल ऑफ इंडिया की एक अनुशासनात्मक समिति के फैसले के खिलाफ दायर एक अपील पर सुनवाई कर रही थी। मगध यूनिवर्सिटी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि वकील की मार्कशीट और बीकॉम की डिग्री जाली है और मगध यूनिवर्सिटी ने जारी नहीं किया था। वहीं वकील ने मगध यूनिवर्सिटी से 1991 में बीकॉम की डिग्री प्राप्त करने का दावा कर उसकी फोटोकॉपी प्रस्तुत की। वकील ने कहा कि यूनिवर्सिटी के रिकॉर्ड नष्ट हो गए हैं, जिससे डिग्री की प्रामाणिकता की पुष्टि करना संभव नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखकर सीबीआई को जांच करने का निर्देश दिया। सीबीआई को पता लगाना है कि वकील द्वारा प्रस्तुत की गई बीकॉम की डिग्री असली है या नकली। सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को अधिकारी नियुक्त करने और 3 नवंबर तक अपनी रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया है।

खराब मौसम के कारण राहुल गांधी का गुजरात दौरा टला, अब शुक्रवार को जूनागढ़ आएंगे

अहमदाबाद (एजेंसी)। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का आज का जूनागढ़ दौरा दिल्ली में खराब मौसम के कारण स्थगित कर दिया गया है। दिल्ली हवाई अड्डे से उनका विमान उड़ान नहीं भर सका, जिसके चलते यह यात्रा कल तक के लिए टाल दी गई है। गुजरात प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमित चावड़ा ने मीडिया से बातचीत में बताया कि राहुल गांधी कल सुबह करीब 11 बजे जूनागढ़ पहुंचेंगे और प्रशिक्षण वर्ग की पूर्णाहुति बैठक में शामिल होंगे। इस बैठक में वे जिला अध्यक्षों को आगामी आम चुनाव और पार्टी संगठन को मजबूत करने के मुद्दों पर मार्गदर्शन देंगे। अमित चावड़ा ने मीडिया से बातचीत में भाजपा और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने वोट चोरी के मुद्दे पर विशेष अभियान शुरू किया है। आज सुबह दिल्ली में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने भाजपा और चुनाव आयोग की कथित वोट चोरी में संलिप्तता का खुलासा किया। यह अभियान अब गुजरात में भी शुरू हो चुका है। इसका उद्देश्य राज्य के प्रत्येक मतदाता को वोट चोरी के मुद्दे पर जागरूक करना और भाजपा द्वारा की गई कथित वोट चोरी की हकीकत लोगों तक पहुंचाना है। अमित चावड़ा ने दावा किया कि नवसारी लोकसभा क्षेत्र की चोर्यासी विधानसभा सीट में भाजपा नेता सी.आर. पाटिल ने 20,000 से 25,000 फर्जी मतदाताओं को खड़ा कर चुनाव लड़ा था। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में हुई वोट चोरी का असर पूरे नवसारी लोकसभा क्षेत्र में कितना हुआ होगा, इसकी कांग्रेस जांच कर रही है। आने वाले दिनों में अन्य विधानसभा और लोकसभा क्षेत्रों में भी वोट चोरी के सबूत इकट्ठे किए जा रहे हैं, जिसमें कांग्रेस को उल्लेखनीय सफलता मिल रही है।

नशामुक्त भारत के लिए गुजरात के 10 शहरों में देश के स्थानों पर नमो युवा रन का आयोजन

अहमदाबाद(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस को लेकर भाजपा द्वारा सेवा पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है। नशामुक्त भारत के लिए इस नमो युवा रन का आयोजन किया जा रहा है। गुजरात के 10 समेत देश के 100 बड़े शहरों में नमो युवा रन का आयोजन किया गया है7 21 सितंबर को अहमदाबाद के वस्त्रापुर में सुबह 6 बजे नमो युवा रन का आयोजन किया गया है। 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस को लेकर सेवा पखवाड़े की शुरुआत की गई है। इस सेवा पखवाड़े में रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, एक पेड़ मां के नाम अभियान, स्वास्थ्य शिविर सहित कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कल नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दुनिया के सबसे बड़े रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था। राज्य स्तरीय मंत्री जगदीश विश्वकर्मा ने बताया कि 21 सितंबर को देशभर में 100 से अधिक स्थानों पर नमो युवा रन का आयोजन किया जा रहा है। युवाओं को नशामुक्त बनाने और नशामुक्त भारत के संकल्प को साकार करने के लिए इस रन का आयोजन किया गया है। गुजरात में भी अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा, राजकोट, भावनगर समेत 10 बड़े नगरों में 21 सितंबर को नमो युवा रन का आयोजन होगा। अहमदाबाद में यह मैराथन सुबह 6 बजे वस्त्रापुर तालाब से शुरू होगी, जिसे मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इस मैराथन में 10,000 से अधिक युवा शामिल होंगे।

महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य की देखभाल बेहद जरूरी: नड्डा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि ÷स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान÷ का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य की सुरक्षा, जागरूकता और बेहतर देखभाल सुनिश्चित करना है। अभियान की अवधि 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक रखी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिवस के अवसर पर बुधवार को ÷स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान÷का शुभारंभ हुआ। रोहतक स्थित महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय परिसर में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे पी नड्डा ने प्रदर्शनी का रिबन काटकर शुभारंभ किया।

नारी का स्वास्थ्य - परिवार की शक्ति रही आकर्षण का केंद्र बिंदू प्रदर्शनी में ÷स्वस्थ माँ, सुरक्षित शिशु - मजबूत समाज की नींव÷ जैसे प्रेरक संदेशों के साथ स्वास्थ्य सेवाओं और योजनाओं की झलक दिखाई गई। अवलोकन के बीच मुख्य अतिथि जे पी नड्डा और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने टीबी मुक्त भारत अभियान की जानकारी ली। निक्षय पोषण योजना पर आधारित पैनलों के माध्यम से लोगों को यह जानकारी दी गई कि टीबी रोगियों को उपचार के दौरान प्रतिमाह 1000 रुपए पोषण सहायता सीधे बैंक खाते में दी जाती है। इसके लिए टीबी आरोग्य साथी ऐप और उमंग ऐप के जरिए सत्यापन और ट्रैकिंग की सुविधा भी समझाई गई। स्टॉलों पर कैंसर स्क्रीनिंग, एनीमिया नियंत्रण, थैलेसीमिया जांच, उच्च रक्तचाप, मधुमेह और क्षय रोग से संबंधित जानकारी विस्तार से दी गई। साथ ही आप से रोशन है पूरे परिवार की खुशी- टीबी उपचार लें और अपनों का साथ निभाएं जैसे संदेशों ने लोगों को आकर्षित किया। प्रदर्शनी के दौरान पोषण अभियान को लेकर पोस्टर लगाए गए, जिनमें बच्चों, किशोरियों और गर्भवती महिलाओं के लिए संतुलित आहार, स्तनपान के महत्व और एनीमिया नियंत्रण जैसे बिंदुओं को शामिल किया गया। प्रदर्शनी में विभिन्न विभागों और योजनाओं से जुड़े जानकारीपूर्ण पोस्टर, बैनर और स्टॉल लगाए गए, जिनमें महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण और जागरूकता से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई। अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ सामाजिक भागीदारी पर भी जोर दिया गया। 17 सितंबर को विशाल स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं और स्वयंसेवी संस्थाओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। अभियान के तहत 17 से 2 अक्टूबर तक विशेष टीकाकरण शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में 0 से 16 वर्ष तक के बच्चों और गर्भवती महिलाओं को शामिल किया जाएगा। सभी का टीकाकरण सुनिश्चित करने के लिए रूटीन इम्यूनाइजेशन पर भी जोर दिया जाएगा।

सीएम धामी ने राज्य आपदा परिचालन केंद्र में भारी बारिश से प्रभावित क्षेत्रों की समीक्षा की

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आईटी पार्क स्थित राज्य आपदा परिचालन केंद्र में प्रदेशभर में भारी बारिश से प्रभावित क्षेत्रों की समीक्षा की। उन्होंने चमोली जिले के नंदानगर क्षेत्र में बादल फटने से प्रभावित गांवों में बचाव और राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। चमोली के नंदानगर में बादल फटने से दो गांव, धुर्मा और कुंतरी, बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। घटना में 14 लोग लापता हैं और करीब 35 मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं। मुख्यमंत्री ने गंभीर रूप से घायल लोगों को बेहतर इलाज के लिए एम्स ऋषिकेश एयरलिफ्ट करने का निर्देश दिया है।

मुख्यमंत्री धामी ने अधिकारियों को प्रभावित इलाकों में सड़क, पानी, बिजली और नेटवर्क कनेक्टिविटी बहाल करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने प्रभावित लोगों के लिए आश्रय, भोजन, और स्वच्छ पेयजल की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को भी कहा है। इसके अलावा, प्रभावित गांवों में पर्याप्त डॉक्टर और दवाओं की उपलब्धता बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए हैं ताकि आपात स्थिति में तुरंत मदद मिल सके। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक प्रभावित परिवार तक जल्द से जल्द राहत सामग्री पहुंचाने का आदेश दिया है। इसके साथ ही, देहरादून के आपदा प्रभावित गांवों जैसे फुलेत, सरखेत छमरौली, सिल्ला और क्यारा में हेलीकॉप्टर के जरिए 150 किट राशन पहुंचाया गया है। जिलाधिकारी सविन बंसल लगातार इन क्षेत्रों का दौरा कर राहत और बचाव कार्यों की निगरानी कर रहे हैं।

चिराग ने कहा- कांग्रेस तेजस्वी को मुख्यमंत्री घोषित नहीं कर पाई, उन्हे तकलीफ तो होगी

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए तमाम नेताओं ने अभी से पसीना बहाना शुरु कर दिया है। जुबानी जंग, आरोप प्रत्यारोप और चुनावी रणनीति के बीच केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने तेजस्वी यादव की यात्रा पर निशाना साधा है। चिराग ने कहा कि कांग्रेस से इनको (तेजस्वी यादव) को सम्मान नहीं मिला। ये तो राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने चले गए थे। इसके बाद भी वो इन्हें मुख्यमंत्री का उम्मीदवार घोषित कर नहीं गए। ऐसे में स्वाभाविक है कि इस बात की तकलीफ इनके मन में होगी।

केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस के सोशल मीडिया हैंडल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मां को लेकर बनाए गए एआई वीडियो पर पटना हाईकोर्ट के फैसले का भी स्वागत किया। पटना उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा है कांग्रेस ऐसे वीडियो को तुरंत हटाए। चिराग पासवान ने वीडियो को लेकर कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि इस तरह के वीडियो को उचित नहीं ठहराया जा सकता है जिसमें किसी की स्वर्गीय मां शामिल किया जाए। आखिर किस मंशा से वो किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना चाहते हैं। यह युवाओं को नौकरी देने की बात कर रहे हैं। इनसे पूछिए ना कि किनके कार्यकाल में युवा बिहार को छोड़ कर जाने के लिए मजबूर हुए। देश के इतिहास में अगर सबसे ज्यादा पलायन किसी राज्य या किसी कालखंड में हुआ तो वो इन्हीं के कालखंड में हुआ। 90 के दशक में बिहार के युवाओं को बिहार छोड़ कर जाने के लिए मजबूर किया गया। आज अगर ये युवाओं की बात कर रहे हैं तो इन्हें पहले उस वक्त का जवाब देने की जरुरत है। बता दें कि तेजस्वी यादव अभी बिहार अधिकार यात्रा पर हैं। इस यात्रा के तहत तेजस्वी यादव उन विधानसभाओं में जा रहे हैं जो विधानसभा वोटर अधिकार यात्रा में कवर नहीं हो सके थे। 16 सितंबर को जहानाबाद से इस रैली की शुरुआत हुई थी। 20 सितंबर को वैशाली में यात्रा का समापन होगा।

पाक-सऊदी के समझौते पर भारत ने कहा- हम अपने हितों की रक्षा के लिए तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान और सऊदी अरब ने एक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए जिसके तहत दोनों में से किसी एक देश पर आक्रमण को दोनों देशों पर हमला माना जाएगा। अब इस समझौते पर भारत ने साफ शब्दों में कहा है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए तैयार है और इस समझौते से पड़ने वाले प्रभाव को लेकर अध्ययन किया जाएगा।

विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक मीडिया प्रश्न के जवाब में कहा कि भारत सरकार ने इस समझौते से संबंधित खबरों को देखा है और इसे गंभीरता से ले रही है। जायसवाल ने बताया कि सरकार को इस बात की जानकारी थी कि दोनों देशों के बीच इस तरह का समझौता विचाराधीन था, जो अब औपचारिक रूप ले चुका है। उन्होंने कहा, हम इस घटनाक्रम से भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ-साथ क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन करेंगे। प्रवक्ता ने जोर देकर कहा कि भारत सरकार अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा और सभी क्षेत्रों में व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस समझौते के संभावित परिणामों का गहन विश्लेषण किया जाएगा ताकि भारत की सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता पर इसका प्रभाव समझा जा सके। यहां दिलचस्प बात ये है कि भारत को इस समझौते की जानकारी पहले से थी। माना जा रहा है कि या तो खुद सऊदी अरब ने भारत को जानकारी दी या फिर किसी अन्य देश ने बताया है। हालांकि इस संदर्भ में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से एक बयान में कहा गया है कि समझौते पर हस्ताक्षर की घोषणा की गई, जिसमें कहा गया कि दोनों में से किसी एक देश के खिलाफ किसी भी तरह के आक्रमण को दोनों देशों पर हमला माना जाएगा। पाकिस्तान और सऊदी अरब ने बुधवार को एक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए जिसके तहत दोनों में से किसी एक देश पर आक्रमण को दोनों देशों पर हमला माना जाएगा। इस 'रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौते'पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की रियाद की यात्रा के दौरान हस्ताक्षर किए गए। यहां अल-यममाह पैलेस में क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान ने उनका स्वागत किया। हालांकि, सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच इस रक्षा समझौते की विशिष्ट शर्तों और दायरे के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक विवरण सामने नहीं आया है। हस्ताक्षर समारोह के बाद जारी एक संयुक्त

वक्तव्य में कहा गया, लगभग आठ दशकों से चली आ रही साझेदारी को आगे बढ़ाते हुए तथा भाईचारे, इस्लामी एकजुटता और साझा रणनीतिक हितों के बंधनों पर आधारित दोनों पक्षों ने रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। इससे पहले सऊदी राजधानी पहुंचने पर प्रधानमंत्री शरीफ का स्वागत रियाद के उप-गवर्नर मुहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन अब्दुलअजीज ने किया।

9 दिनों में सपा के वरिष्ठ नेता आजम खान को तीसरी बार मिली राहत की खबर

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री, आजम खान, को हाल ही में कई कानूनी मामलों में राहत मिली है। उन्हें रामपुर के चर्चित क्वालिटी बार कब्जा केस में इलाहाबाद हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है। पिछले 9 दिनों में यह तीसरी बार है जब उन्हें किसी अहम मामले में राहत मिली है। इसके पहले 10 सितंबर को डूंगरपुर मामले में हाई कोर्ट ने जमानत मंजूर की। इसके बाद 16 को छजलैट प्रकरण और रास्ता जाम करने के मामले में रामपुर की अदालत ने बरी किया। और फिर 18 को क्वालिटी बार केस में हाई कोर्ट से जमानत मिली। इस जमानत के साथ, उन पर दर्ज करीब सभी मुकदमों में जमानत मिल चुकी है, जिससे उनके जल्द ही जेल से बाहर आने की संभावना बढ़ी है। बात दें कि क्वालिटी बार केस 2008 का है, जिसमें आजम खान पर रामपुर में एक बार की जमीन पर अवैध कब्जे का आरोप था। मामले में 2019 में एफआईआर दर्ज हुई थी, जिसमें पहले उनकी पत्नी तजीन फातिमा और बेटे अब्दुल्ला आजम को नामजद किया गया था, और बाद में आजम को भी आरोपी बनाया गया। रामपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट द्वारा जमानत याचिका खारिज होने के बाद, उन्होंने हाई कोर्ट में अपील की थी, जहाँ उनके वकील ने राजनीतिक बदले की भावना से फंसाए जाने का तर्क दिया। सभी पक्षों को सुनने के बाद, कोर्ट ने यह फैसला सुनाया।

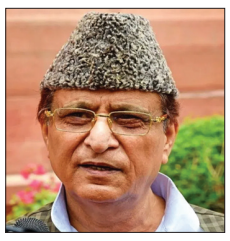

प्राकृतिक आपदा में नदारत रहीं सांसद कंगना बोलीं- पीएम ने दिए 10 हजार करोड़

मंडी (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में मंडी ससंदीय क्षेत्र में आपदा के दौरान नदारद भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत ने बड़ा बयान दिया है। पीएम मोदी के जन्मदिन पर मंडी में आयोजित यज्ञ में पहुंची कंगना रनौत ने हिमाचल प्रदेश के अगले सीएम की दावेदारी पर बड़ा बयान दिया है।

मंडी शहर के सिद्धकाली माता मंदिर में महायज्ञ करवाया गया है। इसमें पूर्णाहुति डालने के बाद सांसद कंगना ने कहा कि केंद्र में 2014 से पहले रही सरकारों ने हमेशा हिमाचल को नजर अंदाज किया है, जबकि पीएम मोदी अब तक विभिन्न किस्तों के माध्यम से 10 हजार करोड़ रुपये दे चुकें।

आपदा में सांसद कंगना रनौत की गैर मौजूदगी को लेकर पूछे गए सवाल पर कंगना ने कहा कि हिमाचल में हीन भावना के ग्रस्ति कुछ लोग उनके बारे में ही जनता को भड़काने में लगे हुए हैं। जबकि वह आज दूसरी बार आपदा के दौरान मंडी क्षेत्र की जनता के बीच पहुंची हैं। सांसद कंगना ने पीएम मोदी की ओर से देश हित में किए अनकों कार्यों की भी जमकर सराहना की और कहा कि मोदी है तो ही मुमकिन है। उन्होंने इस अवसर पर केंद्र सरकार की योजना एक पेड़ मां के नाम लगाने की अपने संसदीय

क्षेत्र की जनता से आह्वान भी किया। अब गुरुवार को कंगना रनौत मनाली विधानसभा क्षेत्र का दौर करेंगी। हिमाचल प्रदेश में सीएम बनने के सवाल पर सांसद कंगना ने कहा कि अब उन्हें समझ आ गई है कि राजनीति एक समाजसेवा का काम है और इसमें पर्सनल लाभ जैसा कुछ नहीं है और ऐसे में पीएम मोदी के आशीर्वाद से वह किसी भी काम को करने के लिए सक्षम हैं और कंगना अगर किसी काम को करने की ठान ले तो वो उसे करके दिखाती हैं। फिर चाहे बात फिल्मों की ही क्यों ना हो। मंडी में भाजपा के द्वारा पीएम मोदी के जन्म दिवस पर इंदिरा मार्केट में स्थित माता सिद्ध काली माता मंदिर में जहां महायज्ञ का आयोजन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन पर मंडी में भाजपा के द्वारा पीएम मोदी के जन्म दिवस पर इंदिरा मार्केट में स्थित माता सिद्ध काली माता मंदिर में जहां महायज्ञ का आयोजन किया, वहीं प्राकृतिक आपदाओं से जूझ रहे संसार के लिए विश्व कल्याण की कामना भी की। मंडी में आयोजित इस महायज्ञ को मां त्रिपुर सुंदरी धाम मणिकूट पर्वत ऋषिकेश से आए श्री श्री 1008 श्री हरिओम महाराज व उनके साथ आए अन्य साधु संतों ने संपन्न करवाया। इस महायज्ञ में पूर्व सीएम व नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, सांसद कंगना रनौत, सर्व देवता समिति अध्यक्ष शिवपाल शर्मा सहित दर्जनों लोगों ने भाग लेकर पूर्णाहुति डाली और विश्व कल्याण की कामना की।

पूरे देश में होगा एसआईआर, एक जुलाई 1987 से पहले जन्म हुआ तो नहीं देना होगा कोई दस्तावेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। पूरे देश में होने वाले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद 50 करोड़ से ज्यादा वोटर्स को किसी भी अतिरिक्त दस्तावेज की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसका कारण है कि उनके नाम पहले से ही मतदाता सूची में दर्ज हैं। एक जुलाई 1987 से पहले जन्म होने की अंडरटेकिंग देने वाले मतदाताओं को कोई अन्य दस्तावेज लगाने की जरूरत नहीं होगी।

चुनाव आयोग के अधिकारियों के मुताबिक भारत के आधे से ज्यादा वोटर्स इस नए प्रोसेस के दायरे में आएंगे। इन मतदाताओं को कोई भी दस्तावेज देने की जरूरत नहीं होगी, क्योंकि उनका नाम उनके राज्य में आयोजित पिछली एसआईआर की मतदाता सूची में शामिल होगा। ज्यादातर राज्यों में मतदाता सूची का आखिरी एसआईआर 2002 से 2008 के बीच हुआ था, जिसे इस प्रक्रिया के लिए कट-ऑफ माना जाएगा।

अधिकारियों ने बताया कि चुनाव आयोग जल्द ही अखिल भारतीय एसआईआर को लागू करने की तारीख तय करेगा। राज्यों में मतदाता सूचियों को सुधार करने का काम इस साल के अंत से पहले शुरू हो सकता है। पिछले हफ्ते हुए एक सम्मेलन में राज्यों के सीईओ को अपने-अपने राज्यों में पिछली एसआईआर के बाद प्रकाशित मतदाता सूची तैयार रखने को कहा है।

बिहार में आखिरी एसआईआर 2003 में हुआ था। इसके मुताबिक अभी इसमें सूचीबद्ध कुल मतदाताओं के 60 फीसदी यानी 4.96 करोड़ मतदाताओं को अपनी जन्मतिथि या जन्मस्थान स्थापित करने के लिए मतदाता सूची के प्रासंगिक भाग को छोड़कर कोई सहायक दस्तावेज देने की जरूरत नहीं है। बिहार में इस प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक विवाद भी हो चुका है, जहां विपक्षी दलों ने दस्तावेजों की कमी के कारण लोगों के मताधिकार से वंचित होने की आशंका जताई थी। केवल 40फीसदी मतदाताओं को ही अपनी जन्मतिथि या स्थान की पुष्टि के लिए सूचीबद्ध 12 दस्तावेजों में से कोई एक प्रस्तुत करना होगा। इसके अलावा वोटर बनने या राज्य के बाहर से आने वाले कुछ आवेदकों के लिए एक अतिरिक्त घोषणा पत्र भी शुरू किया गया है। ऐसे लोगों को यह शपथपत्र देना होगा कि उनका जन्म 1 जुलाई, 1987 से पहले भारत में हुआ था।

एकजुट होने में जुटे इस्लामिक देश, बात होती रही उधर एक हो गए पाकिस्तान और सऊदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में 60 इस्लामिक देशों की कतर में बैठक हुई थी। जिसमें मुख्य एजेंडा था एकजुट होने का। इस दौरान पाकिस्तान, तुर्की जैसे मुसलमान देशों ने इस्लामिक नाटो संगठन बनाने का सुझाव दिया था। यह अमेरिका के नेतृत्व वाले नाटो की तर्ज पर था, जिसके तहत यूरोप के कई देश आते हैं और उन्हें सुरक्षा की गारंटी मिली है। इसी तरह मुसलमान देशों को सुरक्षा की गारंटी देने के नाम पर ऐसे संगठन का प्रस्ताव रखा गया। मीटिंग में इस पर कोई ठोस पहल होती नहीं दिखी, लेकिन पाकिस्तान और सऊदी अरब ने इस ओर कदम जरूर बढ़ा दिए हैं।

ऐसे में पाकिस्तान ने सऊदी अरब के साथ सुरक्षा समझौता करके खुद को इस्लामिक देशों के बीच मजबूत करने की कोशिश की है। लंबे समय से पाकिस्तान की यह कोशिश रही है कि कश्मीर के मसले को इस्लाम के नाम पर बढ़ावा दिया जाए और फिर सऊदी अरब, तुर्की, मलयेशिया जैसे देशों को साथ लिया जाए। हालांकि दिलचस्प बात यह है कि सऊदी अरब ने इस समझौते के साथ ही भारत के साथ अपने रिश्तों पर भी बात की है। रिपोर्ट के मुताबिक एक सऊदी अधिकारी ने कहा कि भारत के साथ हमारे रिश्ते बहुत अच्छे हैं। ऐतिहासिक स्तर पर हमारी दोस्ती है। हम क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के हित में रिश्ते मजबूत करते रहेंगे। दोनों देशों ने एक सुरक्षा समझौता किया है, जिसके तहत किसी एक देश पर हमले को दोनों पर अटैक माना जाएगा। इस तरह दोनों देशों ने एक दूसरे को सुरक्षा गारंटी दी है और आड़े वक्त में खड़ा रहने का संकल्प जताया है। साफ है कि एक बड़े इस्लामिक नाटो की तरफ कदम नहीं बढ़े हैं, लेकिन उसके ही छोटे संस्करण पर पाकिस्तान और सऊदी अरब ने मुहर लगाई है। भारत के लिए यह खबर मायने रखती है क्योंकि पाकिस्तान उसका चिर प्रतिद्वंद्वी रहा है। मई में ही दोनों देशों के बीच 4 दिन की सैन्य झड़प चली थी। इसके अलावा भी अकसर तनाव बना रहता है और दोनों देश जंग के मुहाने पर कभी भी रहते हैं। हालांकि पाकिस्तान के पास जो परमाणु हथियार हैं, उनके इस्तेमाल को लेकर इस समझौते में कोई बात नहीं की गई है। बता दें कि 1967 से ही सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच रक्षा करार रहे हैं। पाकिस्तान की सेना ने सऊदी अरब के 8200 सैनिकों को अपने यहां प्रशिक्षित भी किया है। माना जा रहा है कि कुछ और मुसलमान देशों के बीच भी ऐसे करार हो सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

मोदी के 75वें जन्मदिन पर सबसे पहले ट्रम्प की बधाई

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को प्रधानमंत्री मोदी को फोन पर सबसे पहले जन्मदिन की बधाई दी। पीएम मोदी आज 75 साल के हो गए हैं। उन्होंने मंगलवार रात 10:53 बजे बताया कि ट्रम्प ने उन्हें फोन किया। ट्रम्प ने रात 11:30 बजे अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर पीएम से बातचीत की जानकारी दी। ट्रम्प ने लिखा, अभी-अभी मेरे दोस्त, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बहुत अच्छी बातचीत हुई। मैंने उन्हें जन्मदिन की ढेर सारी शुभकामनाएं दीं। वे अद्भुत काम कर रहे हैं। नरेंद्र, रूस और यूक्रेन के बीच जंग खत्म करने में आपके सहयोग के लिए धन्यवाद। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, थैंक यू, मेरे दोस्त, प्रेसिडेंट ट्रम्प, मेरे 75वें जन्मदिन पर आपके फोन कॉल और बधाई के लिए धन्यवाद। आपकी तरह, मैं भी भारत-अमेरिका के बीच व्यापक और वैश्विक साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं। हम यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में आपकी पहल का समर्थन करते हैं।

अमेरिका का लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ता चीनी जासूस निकला

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क शहर में लोकतंत्र समर्थक समूह का नेतृत्व करने वाले चीनी मूल के नागरिक पर बीजिंग के लिए जासूसी करने का आरोप तय हुआ है। आरोपी द्वारा अपने साथी चीनी कार्यकर्ताओं की जासूसी चीन की खुफिया एजेंसी से की जा रही थी। आरोपी की पहचान 68 वर्षीय युआनजुन तांग के रूप में हुई है, जो सार्वजनिक तौर पर तो चीनी कम्युनिस्ट पार्टी का मुखर आलोचक था, लेकिन असल में वह अपने साथी कार्यकर्ताओं की जासूसी करता था। वह कई बार मैनहट्टन स्थित वाणिज्य दूतावास के बाहर चीन के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों में भी शामिल हुआ। तांग साल 2002 से अमेरिका के न्यूयॉर्क में रह रहा था। पिछले अगस्त में तांग के खिलाफ आरोप लगाने वाले संघीय अभियोजकों ने बताया कि तांग ने चीन में रह रहे अपने परिवार के सदस्यों से मिलने की अनुमति पाने के लिए ये काम स्वीकार किए थे। एफबीआई के सहायक निदेशक क्रिस्टोफर जी. राया ने एक बयान में कहा, चीनी सरकार को लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ताओं का दमन करने में मदद करने के लिए तांग द्वारा अमेरिका के आदर्शों के साथ विश्वासघात किया गया, यह उन्हीं मूल्यों के खिलाफ है, जिनके प्रचार का उन्होंने दावा किया था।

पापुआ न्यू गिनी की आजादी की 50वीं वर्षगांठ समारोह में शामिल हुए पाबित्रा मार्गेरिटा

पोर्ट मोरेस्बी , एजेंसी। विदेश राज्य मंत्री पाबित्रा मार्गेरिटा पापुआ न्यू गिनी की आजादी की 50वीं वर्षगांठ समारोह में शामिल हुए। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में कहा, पापुआ न्यू गिनी की स्वतंत्रता के 50 साल पूरे होने के अवसर पर यहां आकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत की जनता की ओर से पापुआ न्यू गिनी की सरकार और जनता को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। आज सुबह पोर्ट मोरेस्बी के इंडिपेंडेंस हिल पर ध्वजारोहण समारोह में शामिल हुआ। मार्गेरिटा ने एक अन्य पोस्ट में कहा, पापुआ न्यू गिनी के 50 वर्ष पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रमों के दौरान ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज से मिलकर खुशी हुई।

बेलारूस में पत्रकार को 4 साल की सजा

मिन्स्क, एजेंसी। बेलारूस की एक अदालत ने स्वतंत्र पत्रकार इहार इल्याश को चार साल कैद की सजा सुनाई है। यह फैसला उस समय आया है जब कुछ ही दिन पहले अमेरिका की मध्यस्थता से हुए समझौते के तहत 50 से अधिक राजनीतिक कैदियों को रिहा किया गया था। इल्याश पर चरमपंथ फैलाने के आरोप लगाए गए थे, क्योंकि उन्होंने राष्ट्रपति अलेक्ज़ेंडर लुकाशेंको की सरकार की आलोचना करते हुए लेख और टिप्पणियां लिखीं।

माइक्रोसॉफ्ट ने निजी डाटा चुराने वाली नाइजीरिया की 340 वेबसाइटों का पता लगाया

अबुजा, एजेंसी। माइक्रोसॉफ्ट इंक ने नाइजीरिया में तेजी से बढ़ रही एक सेवा से जुड़ी 340 वेबसाइटों का पता लगाया है, जो उपयोगकर्ताओं को फिशिंग अभियान चलाने की अनुमति देती और 5,000 माइक्रोसॉफ्ट उपयोगकर्ताओं के क्रेडेंशियल चुराती थी। माइक्रोसॉफ्ट की डिजिटल क्राइम यूनिट के सहायक महाधिवक्ता स्टीवन मसाडा ने मंगलवार को बताया कि माइक्रोसॉफ्ट को इस माह की शुरुआत में मैनहट्टन स्थित अमेरिकी जिला न्यायालय से आदेश मिला था, जिसमें रैकून0365 से जुड़े डोमेन जब्त करने को कहा था। रैकून0365 ऐसी सब्सक्रिप्शन सेवा है, जो उपयोगकर्ताओं को बड़े पैमाने पर फिशिंग अभियान चलाने की अनुमति देती थी। उसमें कभी-कभी एक साथ हजारों ईमेल शामिल होते थे। मसाडा ने माइक्रोसॉफ्ट की वेबसाइट पर पोस्ट किए एक ब्लॉग में बताया कि रैकून0365 की सेवा, जो 850 से ज्यादा सब्सक्राइबर्स वाले एक निजी टेलीग्राम चैनल के जरिये संचालित होती है।

डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ एक और यूनिवर्सिटी ने खोला मोर्चा, फंड रोकने पर दायर किया मुकदमा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनका प्रशासन भारी भरकम टैकिफ लगाने की वजह से जहां दुनियाभर के कई देशों के निशाने पर हैं, वहीं अब अमेरिका की एक और टॉप यूनिवर्सिटी ने फंड रोके जाने के मुद्दे पर उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। कैलिफ़ोर्निया यूनिवर्सिटी के शिक्षकों, छात्रों और अन्य कर्मचारियों ने ट्रंप प्रशासन पर संघीय धन रोके जाने और अन्य कार्रवाइयों के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। अपनी याचिका में यूनिवर्सिटी ने आरोप लगाया है कि ट्रंप प्रशासन यूनिवर्सिटी की शैक्षणिक स्वतंत्रता का हनन करना चाहता है। कैलिफ़ोर्निया के उत्तरी जिले की डिस्ट्रिक कोर्ट में दायर इस मुकदमे में यूनिवर्सिटी ने ट्रंप सरकार पर वित्तीय धमकियों का इस्तेमाल करने से रोकने की मांग की गई है। याचिका में फंड रोकने की धमकी को हानिकारक और गैरकानूनी बताया गया है। अर्जी में पहले से निलंबित धन को फिर से बहाल करने का भी अनुरोध किया गया है।

फंड रोकना उनका हथकंडा बन गया है : ट्रंप प्रशासन के खिलाफ मुकदमा दायर करने वाले शिक्षकों, छात्रौं और कर्मचारियों के संघ ने कहा कि ट्रंप प्रशासन ने कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को धमकाने और फंड रोकने का हथकंडा अपना रखा है। उन्होंने आगे कहा कि ये धमकियाँ संस्थानों के पाठ्यक्रम, परिसरों में अभिव्यक्तिपूर्ण गतिविधियों और विविधता, समानता और समावेशन की पहलों के प्रति तिरस्कार पर आधारित हैं। फिलहाल कैलिफ़ोर्निया यूनिवर्सिटी सिस्टम और वाइट हाउस ने इस मुक़दमे पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है।

यहूदी-विरोधी छात्र प्रदर्शनों की जांच : इस बीच, ट्रंप प्रशासन ने गाजा पर इजरायल के हमले के खिलाफ छात्रों के विरोध प्रदर्शनों के दौरान कथित यहूदी-विरोधी गतिविधियों से निपटने के विश्वविद्यालयों के तरीकों की जाँच शुरू कर दी है और इस मामले में तथा जलवायु पहलों और डीईआई कार्यक्रमों सहित अन्य मुद्दों पर धन रोक दिया है। नागरिक अधिकारों के पैरोकारों का कहना है कि ट्रम्प प्रशासन विश्वविद्यालयों को अपने राजनीतिक एजेंडे के साथ कंट्रोल करने की कोशिश कर रहा है, जबकि आलोचक ऐसे प्रयासों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शैक्षणिक स्वतंत्रता के लिए खतरा मानते हैं।

यूसीएलए का 584 मिलियन डॉलर फंड रुका : कैलिफ़ोर्निया विश्वविद्यालय अमेरिका की सबसे बड़ी उच्च शिक्षा प्रणालियों में से एक का संचालन करता है, जिसके 10 मुख्य परिसर हैं और लगभग 300,000 छात्र हैं। इस यूनिवर्सिटी में 265,000 संकाय और कर्मचारी काम करते हैं। अमेरिका की टॉप पब्लिक यूनिवर्सिटीज में से एक- कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी, लॉस एंजिल्स (यूसीएलए) ने अगस्त में कहा था कि सरकार ने 584 मिलियन डॉलर की धनराशि रोक दी है। कैलिफ़ोर्निया यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष जेम्स मिलिकेन ने सोमवार को कहा कि संघीय सरकार की कार्रवाइयों के कारण संस्थान अपने इतिहास के सबसे गंभीर खतरों में से एक का सामना कर रहा है, और बताया कि उसे हर साल संघीय सहायता के रूप में 17 अरब डॉलर से अधिक प्राप्त होते हैं।

खालिस्तानी आतंकियों ने कनाडा में भारतीय दूतावास पर कब्जा करने की धमकी दी

टोरंटो, एजेंसी। अमेरिका स्थित खालिस्तानी समूह, सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) ने कनाडा के वैंकूवर स्थित कॉन्सुलेट (भारतीय वाणिज्य दूतावास) को घेरने की धमकी दी है। अलगाववादी संगठन ने घोषणा की है कि वह गुरुवार, 18 सितंबर को वाणिज्य दूतावास पर कब्जा कर लेगा। उन्होंने भारतीय-कनाडाई लोगों से परिसर से दूर रहने को कहा है। ये धमकी भारत-कनाडा के बीच राजनयिक संबंध फिर से शुरू होने के कारण दिया गया है। समूह ने भारतीय उच्चायुक्त दिनेश पटनायक की तस्वीर वाला एक पोस्टर भी जारी किया। एसएफजे ने 18 सितंबर 2023 को कनाडाई संसद में तत्कालीन कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो के बयान का हवाला दिया, जब उन्होंने कहा था कि आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की भूमिका की जांच चल रही है। भारतीय वाणिज्य दूतावास खालिस्तान समर्थकों को निशाना बनाकर जासूसी नेटवर्क चला रही हैं। इस महीने की शुरुआत में, कनाडा सरकार की एक रिपोर्ट में देश में खालिस्तानी आतंकवादी समूहों की मौजूदगी की बात स्वीकार की गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कनाडा यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके कनाडाई समकक्ष मार्क कार्नी के बीच सहमति बनने के बाद भारत और कनाडा ने हाल ही में अपने नए उच्चायुक्त की घोषणा की है।

स्लोवाकिया में प्रधानमंत्री फिको की आर्थिक और रूस समर्थक नीतियों के खिलाफ नाराजगी, सड़क पर हजारों लोग

ब्रातिस्लावा, एजेंसी। स्लोवाकिया में प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको की आर्थिक नीतियों और रूस समर्थक रुख के खिलाफ गुस्सा बढ़ रहा है। 16 बड़े शहरों और कस्बों में हजारों लोग मंगलवार को सड़कों पर उतरे। देश की राजधानी ब्रातिस्लावा सहित पूरे देश में प्रदर्शन हुए। जनता के गुस्से का नेतृत्व विपक्षी राजनीतिक दलों ने किया। हालिया विरोध के उग्र होने का कारण पीएम फिको की चीन यात्रा और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से तीसरी बार मुलाकात को माना जा रहा है। पीएम फिको नीत सरकार ने हाल ही में कठोर आर्थिक पैकेज को भी स्वीकृति दी है। इसके खिलाफ भी जनाक्रोश बढ़ रहा है।

खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़े, छुट्टियों में भी कटौती : सरकार का कहना है कि फैसले लिए जाने जरूरी हैं क्योंकि 2023 में देश का बजट घाटा जीडीपी का 5.3 प्रतिशत था, जो यूरो अपनाने वाले देशों में दूसरा सबसे ऊंचा स्तर था। इस वर्ष भी घाटा 5 प्रतिशत से अधिक रहने की आशंका है, जबकि यूरोपीय संघ की सीमा 3 प्रतिशत है। इन उपायों में स्वास्थ्य और सामाजिक बीमा पर वृद्धि, उच्च आय वर्ग पर आयकर बढ़ाना, कुछ खाद्य उत्पादों पर वैट में इजाफा और राष्ट्रीय छुट्टियों में कटौती शामिल है।

विरोधी पार्टी की नेता का दावा- जनता अब फिको से तंग आ चुकी है श्रमिक संगठनों और आलोचकों ने आरोप लगाया है कि इन उपायों का बोझ आम लोगों पर पड़ेगा। देश के व्यापार जगत का कहना है कि इसमें अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने वाला कुछ नहीं है। विरोध प्रदर्शन में प्रोग्रेसिव स्लोवाकिया पार्टी के प्रमुख मिखाल शिमेका ने कहा कि लोग अब फिको से तंग आ चुके हैं। उनकी पार्टी ने स्वतंत्रता और एकजुटता, क्रिश्चियन डेमोक्रेट्स और डेमोक्रेट्स दलों के साथ मिलकर प्रदर्शन आयोजित किए। कुछ नेताओं ने आम हड़ताल की चेतावनी भी दी। प्रदर्शनकारियों ने हमें फिको से छुटकारा चाहिए जैसे नारे लगाए। यह आंदोलन पिछले सप्ताह भी भड़का था जब प्रधानमंत्री फिको ने बीजिंग में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के आमंत्रण पर आयोजित सैन्य परेड में हिस्सा लिया था। यूरोपीय संघ के सदस्य देशों में फिको अकेले नेता थे जो इस परेड में मौजूद रहे। आलोचकों का कहना है कि फिको स्लोवाकिया को हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ऑर्बन की तरह उसी रास्ते पर ले जा रहे हैं, जिन्हें अक्सर अलोकतांत्रिक कहा जाता है।

यूक्रेनी बच्चों को बनाया जा रहा 'रूसी', 200 कैंप बना कर रूस दे रहा मिलिट्री ट्रेनिंग; रिपोर्ट

मास्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच बीते 3 सालों से जारी युद्ध के बीच हाल ही में सामने आई रिपोर्ट में हैरान करने वाले खुलासे हुए हैं। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जंग के बीच, रूस करीब 200 कैंप्स लगाकर यूक्रेनी बच्चों को ट्रेनिंग के जरिए 'रूसी' बना रहा है। यह बातें येल स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के ह्यूमैनिटेरियन रिसर्च लैब (एचआरएल) द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट में कही गई हैं। स्टोलेन किड्स ऑफ यूक्रेन नाम की इस रिपोर्ट के मुताबिक इन शिविरों में से आधे से ज्यादा का प्रबंधन रूसी सरकार खुद करती है। कथित तौर पर इन 200 कैंप्स से आधे से ज्यादा फैसिलिटी में बच्चों को अलग तरह की शिक्षा दी जाती है। वहीं 18 फीसदी कैंप्स में उन्हें मिलिट्री ट्रेनिंग दी जाती है। रिपोर्ट में यह दावा भी किया गया है कि इनमें से कुछ सुविधाओं में आठ साल की उम्र के बच्चों को भी हथियारों का प्रशिक्षण दिया जाता है। बच्चों को ग्रेनेड फेंकने की प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए भी कहा जाता है। ब्रेनवॉश करने की योजना? रिपोर्ट में अलग अलग-जगहों का भी जिक्र है जहां यूक्रेनी बच्चों को ले जाया गया है। इनमें कैडेट स्कूल, सैन्य अड्डा, हेल्थ फैसिलिटी, धार्मिक स्थल, स्कूल और विश्वविद्यालय, होटल, अनाथालय और ट्रेनिंग कैंप का शामिल हैं। द गार्जियन ने रिपोर्ट पब्लिश करने वाले एचआरएल के निदेशक नथानिएल रेमंड के हवाले से बताया, यह एक बड़ा नेटवर्क है, जिसे स्पष्ट रूप से यूक्रेनी बच्चों को रूसी बनाने के लिए बनाया गया है। उन्होंने आगे कहा, यह यूक्रेन के बच्चों को फिर से शिक्षित करने, उनका ब्रेनवॉश करने और उन्हें सैनिक बनाने की एक योजना है। पुतिन के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय गिरफ्तारी वारंट बता दें कि 2023 में एक जांच के बाद, इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और रूस की चिल्ड्रेन कमिश्नर मारिया ल्वोवा-बेलोवा पर यूक्रेन से बच्चों के सामूहिक अपहरण का आरोप लगाया था। जांच के बाद, पुतिन के खिलाफ एक अंतरराष्ट्रीय गिरफ्तारी वारंट भी जारी किया गया।

कैनेडी के खिलाफ गवाही देंगी सीडीसी की बर्खास्त प्रमुख, बिना सबूत वैक्सीन को मंजूरी देने का आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) की बर्खास्त निदेशक सुजैन मोनारेज सीनेट के सामने गवाही देंगी। इस गवाही में मोनोरेज सीनेटरों को बताएंगी कि स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर ने उन पर वैज्ञानिक प्रमाण देखे बिना नई वैक्सीन सिफारिशों का समर्थन करने का दबाव डाला था। सीनेट के सामने यह सुनवाई बुधवार को होगी। गवाही की प्रति मीडिया में लीक हो गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मोनोरेज गवाही में ये भी बताएंगी कि कैनेडी ने उन्हें अल्टीमेटम दिया था या तो वे वैक्सीन को मंजूरी दें या फिर उन्हें बर्खास्त कर दिया जाएगा। मोनोरेज ने कहा कि वैक्सीन की सुरक्षा पर संदेह भी है।

सीनेट की स्वास्थ्य समिति के सामने पेश होंगी मोनोरेज : गौरतलब है कि मोनोरेज को कैनेडी ने ही सीडीसी प्रमुख के रूप में चुना था, जिन्हें बाद में ट्रंप ने नामित किया। हालांकि उनके पद ग्रहण करने के कुछ ही हफ्तों बाद उन्हें बर्खास्त कर दिया गया। अपनी बर्खास्तगी को लेकर मोनोरेज सीनेट की स्वास्थ्य समिति के सामने पेश होंगी। गवाही की प्रति के अनुसार, मोनारेज सीनेटरों के सामने अपनी शुरुआती गवाही में कहेंगी, दबाव में भी, मैं सबूतों की जगह विचारधारा नहीं ला सकती थी या अपनी ईमानदारी से समझौता नहीं कर सकती थी। टीकाकरण नीति विश्वसनीय आंकड़ों से चलनी चाहिए, न कि पूर्व निर्धारित परिणामों से।

जनता के लिए वैक्सीन की सिफारिश करती है सीडीसी : मोनारेज ने यह भी दावा किया कि कैनेडी ने उन्हें बिना किसी कारण के सीडीसी के कई उच्च पदस्थ अधिकारियों को नौकरी से निकालने का निर्देश दिया था। सीडीसी अमेरिका की प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसी है, जो जनता को टीकों की सिफारिशें करने के लिए जिम्मेदार है। सीनेट की सुनवाई वैक्सीन के बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव पर केंद्रित होगी। मोनारेज के अलावा पूर्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी डेबरा होउरी, भी समिति के सामने गवाही देंगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने आरोपों को खारिज किया : वहीं स्वास्थ्य मंत्री कैनेडी ने मोनारेज के उन आरोपों का खंडन किया है। हालांकि, उन्होंने इस महीने की शुरुआत में सीनेट की एक सुनवाई के दौरान स्वीकार किया था कि उन्होंने मोनारेज को सीडीसी के कई शीर्ष अधिकारियों को बर्खास्त करने का आदेश दिया था। सीनेट की यह सुनवाई अटलांटा में वैक्सीन पैनल के दो दिवसीय सत्र शुरू होने से ठीक एक दिन पहले हो रही है।

फिलिस्तीन पर हफ्ते भर में जापान का यू-टर्न? मान्यता देने पर अब क्यों कर रहा अगर-मगर, संयुक्त राष्ट्र में भी किनारा

टोक्यो, एजेंसी। अमेरिका के मित्र देश जापान ने युद्धग्रस्त फिलिस्तीन को एक राष्ट्र के रूप में मान्यता नहीं देने का फैसला किया है। जापानी अखबार असाही की रिपोर्ट के अनुसार, जापान अमेरिका के साथ संबंधों को देखते हुए फ़िलिस्तीनी राज्य को मान्यता नहीं देने का फैसला किया है। अखबार ने सरकारी सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि जापान फिलहाल फिलिस्तीनी राज्य को मान्यता नहीं देगा। ऐसा संभवतः अमेरिका के साथ संबंध बनाए रखने और इजरायल के सख्त रवैये से बचने के लिए किया जा रहा है।

ब्रिटेन, फ्रांस, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया सहित कई सरकारों ने कहा है कि वे इस महीने संयुक्त राष्ट्र महासभा में फ़िलिस्तीन को एक राष्ट्र के रूप में मान्यता देंगे, जिससे इस क्षेत्र में इजरायल की गतिविधियों को लेकर उस पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ गया है। भारत पहले ही फिलिस्तीन को यह दर्जा दे चुका है और संयुक्त राष्ट्र में मौजूदा प्रस्ताव का समर्थन किया है। असाही ने अपनी रिपोर्ट में ये भी कहा है कि जापानी प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा 22 सितंबर को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र की बैठक के दौरान इज़रायल और फ़िलिस्तीनियों के बीच द्वि-राज्य समाधान (टू स्टेट सॉल्युशन) पर होने वाली बैठक में शामिल नहीं होंगे।

अमेरिका ने किया था मान मनौव्वल : क्योदो समाचार एजेंसी ने पिछले हफ्ते एक रिपोर्ट में बताया था कि अमेरिका ने कई राजनयिक माध्यमों से जापान को फ़िलिस्तीनी राज्य को मान्यता नहीं देने के लिए मान मनौव्वल किया था, जबकि फ्रांस के विदेश मंत्री जीन-नोएल बैरोट ने अपने जापानी समकक्ष से इसे मान्यता देने का पुरजोर आग्रह किया था। हालांकि, जापान के विदेश मंत्री ताकेशी इवाया ने मंगलवार को एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा था कि जापान फिलिस्तीनी राज्य को मान्यता देने के मुद्दे पर, उचित समय और तौर-तरीकों सहित, एक व्यापक मूल्यांकन कर रहा है।

हफ्ते भर में रुख में बदलाव : शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र की एक बैठक में, जापान उन 142 देशों में शामिल था जिन्होंने द्वि-राज्य समाधान की दिशा में ठोस, समयबद्ध और अपरिवर्तनीय कदमों की रूपरेखा वाले एक घोषणापत्र के पक्ष में मतदान किया था। अब हफ्ते भर के अंदर जापान का रुख बदलता नजर आ रहा है। हालांकि, सात देशों के समूह में, जर्मन और इतालवी अधिकारियों ने फिलिस्तीन को तत्काल मान्यता देने को प्रतिकूल बताया था।

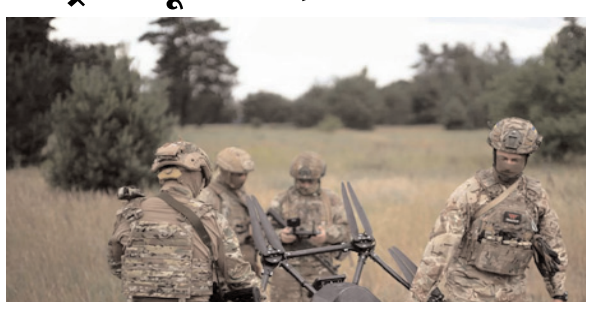

भीषण होगी रूस-यूक्रेन की जंग, भारी हथियार भेजने जा रहा अमेरिका, ट्रंप ने यूरोपीय देशों से लिए पैसे

कीव, एजेंसी। अमेरिका ने यूक्रेन को हथियार सहायता भेजने के लिए अपने पहले पैकेज को मंजूरी दे दी है। सूत्रों के अनुसार, यह पैकेज जल्द ही कीव को भेजा जा सकता है। खास बात यह है कि इस बार हथियारों की आपूर्ति एक नए वित्तीय समझौते के तहत होगी, जिसमें अमेरिका के साथ नाटो के सहयोगी देश भी शामिल हैं। यह पहली बार है जब अमेरिका और उसके सहयोगियों ने 'प्राथमिकता प्राप्त यूक्रेन आवश्यकताओं की सूची' नामक नई प्रणाली का उपयोग किया है। इसके तहत नाटो देशों के फंड से अमेरिकी हथियार भंडार से यूक्रेन को सैन्य सहायता दी जाएगी। रक्षा नीति के लिए अंडरसेक्रेटरी एल्ब्रिज कोल्बी ने इस योजना के अंतर्गत करीब 500-500 मिलियन डॉलर मूल्य के दो शिपमेंट्स को मंजूरी दी है। यानी इस बार अमेरिका केवल अपने पैसों से यूक्रेन को हथियार नहीं भेज रहा है बल्कि ट्रंप सरकार ने नाटों देशों से खूब पैसे लिए हैं। समाचार एजेंसी रायटर्स ने सूत्रों के हवाले से लिखा है कि, इस व्यवस्था के जरिए अमेरिका और उसके यूरोपीय सहयोगी लगभग 10 अरब डॉलर तक के हथियार यूक्रेन को मुहैया कराने की तैयारी कर रहे हैं। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस के लगातार हमलों से नाराजगी जाहिर कर चुके हैं। ट्रंप ने कई बार संघर्ष को बातचीत के जरिए खत्म करने की इच्छा जताई है, लेकिन अब तक उनके प्रयास सफल नहीं हो पाए हैं। अब तक ट्रंप प्रशासन ने या तो हथियारों की बिक्री की थी या फिर उन गिफ्ट में दिए शिपमेंट्स को भेजा था जिन्हें पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने मंजूरी दी थी। बाइडेन यूक्रेन के प्रबल समर्थक माने जाते रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि यूरोपीय देशों ने जिन हथियारों की खरीद को मंजूरी दी है, उनमें एयर डिफेंस सिस्टम भी शामिल हैं। रूस के ड्रोन और मिसाइल हमलों में भारी बढ़ोतरी के कारण यूक्रेन के लिए ये सिस्टम बेहद आवश्यक हैं। इसके अलावा इंटरसेप्टर्स, रॉकेट्स और आर्टिलरी जैसे हथियार भी इस सूची का हिस्सा बताए जा रहे हैं। एक सूत्र ने कहा, यह वही सामान है जिसकी मांग यूक्रेन लगातार कर रहा था। बड़ी मात्रा में सामग्री भेजी जा रही है। इसी ने अब तक यूक्रेनी मोर्चों को स्थिर बनाए रखने में मदद की है। फिलहाल पेंटागन ने इस पर आधिकारिक टिप्पणी करने से इनकार किया है।

पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो दूसरी बार अस्पताल में भर्ती, तख्तापलट मामले में सजा के बाद बिगड़ी तबीयत

रियो डी जेनेरियो, एजेंसी। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो को मंगलवार (स्थानीय समयानुसार) को दूसरी बार अस्पताल ले जाया गया। पिछले हफ्ते तख्तापलट की कोशिश के आरोप में दोषी ठहराए जाने के बाद उनकी तबीयत फिर बिगड़ गई। उनके बेटे ने बताया कि इस बार उन्हें उल्टियां और लो ब्लड प्रेशर की शिकायत हुई। दक्षिणपंथी राजनेता बोल्सोनारो को रविवार को भी राजधानी ब्रासीलिया के उसी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। तब उनकी त्वचा पर घाव पाए गए थे। तब डॉक्टरों ने कहा था कि जांच में पता चला है कि उन्हें आयरन की कमी से एनीमिया है और हाल ही में हुए निमोनिया के लक्षण भी मिले थे।

हिचकियां, उल्टी और लो ब्लड प्रेशर की हुई समस्या : मंगलवार को बोल्सोनारो को तेज हिचकियां, उल्टी और लो ब्लड प्रेशर की समस्या हुई, जिसके बाद

पुलिस उन्हें अस्पताल ले गई। उनके बेटे सीनेटर फ्लेवियो बोल्सोनारो ने एक्स पर पोस्ट कर इस बारे में जानकारी दी।

पैनल ने 27 साल और तीन महीने की सुनाई है सजा : बीते बृहस्पतिवार को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों के एक पैनल ने बोल्सोनारो को वर्तमान राष्ट्रपति लईज इनासियो लूला दा सिल्वा से 2022 में चुनाव हारने के बाद सत्ता में बने रहने के लिए अवैध रूप से तख्तापलट की कोशिश का दोषी पाया था। पैनल ने बोल्सोनारो को 27 साल और तीन महीने की सजा सुनाई। हालांकि, इस सजा के तहत बोल्सोनारो को तुरंत जेल नहीं भेजा जाएगा। अदालत को फैसले की पूरी कॉपी जारी करने में 60 दिन तक का समय लगेगा और इसके बाद बोल्सोनारो के वकीलों को अपील के लिए 5 दिन का समय मिलेगा।

बोल्सोनारो ने सभी आरोपों को खारिज किया : हालांकि, बोल्सोनारो ने सभी आरोपों को खारिज किया है और खुद को राजनीतिक प्रताड़ना का शिकार बताया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी उनका समर्थन किया और मुकदमे को विच हंट बताया। इससे पहले, ट्रंप ने जुलाई में ब्राजील से आने वाले सामान पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया था, जिसमें बोल्सोनारो का मामला भी एक वजह बताया गया।

अगस्त की शुरुआत से ही घर में नजरबंद हैं बोल्सोनारो : 70 वर्षीय पूर्व राष्ट्रपति अगस्त की शुरुआत से ही इस मामले में अपने घर में नजरबंद हैं। मामले की निगरानी कर रहे न्यायाधीश एलेक्जेंडर डी मोरेस ने कहा था कि बोल्सोनारो ने मुकदमे से जुड़े नियमों का उल्लंघन किया है। इसके चलते उन्हें इलेक्ट्रॉनिक एंकल मॉनिटर पहनना पड़ा और उनके घर से निकलने वाले वाहनों की तलाशी और बाहर की निगरानी का आदेश भी दिया गया।

2018 में चाकू लगने के बाद कई बार अस्पताल में भर्ती हो चुके बोल्सोनारो : जेयर बोल्सोनारो को 2018 के राष्ट्रपति चुनाव से पहले एक चुनावी कार्यक्रम में चाकू मार दिया गया था, जिसके बाद से वह कई बार अस्पताल में भर्ती हो चुके हैं। इसी साल अप्रैल में उनकी आंतों में रुकावट की सर्जरी हुई थी। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि बोल्सोनारो की खराब सेहत को देखते हुए उनके वकील जेल की बजाय घर में नजरबंदी की सजा बनाए रखने की मांग कर सकते हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

DRI, ED और कस्टम विभाग की नाक के नीचे गोल्ड स्मगलिंग

दुबई से अहमदाबाद फ्लाइट और अहमदाबाद से सूरत ट्रेन के जरिए हो रहे गोल्ड स्मगलिंग रैकेट का भंडाफोड़

एयरपोर्ट का आधुनिक मेटल-डिटेक्टर भी पकड़ नहीं पाया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत SOG (स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप) ने 16 सितंबर को दुबई से अहमदाबाद फ्लाइट और अहमदाबाद से सूरत ट्रेन के जरिए हो रहे गोल्ड स्मगलिंग रैकेट का भंडाफोड़ किया था। 26 लाख से अधिक के सोने के साथ रत्नकर्मी भाविक कातरिया को गिरफ्तार किया गया। सूत्रों के अनुसार, पहले सोने की तस्करी के लिए सूरत एयरपोर्ट का इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन दो महीने पहले एक दंपती पकड़े जाने के बाद डर की वजह से उन्होंने अहमदाबाद एयरपोर्ट से यह धंधा शुरू किया।

गौरतलब है कि दो महीने पहले सूरत एयरपोर्ट पर पकड़ा गया दंपती भी मेटल-डिटेक्टर और कस्टम विभाग की जांच से निकल गया था और CISF के हाथों पकड़ा गया था। इस बार भी अहमदाबाद एयरपोर्ट से सोना निकल गया और ट्रेन के जरिए सूरत लाया जा रहा था, तभी सूरत SOG ने इसे पकड़ लिया। इससे साफ हो गया कि गोल्ड स्मगलिंग मामले में दोनों एयरपोर्ट पर मेटल-डिटेक्टर और कस्टम, DRI व ED जैसी एजेंसियां लापरवाह साबित हो रही हैं।

स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप के PI अशोक चौधरी को मिली जानकारी के आधार पर 16 सितंबर 2025 को रेलवे स्टेशन के रूपा रेस्टोरेंट के पास से भाविक प्रवीन कातरिया (उम्र 20, निवासी महेक रेसिडेंसी, हरिदर्शन का खाडो, सिंगणपुर, सूरत, मूल निवासी - तातणिया, महुवा, भावनगर) को गिरफ्तार किया गया। उसकी लगेज बैग की रेक्सिन और प्लास्टिक की परतों के बीच से सोने को केमिकल स्प्रे में मिलाकर बनाई गई 26.34 लाख रुपये की 239.500 ग्राम गोल्ड पेस्ट बरामद हुई। भाविक यह सोना दुबई से लाया था और अहमदाबाद एयरपोर्ट पर उतरने के बाद ट्रेन से सूरत पहुंचा था।

इस पूरे गोल्ड स्मगलिंग केस की मास्टरमाइंड सूरत के पोशाल क्षेत्र में रहने वाली निराली राजपूत बताई जा रही है, जो फिलहाल दुबई में है और उसे वॉन्टेड घोषित कर दिया गया है। उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी होने की भी संभावना है। इसके अलावा अकर्म पटेल और अमित सोनी की भी संलिप्तता सामने आई है। यह पूरी गैंग सूरत और दक्षिण गुजरात की है। आशंका जताई जा रही है कि इस गिरोह ने पहले भी कई बार इसी तरीके से गोल्ड स्मगलिंग की है। पहले यह गैंग सूरत एयरपोर्ट से ही तस्करी करता था।

इस गोल्ड स्मगलिंग केस में हैरानी की बात यह है कि एयरपोर्ट पर कस्टम, DRI और श्वष्ठ जैसी एजेंसियों के दफ्तर सक्रिय होने के बावजूद उन्हें दुबई से हो रही सोने की तस्करी की भनक तक नहीं लगी। एयरपोर्ट परिसर की सुरक्षा की जिम्मेदारी रखने वाली इन तीनों एजेंसियों की नाक के नीचे से सोना बाहर निकल गया, जिससे अधिकारियों के लिए अजीब स्थिति बन गई है। एयरपोर्ट से बिना किसी रोकटोक के गोल्ड पेस्ट छिपाई गई बैग ले जाने में ठगबाज सफल हो रहे हैं। इससे लगता है कि कस्टम विभाग तो मानो सोया हुआ था और आधुनिक माने जाने वाले मेटल-डिटेक्टर भी सोना पकड़ने में नाकाम साबित होकर शोभा मात्र बनकर रह गए हैं। गोल्ड स्मगलिंग करने वाला गिरोह तंत्र की आंखों में धूल झोंकने के लिए नई-नई ट्रिक अपना कर अपने मंसूबे पूरे कर रहा है।

जानकारी के मुताबिक, इस गोल्ड स्मगलिंग रैकेट में शामिल लोग दुबई में ही सोने को तरल रूप में बदल देते थे। इसके लिए वे सोने की पेस्ट बनाकर उसमें खास केमिकल मिलाते थे। इस तरल सोने पर 'एक्वा रेजिया' नाम का केमिकल लगाया जाता था, जिसकी वजह से मेटल-डिटेक्टर भी उसे पकड़ नहीं पाता था। इस तरल सोने को ट्रैवल बैग की बाहरी सतह के रेक्सिन और रबर की परत के बीच स्प्रे करके एक नया लेयर बना दिया जाता था। इस नई तकनीक से सोना मेटल-डिटेक्टर में पकड़ में नहीं आता था। इसी वजह से कस्टम और इमिग्रेशन विभाग की जांच के दौरान भी वे आसानी से निकल जाते थे।

सूरत पुलिस के सूत्रों के मुताबिक, भाविक सूरत एयरपोर्ट से दुबई गया था। वहां से उसने दुबई से अहमदाबाद की फ्लाइट ली थी। जुलाई में सूरत एयरपोर्ट पर सोने की पेस्ट के साथ एक दंपती पकड़े जाने के बाद इस गैंग ने अहमदाबाद एयरपोर्ट को गोल्ड स्मगलिंग का टारगेट बना लिया। अमित और निराली हर महीने 8 से 10 लोगों को भेजते थे, जिनके जरिए करीब 60 बैग सूरत आते थे। उनका यह धंधा पिछले 6 महीनों से धड़ल्ले से चल रहा था। पहले वे सूरत एयरपोर्ट का इस्तेमाल करते थे, लेकिन यहां यात्रियों की संख्या कम होने के कारण पकड़े जाने का डर ज्यादा था, इसलिए उन्होंने अहमदाबाद एयरपोर्ट से यह धंधा शुरू कर दिया।

सूरत एयरपोर्ट पर पकड़ा गया ज्यादातर सोना दुबई और शारजाह से आने वाली अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट्स में लाया गया था। कई बार सोने की तस्करी के लिए शरीर, कपड़ों और बैग पर पेस्ट के रूप में सोना छुपाकर लाया जाता है।

सड़क पर दर्द से तड़पते लोग

सूरत में पिकअप वैन और रिक्शा के बीच भीषण हादसा,पांच से ज्यादा लोग घायल

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के ऊन इलाके के पास स्थित सोनारी गांव के नजदीक आज एक गंभीर हादसा हो गया। केले से भरी एक पिकअप वैन और रिक्शा की टक्कर हो गई। इस हादसे में पांच से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। हालांकि, हादसे में पिकअप वैन पलट गई और रिक्शा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। रिक्शे में सवार लोग सड़क पर गिर पड़े और दर्द से तड़पने लगे। हादसे के बाद आसपास के लोग तुरंत मौके पर इकट्ठा हो गए और घायलों की मदद करने लगे। तुरंत 108 एंबुलेंस को बुलाया गया।

एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को नजदीकी अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया गया। इस भीषण हादसे में दोनों वाहनों को भारी नुकसान पहुंचा है। दोनों वाहन चालकों समेत पांच से अधिक लोग घायल हुए हैं। पुलिस मौके पर पहुंची और आगे की जांच शुरू कर दी है। हादसा कैसे हुआ, इसकी अभी तक स्पष्ट जानकारी नहीं मिली है, लेकिन शुरुआती अनुमान है कि तेज रफ्तार और लापरवाही इसकी वजह हो सकती है।

नोटों की गड्डी दिखाकर ठगी करने वाले गैंग के मुख्य सरगना की गिरफ्तारी

सब्जी मंडी और सोसायटियों में महिलाओं को निशाना बनाते, सूरत चौक बाजार पुलिस ने मनोज बावरी को दबोचा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के अलग-अलग इलाकों में नोटों की गड्डी दिखाकर भरोसे में लेकर सोने के आभूषण उतरवाकर ठगी करने वाले गैंग के मुख्य सरगना को चौक बाजार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले पुलिस इस गैंग की एक महिला और दो पुरुष सदस्यों को गिरफ्तार कर चुकी थी।

पिछले कुछ समय से सूरत के विभिन्न इलाकों में फुटपाथ पर रहने वाला यह गैंग सक्रिय था। यह खासतौर पर सोने के गहने पहनने वाली महिलाओं को निशाना बनाता था। गैंग के सदस्य, जिनमें एक महिला और दो पुरुष शामिल थे, नोटों की गड्डी दिखाकर महिलाओं को भरोसे में लेते और फिर उनके सोने के आभूषण उतरवाकर फरार हो जाते थे।

गैंग का शिकार बनी एक महिला की शिकायत पर चौक बाजार पुलिस ने जांच शुरू की थी। तीन सदस्यों को पकड़ने के बाद कड़ी पूछताछ की गई। इसी दौरान खुलासा हुआ कि इस अपराध का मुख्य सरगना मनोज बावरी है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में मनोज बावरी ने बताया कि वह और उसके गैंग के सदस्य खासकर सब्जी मंडी, बाजार और सोसायटियों में अकेली आने-जाने वाली महिलाओं को टारगेट करते थे। वे महिलाओं से बातचीत शुरू करते और फिर नोटों की गड्डी दिखाते, जिसके ऊपर एक असली नोट और नीचे कागज की कतरनें होती थीं। वे महिलाओं से कहते कि यह पैसा चोरी हो सकता है, इसलिए इसे वह अपने पास रख ले।

महिला भरोसे में आने के बाद वे उसे अपने सोने के आभूषण भी उतारने के लिए कहते ताकि वह भी सुरक्षित रहे। इस तरह वे आभूषण लेकर ठगी करते और अपराध करने के बाद अहमदाबाद, अरवल्ली जैसे अन्य जिलों में भाग जाते थे।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी मनोज बावरी के खिलाफ भिलोड़ा, तलोद और अहमदाबाद एयरपोर्ट पुलिस स्टेशन में भी ठगी के मामले दर्ज हैं। चौक बाजार पुलिस इस गैंग के अन्य सदस्यों और उनके आपराधिक इतिहास की जांच कर रही है।

मॉडल सुखप्रीत कौर आत्महत्या केस में लिव-इन पार्टनर की गिरफ्तारी

युवती को घर में बंद करके मारपीट की, हाथ पर ब्लेड से वार किए और पैर पर दाग दिया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सारोली के कुम्भारिया स्थित सारथी रेजीडेंसी में मॉडल सुखप्रीत कौर की आत्महत्या केस में लिव-इन पार्टनर प्रेमी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मृतका के बैग से पुलिस अधिकारी को लिखी गई एक अर्ज़ी बरामद हुई थी, जिसमें लिव-इन पार्टनर महेंद्र राजपूत के अमानवीय अत्याचार और ब्लैकमेलिंग से तंग आकर मॉडल को आत्महत्या करने पर मजबूर होना पड़ा था।

संबंध खत्म करने के बाद महेंद्र ने मॉडल को घर में क़ैद कर मारपीट की, हाथ पर ब्लेड से वार किए और पैरों पर गर्म लोहे से दाग दिया। सारोली पुलिस ने महेंद्र राजपूत के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया था। चार महीने की तलाश के बाद पुलिस को आरोपी को पकड़ने में सफलता मिली।

जानकारी के अनुसार, मध्यप्रदेश के शिवपुरी की रहने वाली 19 वर्षीय सुखप्रीत कौर एक साल पहले मॉडलिंग के काम से सूरत आई थी। वह सारोली कुम्भारिया गांव के पास सारथी रेजीडेंसी में अपनी दोस्तों के साथ रहती थी। 2 मई 2025 की रात उसने अपने फ्लैट के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

अंतिम संस्कार के बाद जब परिवार ने सुखप्रीत का सामान चेक किया तो बैग में उसे पुलिस अधीक्षक, गुजरात को संबोधित हिंदी में लिखी गई एक अर्जी मिली। इसमें महेंद्र राजपूत (निवासी रेजेंट प्लाज़ा, डिंडोली) पर गंभीर आरोप लगाए गए थे। अर्जी में लिखा था कि महेंद्र ने उसे घर में बंद कर हाथ-पैर पर ब्लेड से वार किए, पैरों पर दागा और लगातार ब्लैकमेल करता था।

सुखप्रीत के पिता ने यह अर्जी सारोली पुलिस को सौंपी थी। पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि लिव-इन पार्टनर महेंद्र के मानसिक और शारीरिक अत्याचार व ब्लैकमेलिंग से तंग आकर मॉडल ने आत्महत्या की थी। आरोपी घर पर ताला लगाकर भाग गया था। पुलिस को चार महीने बाद आरोपी को पकड़ने में सफलता मिली।

सुखप्रीत ने अपनी अर्जी में लिखा था कि वह मॉडलिंग एजेंसी में काम करती थी और 6 अगस्त को उसकी मुलाकात महेंद्र से हुई। दोनों लिव-इन में रहने लगे। एक महीने बाद उसने उसे प्रताड़ित करना शुरू किया। उसने कहा कि महेंद्र उसे निजी तस्वीरें इंटरनेट पर अपलोड करने की धमकी देता, गाली-गलौज करता और मारपीट करता। 19 दिसंबर को उसने एक दिन तक बंधक बनाकर हाथ-पैर पर ब्लेड से वार किए और पैरों पर दाग दिया। बाद में लगातार धमकियां दीं और आत्महत्या करने के लिए उकसाया।

सुखप्रीत अपने तीन चचेरे बहनों के साथ सूरत के सारोली क्षेत्र के कुम्भारिया गांव स्थित सारथी कॉम्प्लेक्स में रहती थी। 2 मई 2025 को जब वह घर पर अकेली थी तो पंखे के हुक पर दुपट्टा बांधकर फांसी लगा ली। जब बहनें घर लौटीं तो दरवाजा नहीं खुला, पड़ोसियों की मदद से दरवाजा तोड़ा गया तो सुखप्रीत फांसी पर लटकी मिली।

घटना के बाद पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला था। परिवार ने संदेह जताया और लिव-इन पार्टनर महेंद्र के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज कराया गया। आखिरकार चार महीने बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

50 रुपये के लिए दोस्त की जान ली

बर्थ-डे सेलिब्रेशन के खर्च के पैसों को लेकर मांगे 50 रुपये पर चाकू मारकर दोस्त की हत्या, दो गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के पांडेसरा इलाके में जन्मदिन की पार्टी के खर्च के केवल 50 रुपये को लेकर दोस्तों ने अपने ही दोस्त की जान ले ली। इस सनसनीखेज मामले में जन्मदिन के खर्च में हिस्सा मांगने पर आरोपी ने अपने दोस्त पर चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार, मंगलवार रात पांडेसरा के रॉकड़िया हनुमान मंदिर के पास लक्ष्मीनगर में रहने वाला और जीआईडीसी की एक कंपनी में काम करने वाला 28 वर्षीय भगतसिंह नरेन्द्रसिंह अपने दोस्त बिट्टू काशीनाथ सिंह के जन्मदिन की पार्टी में शामिल हुआ था। दोस्तों ने अलथाण की एक होटल में पार्टी करने की योजना बनाई थी।

डीसीपी निधि ठाकुर ने बताया कि झगड़े के दौरान भगतसिंह ने माहौल शांत कराने की कोशिश की, लेकिन गुस्साए बिट्टू और उसके दोस्त चंदन करुणाशंकर दुबे ने हमला कर दिया। झगड़े में भगतसिंह को चाकू से मारकर मौत के घाट उतार दिया गया। वहीं अनिल राजभर भी गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना के बाद मृतक भगतसिंह के भाई नागेन्द्र सिंह ने पांडेसरा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मूल रूप से बिहार के बिट्टू काशीनाथ अवधिया (23) और चंदन करुणाशंकर दुबे (23) को गिरफ्तार कर लिया। जांच में सामने आया कि चंदन दुबे पहले से ही कई मामलों में आरोपी है, उसके खिलाफ लूट और मारपीट के चार मामले दर्ज हैं। केवल 50 रुपये जैसी मामूली बात पर हुई इस हत्या से पूरे इलाके में सनसनी मच गई है। भगतसिंह के परिवार में माता, भाई-बहन और अन्य सदस्य गहरे शोक में डूबे हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ हत्या और हमले का केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी

निधि टेक्सटाइल मार्केट में मीटर बॉक्स में धमाके के साथ आग

बिजली की तारों से तेजी से तीसरी मंजिल तक फैली आग

3 फायर स्टेशन के जवानों ने ऑक्सीजन मास्क पहनकर डेढ़ घंटे में काबू पाया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के लिम्बायत इलाके में मिडास स्क्वायर के पीछे बने नए निधि टेक्सटाइल मार्केट में 18 सितंबर सुबह आग लग गई। इस हादसे में किसी की जान नहीं गई, लेकिन आग के चलते मार्केट में भारी नुकसान हुआ है। खास बात यह रही कि आग बिजली की तारों से तेजी से तीसरी मंजिल तक फैल गई थी। तीन फायर स्टेशनों की आठ गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर पानी की बौछार चलाकर करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। मिली जानकारी के मुताबिक, लिम्बायत इलाके में मिडास स्क्वायर के पीछे बने नए निधि टेक्सटाइल मार्केट में सुबह करीब साढ़े पांच बजे बेसमेंट में स्थित मीटर बॉक्स में धमाके के साथ आग लगी। शुरुआती आशंका है कि शॉर्ट सर्किट के कारण ही यह आग लगी। बेसमेंट में लगी आग बिजली की तारों के जरिए तेजी से तीसरी मंजिल तक फैल गई।

फायर ऑफिसर कृष्णा मोढे ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही डुंभावल, पुना और मांडरवाजा फायर स्टेशन की कुल आठ गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंच गईं। बेसमेंट में रबर और कॉपर वायर जलने से जहरीला और घना धुआं फैल गया था, जिसकी वजह से फायर ब्रिगेड के जवानों को ऑक्सीजन मास्क पहनकर अंदर जाना पड़ा। धुआं इतना ज्यादा था कि बाहर से ऐसा लग रहा था मानो पूरी टेक्सटाइल मार्केट जल रही हो, जबकि अंदर ज्यादातर धुआं ही भरा था।